@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली–हरियाणा–पंजाब–चण्डीगढ़–उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 13 अगस्त 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 274 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

जस्टिस वर्मा के खिलाफ लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव मंजूर

स्पीकर ने 3 सदस्यीय कमेटी बनाई; कहा- आरोप गंभीर, पद से हटाने की कार्रवाई जरूरी

● *यह मामला मार्च 2025 में सामने आए उस विवाद से जुड़ा है, जब दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर आग लगने की घटना के दौरान जले हुए नोटों के बंडल बरामद हुए थे।*

एजेंसी
नई दिल्ली। देश के न्यायिक इतिहास में दुर्लभ और संवैधानिक रूप से महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत, मंगलवार को लोकसभा ने औपचारिक रूप से इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पढ़कर सुनाया। इसके साथ ही संविधान के अनुच्छेद 124(4), 217 और 218 के तहत उन्हें पद से हटाने की कार्यवाही का रास्ता साफ हो गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में बताया कि उन्हें 31 जुलाई 2025 को यह प्रस्ताव प्राप्त हुआ था, जिस पर पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और विपक्ष के नेता सहित कुल 146 लोकसभा सदस्यों और 63 राज्यसभा सदस्यों के हस्ताक्षर हैं।

बेटी बचाओ से बेटी सशक्त करो तक राष्ट्र के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का विजन

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 12 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल दिल्ली विधानसभा से 'तिरंगा साइक्लोथॉन फॉर गर्ल्स' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बेटियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि कि जब हमारी बेटियों को अपने सपनों की उड़ान मिलेगी, तभी देश के आकाश में तिरंगा और भी शान से लहराएगा। उन्होंने कहा कि अब वक्त 'बेटियों को सशक्त' करने का है। रिमझिम बारिश के बीच बेटियों ने राजघाट तक इस यात्रा को पूरा किया। इस विशेष कार्यक्रम में सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद भी शामिल हुए। इस अनूठे 'तिरंगा साइक्लोथॉन फॉर गर्ल्स' में शामिल स्कूली लड़कियों का उत्साह देखने लायक था। भरपूर ऊर्जा से भरपूर छात्राओं ने मुख्यमंत्री के साथ 'भारत माता की जय' उद्घोष के नारे से बादलों से भरे आसमान को गुंजाएमान किए रखा। मुख्यमंत्री ने इस

अवसर पर प्रतिभागी बेटियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि यह साइक्लोथॉन स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नई उड़ान और नया अध्याय है। यह आयोजन न केवल स्वास्थ्य और फिटनेस का संदेश देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जब हमारी बेटियों के सपनों की उड़ान मिलेगी, तभी देश के आकाश में तिरंगा और भी शान से लहराएगा। उन्होंने सभी बेटियों से आह्वान किया कि वे आसमान की ओर हाथ फैलाकर यह संकल्प लें कि देश का नाम रोशन करना है, दिल्ली की बेटी बनकर भारत की बेटी बनना है। बच्चियों से वार्तालाप करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि देश में पहले 'बेटी बचाओ' पर बल दिया गया, फिर यह अभियान 'बेटी पढ़ाओ' के संकल्प तक पहुंचा। अब वक्त है 'बेटी बढ़ाओ' का। हमारा उद्देश्य है कि हर बेटी का भविष्य उज्ज्वल हो और वह अपने सपनों को पूरा करते हुए डीएम, सीएम, वैज्ञानिक या खिलाड़ी आदि बनकर देश का मान-सम्मान बढ़ाए।

शेष पृष्ठ 3 पर

पाक सेना प्रमुख की धमकी को अमेरिका के समक्ष मजबूती से उठाए केंद्र सरकार : ओवैसी

नई दिल्ली। एआईएमआईएम चीफ और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की भारत के खिलाफ धमकियों की निंदा की। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मुद्दे को अमेरिका के समक्ष उठाने की मांग की। असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पाकिस्तानी सेना प्रमुख की धमकियों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'पाकिस्तानी सेना प्रमुख की भारत के खिलाफ धमकियां और भाषा निंदनीय हैं। उन्होंने अमेरिकी धरती से ऐसा किया, जिससे यह और भी बदतर हो जाता है। सरकार को इस पर राजनीतिक प्रतिक्रिया देनी चाहिए और केवल विदेश मंत्रालय के बयान के जरिए ही नहीं, बल्कि सरकार को अपना विरोध दर्ज कराना चाहिए और अमेरिका के समक्ष इस मुद्दे को मजबूती से उठाना चाहिए। उन्होंने आगे लिखा, 'भारत एक रणनीतिक साझेदार है और अमेरिकी धरती का यह दुरुपयोग भारत और भारतीयों दोनों को अस्वीकार्य है। पाकिस्तान की सैन्य योजनाओं को समझते हुए, हमें अपने सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण करने की आवश्यकता है।

नितिन गडकरी को इस वर्ष का आबासाहेब वीर सामाजिक पुरस्कार दिया जायेगा

सतारा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को किसान वीर सहकारी चीनी मिल (केवीसीएसएफ), सतारा, महाराष्ट्र की ओर से इस वर्ष के प्रतिष्ठित 'आबासाहेब वीर सामाजिक पुरस्कार' के लिए चुना गया है। केवीसीएसएफ के उपाध्यक्ष प्रमोद शिंदे ने यहां जारी एक बयान में कहा कि यह पुरस्कार सामाजिक, आर्थिक, ग्रामीण और राष्ट्रीय क्षेत्रों के विकास में योगदान देने वाले व्यक्तियों को दिया जाता है। इस वर्ष, श्री गडकरी को सड़क और राजमार्ग क्षेत्र में उनके योगदान के लिए चुना गया है। श्री शिंदे ने कहा कि पुरस्कार वितरण समारोह की तिथि बाद में घोषित की जायेगी।

हरिद्वार में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से पार, चेतावनी जारी

देहरादून। उत्तराखंड के हरिद्वार में गंगा नदी का जलस्तर खरते के निशान को पार कर चुका है और प्रशासन ने लोगों को एहतियात बरते को लेकर चेतावनी जारी की है। उत्तराखंड में मंगलवार सुबह से लगातार मौसम खराब बना हुआ है। गौरतलब है कि मौसम विज्ञान विभाग ने पहले ही राज्य के अधिकांश जिलों में बारिश को लेकर 17 अगस्त तक के लिए येलो अलर्ट जारी कर चुका है। आज जहां राज्य की सभी नदियों में जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच चुका है।नदी, गदेरो के आसपास रहने वालों को पुलिस ने आमतौर पर सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया है। सीडब्ल्यूसी की चेतावनी के अनुसार,आज सुबह 8:00 बजे से रात्रि नौ बजे तक देहरादून ज़िले के ऋषिकेश में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ सकता है।

पिक्चर अभी बाकी है : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर फिर बोला हमला

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित 'वोट चोरी' को लेकर एक बार फिर चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'एक व्यक्ति, एक वोट' संविधान का आधार है और चुनाव आयोग की ड्यूटी है कि वे 'एक व्यक्ति, एक वोट' को लागू करें, मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया। राहुल गांधी ने बिहार की 124 साल की मिंता देवी का जिक्र करते हुए बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण (एसआईआर) की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे अनगिनत मामले सामने आए हैं। अभी पिक्चर बाकी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद भवन के बाहर मीडिया से बात करते हुए एसआईआर के मुद्दे पर कहा, ठकेवल एक सीट नहीं है, बहुत सारी सीटें हैं। यह राष्ट्रीय स्तर पर किया जा रहा है और व्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है। चुनाव आयोग जानता है

और हम भी जानते हैं। पहले हमारे पास सबूत नहीं थे, लेकिन अब हमारे पास सबूत हैं। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। 'एक मतदाता एक मत' संविधान का आधार है और चुनाव आयोग की ड्यूटी है कि वे 'एक व्यक्ति एक मत' को लागू करें, मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया। हम (विपक्ष) केवल संविधान की रक्षा कर रहे हैं और करते रहेंगे, रुकेंगे नहीं।' चुनाव

● **वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि हम वोट चोरी का विरोध कर रहे हैं। राहुल गांधी ने बताया है कि वोटर लिस्ट में सारे फर्जी नाम और पते हैं।**

आयोग द्वारा एसआईआर के दौरान बिहार में महिला मिंता देवी की उम्र 124 साल बताए जाने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, 'ऐसे बहुत अनगिनत मामले सामने आए हैं। अभी पिक्चर बाकी है।'

प्रियंका गांधी का इजरायल पर हमला: 5 पत्रकारों की हत्या को बताया 'जघन्य अपराध'

भारत सरकार की चुप्पी पर उठाए सवाल

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने इजरायल के हमले में अल-जजीरा के 5 पत्रकारों की मौत को जघन्य अपराध बताया है। उन्होंने हमलों को लेकर कहा कि इजरायल नरसंहार कर रहा है। इस बीच, प्रियंका वाड्रा ने भारत सरकार पर भी निशाना साधा। कांग्रेस सांसद प्रियंका वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'अल जजीरा के 5 पत्रकारों की निर्मम हत्या फिलिस्तीनी धरती पर किया गया एक और जघन्य अपराध है। जो लोग सत्य के लिए खड़े होने का हिम्मत करते हैं, उनका असीम साहस इजरायल की हिंसा और घृणा से कभी नहीं टूटेगा। ऐसी दुनिया में जहां अधिकांश मीडिया सत्ता और व्यापार का गुलाम है, इन बहादुर आत्माओं ने हमें याद दिलाया कि सच्ची पत्रकारिता क्या होती है। ईश्वर उनकी

आत्मा को शांति दे।' प्रियंका वाड्रा ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, 'इजरायल नरसंहार कर रहा है। उसने 60 हजार से ज्यादा लोगों की हत्या की है, जिनमें 18,430 बच्चे थे। उसने सैकड़ों लोगों को भूख से मार डाला है, जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं और लाखों लोगों को भूख से मरने की धमकी दे रहा है।' भारत सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस सांसद ने लिखा, 'चुप रहकर और निष्क्रियता से इन अपराधों को बढ़ावा देना अपने आप में एक अपराध है। यह शर्मनाक है कि भारत सरकार चुप बैठी है, जबकि इजरायल फिलिस्तीन के लोगों पर यह तबाही मचा रहा है।'

इस्राइल ने दिया जवाब, कहा- आपकी ढकोसलेबाजी शर्मनाक...

गाजा में पत्रकारों की मौत को लेकर आरोप लगाने पर प्रियंका गांधी को इस्राइल ने जवाब दिया है। भारत में इस्राइल के राजदूत ने कहा कि आपकी ढकोसलेबाजी शर्मनाक है। हमास के आंकड़ों पर विश्वास न करें। इस्राइल ने हमास को खत्म कर दिया है। इस्राइल ने 25,000 हमास आतंकियों को मार गिराया। लोगों को मानव जीवन की भयानक क्षति हमास की नागरिकों के पीछे छिपने की घिनौनी रणनीति का परिणाम है। यह निकासी या सहायता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे लोगों पर गोलीबारी और रॉकेट हमलों के कारण हुआ है। इस्राइल ने गाजा में 20 लाख टन भोजन पहुंचाया, जबकि हमास उसे जब्त करने की कोशिश कर रहा है, जिससे भुखमरी पैदा हो रही है।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर साढ़े आठ करोड़ की हेरोइन जब्त

● **इसी पोस्ट पर दो साल पहले तत्कालीन डीआईजी पुष्पेंद्र सिंह के नेतृत्व में बीएसएफ ने तीन सौ करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद की थी, जो अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई थी।**

एजेंसी
बीकानेर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की खुफिया सूचना पर पुलिस के साथ संयुक्त सर्च अभियान के दौरान भारत-पाकिस्तान अन्तरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक 1.665 किलो हेरोइन जब्त की गयी है। बरामद हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय मार्केट में लगभग 8.50 करोड़ रुपये बताई गई है। उपसमादेष्टा इंटेलिजेंस ब्रांच बीकानेर के महेश चंद जाट ने मंगलवार को बताया कि लोकल पुलिस खाजूवाला के साथ ग्राम 21 बी डी के एरिया में एक संयुक्त सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान बंदरी पोस्ट के नजदीक कीचड़ में पैकेट मिला। खोलने पर इसमें 1.655 किलो ड्रग मिली। यह पैकेट छह अलग-अलग लेयर में पैक किया हुआ था। जाट ने बताया कि बीएसएफ बीकानेर की इंटेलीजेंस ब्रांच बॉर्डर एरिया में बहुत ही सतर्कता से अपनी ड्यूटी का निर्वहन

कर रही है, ताकि इस क्षेत्र को नशे और अपराध मुक्त बनाया जा सके। इस अभियान में शिव भास्कर तिवारी, सेकंड इन कमांड, अरुण कुमार उपसमादेष्टा, निरीक्षक इंद्राज सिंह बड़सरा 96 वीं वाहिनी और इंटेलीजेंस ब्रांच बीकानेर के निरीक्षक कमलेश कुमार का भी अहम योगदान रहा।

'जो कैदी सजा पूरी कर चुके, उन्हें तुरंत रिहा करें'

सुप्रीम कोर्ट का राज्यों को अहम निर्देश

एजेंसी
नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि कोई दोषी व्यक्ति सजा की निर्धारित अवधि पूरी करने के बाद भी जेल में बंद है और किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है तो उसे तत्काल रिहा किया जाए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी सुखदेव यादव उर्फ पहलवान को रिहा करने का आदेश देते हुए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह निर्देश दिया। न्यायालय ने कहा कि यादव ने इस साल मार्च में बिना किसी छूट के 20 साल की सजा पूरी कर ली है। पीठ ने इसके साथ ही सजा की निर्धारित अवधि से अधिक समय तक जेल में बंद तो नहीं है।

पीठ ने कहा, '9 मार्च, 2025 के बाद अपीलकर्ता को और अधिक कारावास में नहीं रखा जा सकता।'

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को निर्देश दिया कि वे यह पता करें कि कोई दोषी व्यक्ति यदि कोई दोषी व्यक्ति किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है और निर्धारित अवधि से अधिक समय तक जेल में बंद हैं तो जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे शीघ्र रिहा किया जाए। पीठ ने कहा कि न्यायालय के इस आदेश को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव को भेजा जाए ताकि इससे राज्यों के जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों अवगत कराया जा सके।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन जन स्वास्थ्य में नए युग का सूत्रपातः मोदी

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन आनुवंशिक विकार से निपटने से लेकर समानता और सम्मान सुनिश्चित करने तक जन स्वास्थ्य में एक नए युग का सूत्रपात करता है।

श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को सिकल सेल रोग मुक्त बनाने के लक्ष्य से जुड़ी ऐतिहासिक पहल पर मंगलवार को केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का एक लेख सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए यह बात कही। दरअसल श्री नड्डा ने सिकल सेल रोग के बारे में सोशल मीडिया पर अपना लेख पोस्ट किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से पीएमओ इंडिया के हैंडल से इसकी प्रतिक्रिया में एक पोस्ट में कहा गया है, 'भारत का राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन आनुवंशिक विकार से निपटने से लेकर समानता और सम्मान सुनिश्चित करने तक जन

स्वास्थ्य में एक नए युग का सूत्रपात करता है। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2047 तक सिकल सेल रोग मुक्त भारत के लक्ष्य से जुड़ी इस ऐतिहासिक पहल पर लेख लिखा है, उनके विचारों को अवश्य पढ़ा जाना चाहिए!

दिल्ली-एनसीआर में 10-15 साल पुराने वाहनों को फिलहाल राहत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सख्ती न करें

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 10 से 15 साल पुराने डीजल और पेट्रोल वाहन मालिकों पर किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई न किए सुप्रीम कोर्ट से कोई दंडात्मक कदम न उठाने का आदेश देने पर विचार करने की अपील की थी। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर 4 हफ्तों के भीतर

जाने का आदेश दिया है। मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एन. वी. अंजारिया की पीठ ने यह आदेश तब पारित किया जब दिल्ली सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जवाब मांगा है। तब तक के लिए 10 से 15 साल पुराने डीजल और पेट्रोल वाहनों के मालिकों पर कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। कोर्ट ने इस बात को स्पष्ट कर दिया है। शीर्ष कोर्ट ने कहा, नोटिस जारी किया जाए। चार हफ्तों में जवाब मांग गया है। इस बीच, हम निर्देश देते हैं कि डीजल के 10 साल पुराने और पेट्रोल के 15 साल पुराने वाहनों के मालिकों के खिलाफ कोई सख्ती न की जाए। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी और कहा था कि 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर पूरी तरह से रोक लगाना अनुचित है।

दिल्ली सरकार ने दायर की थी याचिका

खा गुप्ता सरकार ने 2018 के उस नियम पर पुनर्विचार करने की मांग की थी, जिसमें पुरानी गाड़ियों पर प्रतिबंध लगाया गया है। सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया कि वह केंद्र सरकार या वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को एक व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन करने का निर्देश दे। यह अध्ययन वाहनों की उम्र के आधार पर लगाए गए प्रतिबंध के वास्तविक पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन करेगा और मूल्यांकन करेगा कि क्या यह कदम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता सुधार में महत्वपूर्ण योगदान देता है। याचिका में कहा गया कि सभी वाहनों पर पूर्ण प्रतिबंध को लेकर पड़ने वाले असर और निष्पक्षता की दोबारा जांच की जाए। सरकार एक अधिक सटीक, उत्सर्जन-आधारित नियामक ढांचे की वकालत करती है, जो वाहन की उम्र के बजाय उससे होने वाले वायु प्रदूषण और गाड़ी की फिटनेस को ध्यान में रखे।

बिहार एसआईआर पर विपक्ष के आरोप

सत्ता पक्ष ने कहा- सदन बाधित करने की सोची-समझी योजना

एजेंसी
नई दिल्ली। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची के गहन रिव्यू के मुद्दे पर विपक्ष ने मंगलवार को संसद में विरोध-प्रदर्शन किया। राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष चाहता है कि सदन में एसआईआर समेत सभी आवश्यक मुद्दों पर चर्चा हो। सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले। लेकिन, सरकार ऐसा नहीं चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार से यह शुरुआत की गई है। लेकिन, यह यहीं पर नहीं रुकेगा, बल्कि अब यह प्रक्रिया पश्चिम बंगाल, असम समेत पूरे देश में दोहराई जाएगी। उन्होंने कहा कि देश के गरीब और वंचित वर्ग के लोगों को इससे सबसे अधिक नुकसान होगा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा के भीतर भी यह बात रखने की कोशिश की। सदन में राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक पर चर्चा के दौरान उन्होंने यह बात रखने

का प्रयास किया। इस पर नेता सदन जेपी नड्डा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि तय नियमों के मुताबिक केवल संबंधित विधेयक पर ही चर्चा की मंजूरी होनी चाहिए। मैंने पहले कहा था कि विपक्ष का व्यवहार संसद के सुचारू संचालन को बाधित करने की एक सोची-समझी योजना है। विपक्ष को एक स्वस्थ लोकतंत्र में कोई विश्वास नहीं है। हमने पहले ही

● *जेपी नड्डा ने आसन पर मौजूद डॉ. सस्मित पात्रा के समक्ष यह मांग रखी कि नेता प्रतिपक्ष ने जो बातें कही हैं, वे सदन की कार्यवाही से बाहर की जानी चाहिए।*

दिन कहा कि हम किसी भी प्रकार की चर्चा के लिए तैयार हैं। लेकिन, वह चर्चा नियमों के दायरे में होनी चाहिए। जेपी नड्डा ने आसन पर मौजूद डॉ. सस्मित पात्रा के समक्ष यह मांग रखी कि नेता प्रतिपक्ष ने जो बातें कही हैं, वे सदन की कार्यवाही से बाहर की जानी चाहिए।

विवादित लैंड पुलिंग स्कीम मामले में किसानों और विपक्ष की जीत....मान सरकार की हार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की मान सरकार द्वारा लाई गई विवादित लैंड पुलिंग स्कीम को लेकर महीनों से चल रहा विवाद आखिरकार किसानों और विपक्ष की जीत के साथ समाप्त हुआ है। इस योजना का पंजाब के किसानों और विपक्षी पार्टियों ने पुरजोर विरोध किया था, इस फैसले को भारतीय जनता पार्टी की लीगल सेल ने भी संवैधानिक और कानूनी दृष्टि से त्रुटिपूर्ण बताया था। वकील एन.के. वर्मा, संयोजक, बीजेपी लीगल सेल पंजाब ने कहा कि किसानों के अधिकारों और ज़मीन की सुरक्षा के लिए हर मंच पर लड़ाई लड़ी गई। यह योजना किसानों की भूमि पर जबरन नियंत्रण का रास्ता खोल रही थी, जो संवैधानिक और नैतिक दोनों दृष्टियों से गलत था विपक्ष, किसानों और विभिन्न संगठनों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने योजना पर स्टे लगा दिया था। कानूनी दबाव और जनविरोध के चलते अंतत: पंजाब की मान सरकार को पीछे हटते हुए योजना को वापस लेना पड़ा। एडवोकेट वर्मा ने मान सरकार के पीछे हटने को पंजाबियों की ऐतिहासिक जीत ओर आप पार्टी की करारी हार बताकर कहा कि बीजेपी लीगल सेल किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा संघर्षरत रहेगी और भविष्य में भी किसी भी जनविरोधी नीति के खिलाफ कानूनी मोर्चा खोलने से पीछे नहीं हटेगी।

मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण वाली याचिका पर 22 सिंतबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण देने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 22 सितंबर को अंतिम सुनवाई होगी। सीनियर वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने याचिकाकर्ता की तरफ से कोर्ट के सामने पक्ष रखा। ओबीसी महासभा के वकील वरुण ठाकुर ने बताया कि कोर्ट ने मामले को अति महत्वपूर्ण मानते हुए टॉप ऑफ द बोर्ड में लिस्टेड किया है। 22 सितंबर को मामले को पहले नंबर पर सुनवाई के लिए रखा है। ये 13 प्रतिशत होल्ड वाले मामले में अंतिम सुनवाई होगी। इससे पहले कोर्ट में प्रतियोगी परीक्षाओं में 13 प्रतिशत होल्ड पदों को अनहोल्ड किए जाने और छत्तीसगढ़ के फॉर्मूले पर अमल के लिए याचिकाकर्ताओं के वकील अपनी बात रख चुके हैं।

हाई कोर्ट ने आरक्षण सीमा 14 प्रतिशत तक सीमित की थी

मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने 4 मई 2022 के अंतरिम आदेश में ओबीसी आरक्षण की सीमा 14 प्रतिशत तक सीमित कर दी थी। इसके बाद से मामला सुप्रीम कोर्ट में है। 5 अगस्त को हुई सुनवाई में ओबीसी महासभा की ओर से कहा गया था कि परीक्षा के बाद भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है लेकिन नियुक्ति नहीं दी जा रही है। छत्तीसगढ़ जैसी राहत एमपी में दी जाए। दूसरी तरफ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चांदुरकर की खंडपीठ के सामने अनारक्षित वर्ग द्वारा 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं दिए जाने पर बात रखी गई थी।

बिलावल भुटटो को मिथुन दा की चेतावनी... अगर हमारी खोपड़ी सनक गई

कोलकाता (एजेंसी)। अभिनेता से राजनेता बने भाजपा नेता बने मिथुन चक्रवर्ती ने पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी के बयान पर पलटवार कर कहा है कि अगर हमारी खोपड़ी सनक गई, फिर एक के बाद एक ब्रह्मोस चलेगा। कोलकाता में मिथुन दा ने कहा, अगर ऐसी बातें की गई तब हमारी झोपड़ी सनक गई, फिर एक के बाद एक ब्रह्मोस चलेगा। उनका इशारा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सैन्य बलों की साहसिक कार्रवाई की तरफ था। भाजपा नेता की टिप्पणी बिलावल भुट्टो की उस गीदड़भभकी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर भारत ने सिंधु नदी पर बांध बनाया, तब युद्ध होगा। चक्रवर्ती ने पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री द्वारा सिंधु जल संधि में बदलाव को लेकर भारत को दी गई नई चेतावनी की कड़ी आलोचना की।

20 साल की सज़ा पूरी हुई... रिहा होगा नीतीश कटारा हत्याकांड का दोषी सुखदेव पहलवान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बहुचर्चित नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी सुखदेव पहलवान उर्फ सुखदेव यादव को रिहा करने का आदेश दे दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि सुखदेव अपनी 20 साल की सज़ा पूरी कर चुका है। यह फैसला जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने सुनाया। सुप्रीम कोर्ट पीठ ने स्पष्ट किया कि सुखदेव पहलवान को निश्चित अवधि के लिए उम्रकैद की सज़ा मिली थी, और 20 साल पूरे होने के बाद उसकी रिहाई के लिए अलग से किसी आदेश की ज़रूरत नहीं होना चाहिए है। अदालत ने कहा कि इसतरह के मामलों में, जहाँ सजा की अवधि तय होती है, दोषी को सज़ा पूरी होने पर तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। इसके लिए किसी अलग से आदेश का इंतजार नहीं करना चाहिए। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने जेल प्रशासन के रवैये पर सवाल उठाकर यह बात कही। बेंच ने 29 जुलाई को ही सुखदेव पहलवान उर्फ सुखदेव यादव को रिहा करने का आदेश दिया था, लेकिन सजा समीक्षा बोर्ड ने उसके आचरण का हवाला देकर रिहाई को टाल दिया था। शीर्ष अदालत ने सजा समीक्षा बोर्ड के रवैये पर भी कड़ी नाराजगी जाहिर की की। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने बताया कि उसने 29 जुलाई को ही सुखदेव को रिहा करने का आदेश दिया था, लेकिन बोर्ड ने उसके आचरण का हवाला देकर रिहाई को टाल दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने बोर्ड से पूछा, आखिर आपका यह कैसा बर्ताव है? वहीं मामले में दिल्ली सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे ने दलील दी थी कि उम्रकैद का मतलब बची हुई पूरी ज़िंदगी जेल में बिताना होता है, और सुखदेव की रिहाई स्वचालित नहीं हो सकती।

देश में एसआईआर पहली बार नहीं हो रहा है, आयोग की यह एक नियमित प्रक्रिया है: प्रधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर आरोप लगाते हुए कहा है कि जो लोग संविधान की दुहाई देते हैं, वही आज उसकी मूल संस्थानों को कमजोर करने का षड्यंत्र रच रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में राहुल गांधी, कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी चुनाव आयोग जैसी निष्पक्ष संस्थान पर निराधार आरोप लगाकर देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। विशेष संशोधित मतदाता सूची (एसआईआर) जैसी नियमित प्रक्रिया को राजनीतिक हथियार बनाकर, यह लोग घुसपैठियों के पक्ष में वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि उनके मन में पीड़ा है कि उनके खानदान के बाहर सत्ता कैसे चली गई।

प्रधान ने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग और विशेषकर कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी आए दिन संविधान की दुहाई देते हैं, इन दिनों देश देख रहा है कि सबसे अधिक संविधान-विरोधी कार्य अगर कोई कर रहा है, तो राहुल गांधी उसके सरगना हैं। कांग्रेस पार्टी की दिशाहीनता, उनकी दुविधा बन चुकी है। एसआईआर पहली बार नहीं हो रहा है, हर एक राज्य में राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव आयोग की यह एक नियमित प्रक्रिया है। आजादी के बाद मतदाता सूची को परिष्कृत करने और व्यवस्थित करने के लिए चुनाव आयोग की एक स्वतंत्रत और निरंतर प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पहले ईवीएम के ऊपर झूठ बोलती है, कभी महाराष्ट्र की बात उठाती है, कभी हरियाणा की बात उठाती है और झूठ का एक नया पहाड़ खड़ा करती है। विशेषकर 2014, 2019 और 2024 में कांग्रेस पार्टी अनेक राज्यों में निरंतर पराजय के कारण एक निराशा की स्थिति में पहुंच चुकी है। उनका कोई स्पष्ट मुद्दा नहीं है, कोई नीति नहीं है, एक रिएक्शनरी फोर्स के नाते ये लोग अपने राजनीतिक कार्यक्रम बना रहे हैं। पहले कांग्रेस ने ईवीएम को मुद्दा बनाया, फिर राफेल पर झूठ बोला, फिर सीमा पर चीन के साथ हमारे विवाद में चीन का साथ दिया। भारत की सेना और भारत की सम्प्रभुता पर इन्होंने प्रश्न उठाया, जिसके बारे में न्यायपालिका ने शायद ही आजाद भारत में किसी राजनीतिक व्यक्तित्व पर इतनी कटु टिप्पणी दी होगी कि आखिर बताइए, आप हैं किसके साथ?

केन्द्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी आज वैचारिक दिशाहीनता और गहरी दुविधा का पर्याय बन चुके हैं। अराजकता और अहंकार का मेल देश में अस्थिरता फैलाने की उनकी सुनियोजित रणनीति का हिस्सा है। उनका स्पष्ट सिद्धांत है कि अगर चुनाव जीतें तो सब कुछ सही, लेकिन हारने पर व्यवस्था में खामियां दिखती हैं। पिछले दो-तीन दिनों में जो बहस और विवाद हुए, विशेष रूप से उस पर भारत की मीडिया को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने तथ्य और प्रमाण के आधार पर लगभग सभी टीवी चैनलों पर राहुल गांधी के एक-एक झूठ का पर्दाफाश किया है। टेक्नोलॉजी, चुनाव आयोग की प्रक्रिया और देश के सामान्य ज्ञान, इन सभी विषयों पर राहुल गांधी की अज्ञानता उजागर हुई है। कांग्रेस पार्टी और उनके सहयोगी केवल वोट बैंक की राजनीति में लिप्त हैं। घुसपैठियों को वोटर बनाकर, वे अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकना चाहते हैं। जब चुनाव आयोग, एक संवैधानिक और निष्पक्ष संस्था के रूप में, उन्हें सही तथ्य बताता है, तब वे उसी चुनाव आयोग को ध्वस्त करने की बात करते हैं।

महाराष्ट्र में फिर नाराज दिख रहे एकनाथ शिंदे... बैठक में नहीं हुए शामिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की एनडीए सरकार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है? यह सवाल मंगलवार को फिर से गूंजने लगा है, क्योंकि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे लगातार इसतरह के संकेत दे रहे हैं। पिछले दिनों वे विधानसभा सत्र के बीच में दिल्ली आए थे। यहां अमित शाह और पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। यही नहीं अब मंगलवार को वह प्रदेश कैबिनेट की मीटिंग में नहीं पहुंचे। वे रविवार से श्रीनगर में थे, लेकिन उन्हें कैबिनेट मीटिंग के लिए पहुंचना था। लेकिन मीटिंग में वह मौजूद नहीं रहे। कयासों को जोर इसलिए भी मिल रहा है क्योंकि उनके करीबी मंत्री भारत गोगावाले भी बैठक में नहीं पहुंचे। माना जा रहा है कि शिंदे खुद को और अपने मंत्रियों को नजरअंदाज करने से नाराज चल रहे हैं। भले ही उनके पास फिलहाल विकल्पों की कमी है, इसके बाद साथ छोड़ना मुनासिब नहीं है, लेकिन अंदरखाने नाराजगी बनी हुई है। उनकी एक चिंता यह भी है कि देवेंद्र फडणवीस सरकार में शिवसेना से ज्यादा अजित पवार और उनके लोगों को भाव मिल रहा है।

गोगावाले को लेकर खबर है कि वह रायगढ़ जिले का प्रभारी मंत्री न बनाए जाने से नाराज हैं। अब तक इस जिले में प्रभारी मंत्री का ऐलान नहीं हुआ है क्योंकि एनसीपी की अदिति तटकरे के नाम पर शिवसेना भड़क गई थी। इसके बाद तटकरे का नाम वापस ले लिया गया, लेकिन अब तक गोगावाले या अन्य किसी का नाम तय भी नहीं हुआ। फिर भी बीच नाराजगी की एक वजह खड़ी हो गई है। वह यह कि अदिति को ही रायगढ़ जिला मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर जाने का मौका मिलेगा। वहीं ध्वज फहराएंगी। इससे शिवसेना में नाराजगी बताई जा रही है। शिवसेना का इस जिले में दावा रहा है कि हमारी स्थिति यहां मजबूत है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मेनका गांधी की आपत्ति, कहा- 3 लाख कुत्तों के लिए शेल्टर होम बनाना असंभव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली में आवारा कुत्तों को पकड़कर शेल्टर होम में रखने के आदेश पर भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने इसे अव्यावहारिक, वित्तीय रूप से असंभव और पर्यावरण संतुलन के लिए हानिकारक बताया है।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार और स्थानीय निकायों को सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को पकड़कर शेल्टर में रखने और अभियान में रुकावट डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद मेनका गांधी ने कहा, कि दिल्ली में करीब 3 लाख कुत्ते हैं। इन्हें हटाने के लिए 3,000 पाउंड (शेल्टर) बनाने होंगे, जिसकी लागत करीब 15,000 करोड़ रुपये होगी। सिर्फ खिलाने में ही हर हफ्ते 5 करोड़ रुपये खर्च होंगे और डेढ़ लाख देख-रेख करने वाले लोग चाहिए होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आदेश एक फर्जी मीडिया रिपोर्ट पर आधारित है, जिसमें दावा किया गया था कि कुत्ते के हमले से एक लड़की की मौत हुई, जबकि वास्तव में उसकी मौत मेनिनजाइटिस से हुई थी। मेनका गांधी ने कहा कि यह आदेश एक महीने पहले दिए गए सुप्रीम कोर्ट के संतुलित फैसले के विपरीत है।

पर्यावरणीय असर पर चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि कुत्तों को हटाने से बंदरों, चूहों और अन्य जीवों की समस्या बढ़ सकती है, जैसा पेरिस में 1880 के दशक में हुआ था। उन्होंने कुत्तों को रोडेंट कंट्रोल एनिमल बताते हुए मौजूदा एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) योजना को लागू करने की सिफारिश की, जिसमें नसबंदी, टीकाकरण और रिलोकेशन पर रोक शामिल है। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली सरकार ने संकेत दिया है कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आवारा कुत्तों की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है और इसे योजनाबद्ध तरीके से हल किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार कहा- जजों को टारगेट करना ट्रेंड बन चुका है, माफी नहीं देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जजों को टारगेट करना अब ट्रेंड बनता जा रहा है। तेलंगाना हाई कोर्ट के एक मौजूदा जज के खिलाफ अपमानजनक आरोपों से जुड़े एक अवमानना मामले की सुनवाई करते हुए सीजेआई गवई ने कहा कि वकीलों के बीच न्यायाधीशों को निशाना बनाने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है और इस पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। इसलिए माफी का सवाल ही नहीं है। जस्टिस गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट के न्यायाधीश शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों से किसी भी तरह से कमतर नहीं हैं।

अवमानना की सुनवाई के दौरान, सीजेआई ने वकील की माफी स्वीकार करने या याचिका वापस लेने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और सख्त चेतावनी दी, आप अपने मुवक्किल के खिलाफ अवमानना को न्योता दे रहे हैं। ऐसी याचिका पर हस्ताक्षर करने से पहले, क्या न्यायालय के एक जिम्मेदार अधिकारी के रूप में सावधानी बरतना आपका कर्तव्य नहीं है? अदालत ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि स्थापित क़ानून के तहत, ऐसी याचिकाओं का मसौदा तैयार करने और उन पर हस्ताक्षर करने वाले वकील भी अवमानना के लिए समान रूप से उत्तरदायी हैं। हालांकि, सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने अब प्रतिवादी को उसी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समक्ष बिना शर्त माफ़ी मांगने की अनुमति दे दी है, जिसने मूल कार्यवाही में अंतिम आदेश पारित किया था। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े द्वारा दी गई 'बिना शर्त और बिना शर्त माफी' पर विचार करते कहा कि इसे एक सप्ताह के भीतर संबंधित उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समक्ष दायर किया जाना चाहिए, जो इसके बाद एक सप्ताह के भीतर इस पर निर्णय लेंगे।

बता दें कि यह मामला एक याचिका की सुनवाई के दौरान उठा, जिसमें याचिकाकर्ता, उनके एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड और ड्राफ्ट तैयार करने वाले वकील ने कथित तौर पर हाई कोर्ट के जज के खिलाफ अपमानजनक आरोप लगाए थे। पिछली सुनवाई में अदालत ने इस याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा को गंभीरता से लेते हुए अवमानना नोटिस जारी किए थे। शीर्ष अदालत 29 जुलाई, 2025 को एन पेड्डी राजू के खिलाफ स्वतः संज्ञान दायर एक अवमानना याचिका पर विचार कर रही थी, क्योंकि उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ एससी/एसटी अधिनियम के तहत एक आपराधिक मामले को खारिज करने वाले उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ कथित तौर पर पक्षपात और अनुचितता का आरोप लगाया था। मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने एक मामले में सुनवाई के दौरान कहा, हमने देखा है कि आजकल वकीलों के बीच हाई कोर्ट और निचली अदालतों के न्यायाधीशों की बिना किसी कारण के आलोचना करना एक चलन बन गया है। जस्टिस गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट के न्यायाधीश संवैधानिक पदाधिकारी हैं, जिन्हें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के समान ही छूट और सम्मान प्राप्त है। पीठ ने आगे कहा कि यद्यपि शीर्ष न्यायालय का उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों पर कोई प्रशासनिक नियंत्रण नहीं है, फिर भी उन्हें ऐसे हमलों से बचाना उसका कर्तव्य है।

पवित्रता का हवाला देकर प्रस्ताव खारिज: ऑनलाइन नहीं बिकेगा पुरी जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा सरकार ने साफ कर दिया कि भगवान जगन्नाथ का महाप्रसाद ऑनलाइन बेचने की अनुमति नहीं दे सकती। इस आशय का प्रस्ताव खारित करते हुए राज्य सरकार ने कहा कि ये महाप्रसाद की पवित्रता का सवाल है इसलिए ये प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा, महाप्रसाद का गहरा धार्मिक महत्व है और इसे सर्वोच्च सम्मान के साथ रखा जाना चाहिए। यह पारंपरिक रूप से केवल मंदिर परिसर में ही बेचा जाता है, और अगर इसे ऑनलाइन बेचा गया तो इसकी पवित्रता से समझौता हो सकता है। उनका यह बयान एक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म द्वारा महाप्रसाद बेचने के प्रयास के बाद सोशल मीडिया पर आई प्रतिक्रियाओं के जवाब में आया है।

उन्होंने कहा, 'हमें डर है कि अगर 'महाप्रसाद' को इस तरीके से श्रद्धालुओं तक पहुंचाया गया तो इसकी शुद्धता कायम रह पाएगी या नहीं।' हरिचंदन ने कहा कि सरकार ऐसी किसी भी पहल का समर्थन या प्रचार नहीं करती है। उन्होंने कहा, 'न तो हमारे पास ऐसा कोई प्रस्ताव है और न ही हम किसी को 'महाप्रसाद' को ऑनलाइन बेचने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।' कानून मंत्री ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे 'महाप्रसाद' ग्रहण करने के लिए पुरी जगन्नाथ मंदिर आएं। उन्होंने कहा कि 'महाप्रसाद' के लिए संशोधित दर जल्द लागू की जाएगी। मंत्री का यह बयान मीडिया की उन खबरों के बाद आया है जिनमें भगवान जगन्नाथ के 'महाप्रसाद' की बिना अनुमति ऑनलाइन बिक्री का आरोप लगाया गया है। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि राज्य सरकार ने पुरी जगन्नाथ मंदिर के 'महाप्रसाद' की ऑनलाइन बिक्री के कुछ संगठनों के प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया है। हरिचंदन ने यहां सोमवार को संवाददाताओं से कहा कि कुछ संगठनों ने हाल में श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) से पुरी मंदिर के 'महाप्रसाद' और 'सूखा प्रसाद' को ऑनलाइन मंचों के माध्यम से श्रद्धालुओं तक पहुंचाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा, 'दुनियाभर के श्रद्धालुओं को प्रसाद उपलब्ध कराना एक अच्छा विचार था, लेकिन सरकार और एसजेटीए ने प्रसाद की शुद्धता को बनाए रखने के लिए इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है।'

इजराइल की हिंसा सच्चाई के लिए खड़े होने का साहस नहीं तोड़ सकती: प्रियंका गांधी

-फिलस्तीन के साथ दिखाई एकजुटता

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायनाड से सांसद और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने गाजा में पांच पत्रकारों की मौत पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर मंगलवार को एक पोस्ट करते हुए कहा, कि यह 'निर्मम हत्या' फिलस्तीनी सरजमीं पर किया गया एक और जघन्य अपराध है, लेकिन इजराइल की हिंसा और नफरत सच्चाई के लिए खड़े होने के असीम साहस को कभी नहीं तोड़ सकती।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गाजा सिटी में पत्रकारों के शिविर पर इजराइली सेना के एक लक्षित हमले में पत्रकार अनस अल-शरीफ और उनके चार सहकर्मियों की मौत हो गई। इस घटना को लेकर सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, कि ऐसी दुनिया में जहां मीडिया का बड़ा हिस्सा सत्ता और व्यापार का गुलाम बन चुका है, इन बहादुर पत्रकारों ने हमें सच्ची पत्रकारिता का अर्थ याद दिलाया। उनकी आत्मा को शांति मिले।

प्रियंका गांधी गाजा में इजराइल की कार्रवाई के खिलाफ लगातार आवाज उठा रही हैं और फिलस्तीनियों के साथ एकजुटता जता रही हैं। उन्होंने एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि निर्दोष नागरिकों और पत्रकारों पर हो रहे हमलों को रोका जाए।

उधर, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने भी रविवार को हुए इस हवाई हमले की कड़ी निंदा की है। संस्था ने पत्रकारों के शिविर को निशाना बनाए जाने को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का गंभीर उल्लंघन बताया और इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की। गाजा में जारी संघर्ष के बीच पत्रकारों और मीडिया कर्मियों पर बढ़ते हमलों ने प्रेस स्वतंत्रता और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसे में सांसद प्रियंका गांधी के इस बयान को मानवाधिकार संगठनों और प्रेस स्वतंत्रता के पैरोकारों का समर्थन भी मिला है।

अब छिड़ सकती है नई बहस: आरक्षण का हो आर्थिक आधार पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एससी और एसटी को आरक्षण की सुविधा आर्थिक आधार पर मिलना चाहिए। इस आशय को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। इस पर सुनवाई करने को सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। याचिका में सरकारी नौकरियों में आरक्षण की अधिक न्यायसंगत व्यवस्था के लिए नीतियां बनाने का केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने रमाशंकर प्रजापति और यमुना प्रसाद की जनहित याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया है और 10 अक्टूबर तक जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस मसले पर सुनवाई करने के लिए सहमति देने के बाद देश में आरक्षण पर नई बहस छिड़ सकती है।

पीठ ने भी याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि वह भारी विरोध का सामना करने के लिए तैयार रहें, क्योंकि इस जनहित याचिका के दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। याचिकाकर्ताओं ने अधिवक्ता संदीप सिंह के माध्यम से जनहित याचिका दायर की है, जिसमें कहा गया है कि यह दृष्टिकोण संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 को मजबूत करेगा और मौजूदा आरक्षण सीमा में बिना किसी छेड़छाड़ के समान अवसर सुनिश्चित करेगा। याचिका में कहा गया है कि दशकों से आरक्षण के बावजूद, आर्थिक रूप से सबसे वंचित लोग अकसर पीछे छूट जाते हैं और आरक्षित श्रेणियों के अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति वाले लोग इसका लाभ उठाते हैं लेकिन आय के आधार पर प्राथमिकता देने से यह सुनिश्चित होगा कि मदद वहीं से शुरू हो जहां आज इसकी सबसे अधिक जरूरत है। जनहित याचिका में कहा गया है, अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणियों से संबंधित याचिकाकर्ता, वर्तमान याचिका के माध्यम से इन समुदायों के भीतर आर्थिक असमानताओं को उजागर करना चाहते हैं, जिसके कारण मौजूदा आरक्षण नीतियों के तहत लाभों का असमान वितरण हुआ है।

याचिका में यह तर्क भी दिया गया है कि आरक्षण की रूपरेखा शुरू में ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदायों के उत्थान के लिए शुरू की गई थी, लेकिन वर्तमान प्रणाली इन समूहों में अपेक्षाकृत समृद्ध आर्थिक स्तर और उच्च सामाजिक स्थिति वाली पृष्ठभूमि से संबंधित लोगों को असमान रूप से लाभान्वित करती है, जबकि आर्थिक रूप से सबसे वंचित सदस्यों के लिए अवसरों तक सीमित पहुंच होती है। जस्टिस कांत ने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के कई लोग आरक्षण के माध्यम से सरकारी नौकरियों की उच्च श्रेणियों में प्रवेश करके सामाजिक और आर्थिक रूप से सक्षम हो सकते हैं और अपने बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा और सुविधाएँ प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि इस पर विचार किया जाए कि क्या ऐसे वर्ग के लोगों को अपने ही समुदाय के उन सदस्यों की कीमत पर आरक्षण का लाभ

उठाना जारी रखना चाहिए जो गरीबी में जी रहे हैं और सामाजिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

आवारा कुत्तों के खतरे पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में एमसीडी और एनडीएमसी को आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए कई निर्देश दिए हैं, सभी शहरों में डॉग शेल्टर बनाने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे आठ हफ्तों के भीतर दिल्ली-एनसीआर के सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को उठाकर डॉग शेल्टर में रखें। साथ ही, किसी भी आवारा कुत्ते को वापस नहीं छोड़ा जाएगा। दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों को लेकर हो रहे जानलेवा हमलों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख इख्तियार कियाया है। बीती 28 जुलाई को कोर्ट ने मीडिया रिपोर्टस पर स्वतः संज्ञान लेते हुए, यह साफ निर्देश जारी किए है कि आवारा कुत्तों को स्टेरलाइज (जीवाणु रहित बनाने) करने के बाद सड़कों या कॉलोनियों में वापस नहीं छोड़ा जाना चाहिए। कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर के नागरिक प्रशासन को सख्त निर्देश जारी किए हैं, जिनमें आवारा कुत्तों को पकड़ने, उन्हें जीवाणु रहित करने और उन्हें आश्रय गृह में रखने के निर्देश शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई में अड़ंगा डालता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करें। आवारा कुत्तों के लोगों पर हमलों और रेबीज संक्रमण के कई मामले सामने आने के चलते सुप्रीम कोर्ट ने यह बात कही है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि एनसीटी-दिल्ली, एमसीडी, एनएमडीसी तुरंत आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए अभियान शुरू करें और खासकर उन इलाकों में जहां आवारा कुत्तों का खतरा ज्यादा है। अदालत ने कहा कि आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति या संगठन इस काम में आड़े आए तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करें। दिल्ली सरकार के विकास, पशुपालन विभाग मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट का ये ऑर्डर दिल्ली को रेबीज और बेसहारा पशुओं के भय से मुक्ति का एक रास्ता दिखाता है। सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार का पशु विभाग सभी एजेंसियों के साथ मिलकर इस आदेश का अध्ययन करके इसको समुचित लागू करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इस आदेश को समयबद्ध तरीके पूर्णतया लागू करते हुए बेसहारा पशुओं के समुचित कल्याण का विशेष ध्यान भी रखा जाएगा। दिल्ली-एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को आठ हफ्ते में आश्रय गृह में भेजने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की जनता वर्षों से इस विषय से परेशान है। हम इसके समाधान पर काम कर रहे थे। कोर्ट ने जो आदेश दिया है वो हमारे लिए महत्वपूर्ण है। दिल्ली की जनता को राहत देना हमारा लक्ष्य है। ईमानदारी के साथ समाधान देना महत्वपूर्ण है। हम योजना बनाकर इस पर काम करेंगे। दिल्ली की जनता को बड़ा लाभ हम देने वाले हैं।

बेटी बचाओ से बेटी सशक्त करो तक राष्ट्र के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का विजन

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल दिशा में आगे बढ़ रहा है और दिल्ली सरकार अपनी बेटियों को आगे ले जाने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के अमर नारे 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा' का उल्लेख किया और कहा कि आज का भारत बेटियों से लहू नहीं, बल्कि उनका संकल्प, जुनून और कभी हार न मानने वाली जिद मांगता है। उन्होंने कहा कि 'पंखों से नहीं, हौसलों से उड़ान होती है।' शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद ने जानकारी दी कि जिस मार्ग पर यह 'तिरंगा साइक्लोथॉन फॉर गर्ल्स' निकाली जा रही है, वहां कभी 'डांडी मार्च' जैसी ऐतिहासिक घटनाएं हुई थीं। मुख्यमंत्री जी के विशेष आग्रह पर इसे केवल बेटियों के लिए आयोजित किया गया, जैसे नेताजी ने स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई रेजिमेंट बनाई थी। शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद ने स्वतंत्रता दिवस के आयोजन को स्वच्छता अभियान से भी जो ?ने की अपील की। उन्होंने बेटियों से आह्वान किया गया कि वे अपने घर और स्कूल के आसपास स्वच्छता बनाए रखने में योगदान दे और किसी भी ऐसे कार्यों को न होने दें जो वातावरण को दूषित, अस्वच्छ और अस्वस्थ करता है।

द्वारका गोल्फ व्यू अपार्टमेंट में उन्नत गुणवत्ता वाली सुविधाएं देगा डीडीए

नई दिल्ली। द्वारका सेक्टर-19बी के गोल्फ व्यू अपार्टमेंट के एचआईजी फ्लैट के लोगों को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) उन्नत गुणवत्ता वाली सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। इसके लिए पुरानी पाइपलाइनों व तारों को बदला जाएगा। साथ ही, दीवारों का दोबारा प्लास्टर और पेंटिंग की जाएगी। योजना पर करीब 1.96 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 18 अगस्त से काम शुरू होगा जिसे 120 दिनों में पूरा किया जाएगा। गोल्फ व्यू अपार्टमेंट्स डीडीए की द्वारका आवास योजना 2024 का हिस्सा हैं। ये डीडीए की सबसे महत्वपूर्ण हाउसिंग परियोजनाओं में से एक है। इसमें 14 पेंटहाउस, 946 उच्च आय वर्ग (एचआईजी), 170 सुपर एचआईजी और 728 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) फ्लैट्स शामिल हैं। ये परियोजना 2014 में शुरू हुई थी और जून 2024 में पूरी हुई, लेकिन फ्लैट मालिकों को घर मिलने में कुछ देरी हुई। इससे डीडीए फ्लैटों को नया स्वरूप देगा। पहले चरण में 946 एचआईजी फ्लैटों में पानी, बिजली की बेहतर व्यवस्था के लिए योजना शुरू की गई है। डीडीए ने इसके लिए ऑनलाइन निविदा जारी कर दी है जिसमें अनुभवी प्लंबरों और तकनीकी विशेषज्ञों वाली एजेंसियों से आवेदन मांगे गए हैं। योजना में पुरानी तीन परतों वाली (पॉलिथीन-एल्यूमिनियम-पॉलिथीन) पाइपलाइन को हटाकर क्लोरिनेटेड पॉलिविनाइल क्लोराइड (सीपीवीसी) पाइपलाइन लगाई जाएगी। सीपीवीसी पाइप 93 डिग्री सेल्सियस तक गर्म पानी सहन कर सकते हैं और जंग व रसायनों से मुक्त होते हैं। ये लंबे समय तक टिकाऊ रहते हैं। साथ ही, पूरे अपार्टमेंट में बिजली के नए तार, दीवारों की मरम्मत और रंगाई भी की जाएगी ताकि निवासियों को आधुनिक और सुरक्षित सुविधाएं मिलें। डीडीए के मुताबिक, योजना की लागत 1,96,33,398 रुपये है। इसके लिए ऐसी एजेंसियों की जरूरत है जिनके पास बहुमंजिला इमारतों में पानी की आपूर्ति और तारों का काम सफलतापूर्वक काम करने का कम से कम 7 साल का अनुभव हो। डीडीए के अधिकारियों के मुताबिक ये सभी उच्च आय वर्ग वाले फ्लैट्स हैं। इस योजना से निवासियों को साफ पानी, बेहतर बिजली आपूर्ति और आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। ये उनके जीवन स्तर को और बेहतर बनाएगा।

दिल्ली पुलिस ने नंदू गैंग के बदमाश मोनू को किया गिरफ्तार

नई दिल्लीई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नंदू गैंग के एक सदस्य, ईश्वर सिंह उर्फ मोनू, उम्र 40 वर्ष, को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक अत्याधुनिक पिस्तौल और दो कारतूस बरामद किए गए हैं। इसके बाद, द्वारका सेक्टर-23 पुलिस स्टेशन में आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वह पहले भी सात मामलों में शामिल था। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने धोखाधड़ी के मामले में 9 साल से फरार जालसाज को गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव के मुताबिक उसकी पहचान उत्तम रेजीडेंसी, रोहिणी निवासी नवल किशोर उर्फ विनोद के रूप में हुई है।

तिहाड़ जेल में वसूली रैकेट के आरोपों पर सीबीआई दर्ज करे एफआईआर

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को तिहाड़ जेल में कथित तौर पर जेल अधिकारियों और कैदियों की मिलीभगत से चल रहे उगाही रैकेट के आरोपों पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने इन आरोपों को चौंकाने वाला बताते हुए सरकार से इस पर गंभीर विचार करने को कहा। खंडपीठ ने पहले सीबीआई को इन आरोपों की प्रारंभिक जांच करने का आदेश दिया था। सोमवार को कोर्ट ने प्रारंभिक जांच की रिपोर्ट का अवलोकन किया, जिसमें जेल के अंदर कैदियों और जेल अधिकारियों की ओर से विभिन्न प्रकार की अवैध और भ्रष्ट गतिविधियों में संलिप्तता का संकेत मिला। कोर्ट ने कहा प्रारंभिक जांच रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद, हम निर्देश देते हैं कि इसके आधार पर सीबीआई की ओर से एफआईआर/आरसी दर्ज की जाए और जांच की जाए। अगली सुनवाई तक, इस आदेश के अनुसरण में सीबीआई की ओर से की गई कार्रवाई को सीलबंद लिफाफे में स्थिति रिपोर्ट के माध्यम से कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। 2 मई को कोर्ट ने दिल्ली सरकार के गृह विभाग के प्रधान सचिव को तिहाड़ जेल में प्रशासनिक और पर्यवेक्षी खामियों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों का पता लगाने के लिए तथ्य-जांच करने का निर्देश दिया था। सोमवार को सरकार के वकील ने कोर्ट को सूचित किया कि विभाग को जांच पूरी करने के लिए और समय चाहिए। कोर्ट ने तिहाड़ जेल के कामकाज पर चिंता जताने वाली याचिका पर सुनवाई 13 अगस्त के लिए निर्धारित की।

नरेला में बन सकता है दिल्ली का सबसे बड़ा जेल परिसर

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली का नया तिहाड़ कहां बनेगा, इसको लेकर मंथन का दौर शुरू हो गया है। जेल प्रशासन ने डीडीए को पत्र लिखकर इस बात की जानकारी देने को कहा है कि जरूरत के मुताबिक करीब 600 एकड़ जमीन दिल्ली में कहां-कहां उपलब्ध है। सूत्रों की मानें तो डीडीए ने जेल प्रशासन के पत्र के बाद नरेला, बापरौला और नजफगढ़ में जेल के लिए जमीन की तलाश शुरू कर दी है। यही इलाके हैं, जहां जेल के लिए जमीन उपलब्ध हो सकती है। शेष हिस्से में या तो कॉलोनियां बस चुकी हैं या जेल जैसी संवेदनशील जगह के लिहाज से वह उपयुक्त नहीं हैं। बाहरी दिल्ली के नरेला में दिल्ली का सबसे बड़ा जेल परिसर बनाने की तैयारी चल रही है। यदि सब कुछ सही रहा तो नया जेल परिसर उसी जगह बनेगा, जहां हाई सिक्योरिटी जेल बनाई जा रही है। नए जेल परिसर के लिए जेल प्रशासन ने डीडीए को प्रस्तावित हाई सिक्योरिटी जेल के आसपास जमीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। जेल प्रशासन का कहना है कि हमने अभी तीन नए जेल परिसर के लिए जमीन उपलब्ध कराने की बात कही हुई है। जमीन की उपलब्धता के बाद प्रशासन उसके मुताबिक नए जेलों के निर्माण की योजना तैयार करेगा। जब हरिनगर इलाके में तिहाड़ जेल का निर्माण किया गया था तब उसके आसपास का इलाका सुनसान था लेकिन धीरे-धीरे वहां कॉलोनियां बस गईं। अब वहां लाखों की संख्या में लोग रहते हैं। ऐसे में कैदियों को मोबाइल पर बात करने से रोकने के लिए जैमर लगाए गए हैं, जिससे आसपास के लोगों को भी दिक्कत आ रही है। इसके अलावा जेल के पास फ्लाईओवर होने की वजह से असामाजिक तत्व गेंद के जरिए जेल में बंद अपने साथियों के पास नशीले पदार्थ और अन्य चीजें फेंकते हैं। तिहाड़ के नौ जेलों में 10 हजार कैदियों को रखने की व्यवस्था है, लेकिन यहां 20 हजार कैदी रहते हैं, ऐसे में नए जेल की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इन सभी दिक्कतों को देखते हुए हरिनगर से तिहाड़ जेल को बाहरी दिल्ली में बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। अभी नरेला में जेल प्रशासन को करीब 40 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई गई है। इसमें से करीब 12 एकड़ जमीन पर हाई सिक्योरिटी जेल बननी है। इस जेल के निर्माण के लिए टेंडर जारी होने की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए दिल्ली सरकार ने 148.58 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। एक बार टेंडर जारी होने के बाद करीब ढाई साल के भीतर जेल का निर्माण पूरा होने की बात कही जा रही है। 40 में से शेष बचे करीब 28 एकड़ में भी दो जेल का निर्माण हो सकता है, लेकिन जेल प्रशासन अब यहां और जमीन मिलने की संभावना तलाश कर रहा है।

NAME CHANGE
I hitherto known as VISANI W/O SOHAN LAL R/O JHUGGI NO-2/47, GROUND FLOOR, BLOCK C-7, SULTANPURI, SULTANPURI C BLOCK, PO SULTANPURI C BLOCK, DIST NORTH WEST DELHI-110086 have changed my name and shall hereafter be known as KRISHNA.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Jhageer S/o Mohd Amirul R/o B-363, Indira kalyan Vihar, Okhla Industrial Area Phase-I, Okhla Industrial Estate, South Delhi, Delhi-110020 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Mohammad Jahangir and Tamanna in my minor daughter Nazmin aged 10 years in her School Records. The actual name of mine and my wife are Jhageer and Tamnna Praveen.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Jhageer S/o Mohd Amirul R/o B-363, Indira kalyan Vihar, Okhla Industrial Estate, South Delhi, Delhi-110020 declare that name of mine has been wrongly written as Mohd Jahangir in my minor daughter Jaismine aged 10 years in her School Records. The actual name of mine is Jhageer.

NAME CHANGE
I, S PRATYUSHA GOUD Wife of SUDHAVENI BHUMA GOUD residing at H.No.2-45, VILL & POST-THIMMAPUR, MANDAL-BHAINSA, DIST-NIRMAL, TELANGANA-504109, have changed my name from S PRATYUSHA GOUD to SUDHAVENI PRATHYUSHA for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KIRAN DEVI Wife of ASHOK KUMAR SAINI residing at SF QTR NO-48/04, OLD CHITRAL LINE, DELHI CANTT-110010, have changed my name from KIRAN DEVI to KIRAN DAHIA for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KIRAN SAINI Wife of ASHOK KUMAR SAINI residing at SF QTR NO-48/04, OLD CHITRAL LINE, DELHI CANTT-110010, have changed my name from KIRAN SAINI to KIRAN DAHIA for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I , hitherto known as Faijal Ali alias Mohammad Faizal Ansari S/O Mohammad Imran Ansari, residing at A-221 Meer Vihar madanpur Dabas delhi-110081, Permanent Address- village akabarpur post balkudia, Padrauna, Padrauna, Kushinagar, Uttar Pradesh, 274304, have changed my name and shall hereafter be known as MOHAMMAD FAIZAL ANSARI.

NAME CHANGE
I, Aman Jain S/O: V.K Jain, R/O Flat No.-701 Tower A-3 7th Floor, Krishna Apra Garden,, Shipra Mall, Indirapuram,, VTC: Shipra Sun City, PO: Shipra Sun City, Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201014,have changed the name of my minor daughter namely Angel Jain aged 14 years and she shall hereafter be known as Aashika Jain.

NAME CHANGE
I, SANJAY SINGH S/O MALKHAN SINGH R/o WZ - 60 – A, Plot No. 197, Chand Nagar, Tilak Nagar, New Delhi - 110018, I have changed my name from SANJAY SINGH to PYARA SINGH for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Priyanka D/O Late Sh. Karambir Singh W/O Late Sh. Dharmender R/O Plot No. 106,Block C, Near Matke Wali Gali , Shahbad Diary, Sahibabad Daulat Pur , North West Delhi, Delhi -110042, declare that name of my mother and father has been wrongly written as Bimla and Karamveer in my 10th and 12th class educational documents and my birth certificate No. 283,and name of my father has been wrongly written as Karamveer in my Caste certificate No SC/06/63/13717/9/7/2012/9521068680 and Karam Veer in my Pan Card No. DNGPP4141D.The actual name of my mother and father are Bimla Devi and Karambir Singh

PUBLIC NOTICE
Our Client Smt. Nagisha W/o Shri Abdula Resident Of H-no. E-88, Sarai Kale Khan, Hazrat Nizamuddin, South Delhi, Delhi-110013, Also At E-7a/1 Sidharth Nagar, Hari Nagar Ashram, Delhi-10014 Has Disowned/debarred Her Son Mr. Mahmood From All His/her Moveable/Immovable Properties/assets And Severed All Her Relations With Him Due To His Misbehavior/misconduct Towards Our Client. If Anybody Dealing With Our Client's Son In Any Manner Will Do So At His/her/their Own Risk And Responsibility. Our Clients Shall Not Responsible For Any Kind Of Acts Done By Her Son.

Hukam & Associates
Advocates & Consultants
Office: 206, 2nd Floor, H-73, Sector-63, Noida-201301,

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री देवकी नंदन गुप्ता एवं श्रीमती सुशीला देवी, आवासीय भूखण्ड संख्या 01/84, सेक्टर-44, ग्राम छलेरा बांगर, नोएडा, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है, के स्वामी हैं। उक्त संपत्ति की मूल स्वामिनी/धारक श्रीमती सरला देवी एवं श्रीमती सुशीला देवी थीं। दिनांक 15/01/2016 को जारी आवंटन पत्र एवं कब्जा पत्र तथा पट्टा विलेख (लीज डीड) के माध्यम से प्राप्त की थी। दुर्भाग्यवश, श्रीमती सरला देवी का देहांत दिनांक 31/08/2017 को हो गया। उनके पीछे निम्नलिखित वैध उत्तराधिकारी थे: श्री अशोक कुमार गुप्ता (पति), श्री देवकी नंदन गुप्ता (पुत्र), श्रीमती मीनाक्षी (पुत्री), श्रीमती कल्पना (पुत्री), श्रीमती रुचि गुप्ता (पुत्री), उपरोक्त उत्तराधिकारियों – श्री अशोक कुमार गुप्ता, श्रीमती मीनाक्षी, श्रीमती कल्पना एवं श्रीमती रुचि गुप्ता – ने नोएडा प्राधिकरण को अनापत्ति प्रमाणपत्र (NOC)/शपथ पत्र/घोषणा पत्र प्रस्तुत कर संपत्ति का नामांतरण श्री देवकी नंदन गुप्ता के पक्ष में करने की सहमति प्रदान की। अब आपत्ति पर, नोएडा प्राधिकरण द्वारा दिनांक 12/04/2018 को श्री देवकी नंदन गुप्ता एवं श्रीमती सुशीला देवी के संयुक्त नाम नामांतरण पत्र जारी किया गया। अब ये दोनों उक्त संपत्ति के पूर्ण स्वामी हैं। कृपया ध्यान दें कि इस संपत्ति को वर्तमान में बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा: सुभाष नगर, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, ROHITASHAV SINGH/ ROHTASH S/O RAMKALA R/O NEAR SHIV MANDIR, SUTHANA(42), REWARI, HARYANA-123501,HAVE CHANGED MY NAME TO ROHTASH SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, NO-15713384X Rank-HAV Name-NARESH KUMAR residing at VILL-CHOA CHAKRALA, PO-CHORU, TEHSIL-NADAUN, DIST-HAMIRPUR, HIMACHAL PRADESH-177044 have changed my minor daughter's name from DEEP SHIKHA to DEEPSHIKHA THAKUR for all future purposes vide affidavit dated 12/08/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 15779205M, Rank HAV (DMT) Name-C SELJIN ALBERT S/O CHELLAN Unit 28 AD REGT C/O 56 APO PIN 925728, in my service part-II, documents my father name is wrongly mentioned as C CHELLAN instead of CHELLAN for all future purposes, Vide Affidavit Dated 12/08/2025 Before SUB DIVISIONAL MAGISTRATE, New Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as JAAN MOHAMMAD S/O ALI MOHAMMAD R/O ASHOK VIHAR WARD NO. 42, LONI, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102 have changed my name and shall hereafter be known as MOHD NAFIS.

NAME CHANGE
I hitherto known as SANJU S/O SARMAN SINGH BHADORIYA R/O WORD NO.-28, STREET NO. -2, SHAMSHAN GHAT, PRASHANT VIHAR LONI, LOIN DEHAT, LONI, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102 have changed my name and shall hereafter be known as SANJAY.

NAME CHANGE
I hitherto known as Shubhan Jali D/o Pankaj Khanna R/o H.No-117, Jassi Pura, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed my name and shall hereafter be known as Gautmi Khanna.

NAME CHANGE
I hitherto known as MODI BHOOMI W/O ARUN KUMAR R/O FIRST FLOOR, PLOT NO-1070, SECTOR-2, PINEWOOD ENCLAVE, WAVE CITY, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201002 have changed my name and shall hereafter be known as BHOOMI MODI.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरी मुवक्किला, श्रीमती सन्तोष पत्नी श्री गुरविंदर सिहं निवासी-टी-178, जैन कॉलोनी, पार्ट-1, नीयर दुर्गा मन्दिर, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 ने अपने अविवाहित पुत्र माधव सिहं मनचंदा (आधार न0 6364-3253-4455) पुत्र श्री गुरविंदर सिंह, निवासी- टी-178, जैन कॉलोनी, पार्ट-1, नीयर दुर्गा मन्दिर, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 को अपनी समस्त चल एंव अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया हैं और उससे अपने सभी संबंध विच्छेद कर दिए हैं क्योंकि वे उनके नियंत्रण मे नहीं हैं और पूर्णरूप रूप से अपनी मनमानी करता हैं और दुर्भाग्यवश नशा भी करता हैं और बुरी संगत में रहता है जिस कारण मेरी मुवक्किला श्रीमती सन्तोष उसकी गतिविधियों से परेशान रहती है। भविष्य में मेरी मुवक्किला श्रीमती सन्तोष का अपने इस अविवाहित बेटे माधव सिहं मनचंदा से किसी प्रकार का सम्बन्ध व लेना-देना नहीं रहेगा। भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति मेरी मुवक्किला के पुत्र माधव सिहं मनचंदा से किसी भी प्रकार का सम्बन्ध व लेन-देन रखता है तो वह व्यक्ति उन तमाम सम्बन्धो व लेन-देन के लिए स्वंय जिम्मेदार होगा और उसके लिए मेरी मुवक्किला की किसी भी प्रकार से जिम्मेदारी नहीं होगी।

SYED SHABAB HAIDER NAQVI
Advocate
CH.NO.306, LAWYERS CHAMBERS
BLOCK DWARKA COURT,
NEW DELHI-110075

NAME CHANGE
I VINOD KUMAR S/O-MEGH RAJ SINGH R/O-AD-115D SHALIMAR BAGH DELHI-110088 HAVE CHANGED MY NAME TO VINOD KUMAR TYAGI.

NAME CHANGE
I, RUPINDERJEET KAUR Wife of JC-235100N Rank-RIS Name-HARMIT SINGH residing at VPO-LEHARKA, CHAWINDA DEVI, AMRITSAR, PUNJAB-143504, have changed my name from RUPINDERJEET KAUR to RUPINDERJIT KAUR for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, AASTHA D/o ANAND KUMAR R/o 2065, Near HSVP Office, Sector-3 Part, Rohtak - 124001 have changed my name from AASTHA to AASTHA GARG for all future purposes.

NAME CHANGE
I, ISHITA D/o SUBHASH PHOGAT R/o 897/28, BHARAT COLONY, Rohtak - 124001 have changed my name from ISHITA to ISHITA PHOGAT for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUBHASH S/o RAM PHAL PHOGAT R/o 89/19, Bhagat Singh Chowk, Jhajjar - 124103 have changed my name from SUBHASH to SUBHASH PHOGAT for all future purposes.

NAME CHANGE
I, UPASNA W/o SANDEEP KUMAR R/o Gamri, P.O. Ganwari (40), Sonipat - 131305 have changed my name from UPASNA to UPASNA RANI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, HARISH S/o MAMAN R/o Dubaldhan Kirmian (136), PO: Dubaldhan, Jhajjar - 124202 have changed my name from HARISH to HARISH KADIAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, HUSSAIN BI Wife of No-2614053N Rank-HAV Name-BAJI SAIDA SHAIK residing at DOOR NO 4-162, PO-TURKAPALEM, MANDAL-MEDIKONDUR, DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522438, have changed my name from HUSSAIN BI to SHAIK HUSSAIN BI for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-2617466H Rank-HAV Name-SAGUBANDI RAMESH NAIDU Father of SUGUBANDI VARSHINI residing at 1-31, BANJARAVEEDHI, LAKKAVARAPUKOTA, VEERABHADRAPETA, PO-V B PETA, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535250, have changed my minor daughter's name from SUGUBANDI VARSHINI to SAGUBANDI VARSHINI for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my clients **Varun Kumar & Smt. Saita** are purchasing the First Floor (Back Side LHS) without roof rights area measuring 40 sq. yds. built on Plot No. 1-B out of Khasra No. 301 & 302 situated in the revenue estate of village Nawada Delhi state Delhi in the colony Known as Bhagwati Garden Extn. Gali No. 20 Block G Uttam Nagar New Delhi 110059 from Sh. Naveen who is the owner of the above-mentioned property vide General Power of Attorney, ATS, WILL dated 13.09.2023 and Intend to mortgage the said property with **SMFG India Home Finance Company Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I hitherto known as VANDANA JOSI W/O PARVEEN SHARMA D/O LALIT MOHAN JOSHI R/O A-62/G-4, Shalimar Garden Ext-2, Sahibabad PO: Sahibabad, DIST: Ghaziabad Uttar Pradesh - 201005, have changed my Name and shall hereafter be known as BHAWNA JOSHI

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my clients **Mrs. Mamta** who is purchasing the BUILT UP SECOND FLOOR WITHOUT ROOF/TERRACE RIGHTS ON OLD PLOT NO.20A (NEW NO.TA-105), MEASURING AREA 50 SQ. YDS, OUT OF KHASRA NO.18/1, SITUATED IN THE REVENUE ESTATE OF VILLAGE MATIALA, DELHI STATE DELHI, AREA ABADI KNOWN AS COLONY MATIALA EXTN., BLOCK-C, NOW PRESENTLY KNOWN AS TA-BLOCK, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059 from Ms. Geetanjali who is the owner of the property vide General Power of Attorney , Agreement to Sell & WILL dated 31.05.2025 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, No-15681138W Rank-HAV Name-SRINU POTNURU residing at VILL-GOTTA, HOUSE NO -135, KAPU VEEDHI, PO-TUNGATAMPARA, TEH-HIRAMANDALAM, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532459, have changed my mother's name from P NARASAMMA to POTNURU NARASAMMA for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of her correct date of birth as 01/01/1956 vide Affidavit dated 12/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-15681138W Rank-HAV Name-SRINU POTNURU residing at VILL-GOTTA, HOUSE NO -135, KAPU VEEDHI, PO-TUNGATAMPARA, TEH-HIRAMANDALAM, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532459, have changed my father's name from LAKSHMANARAO to POTNURU LAXMANA RAO for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1953 instead of his correct date of birth as 01/01/1946 vide Affidavit dated 12/08/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my clients **Mr. Mukesh Kumar & Mr. Dharam Pal alias Dharam Pal Rana** is/are the owners of the Freehold Residential Built up Property Bearing No. K-21/9 (New No. K- 1/26-A), area measuring 67 sq. yards., i.e., 56.01 sq. mtrs., and Built up Property Bearing No. K-21/9-A (New No. K- 1/26-A), area measuring 50 sq. yards., i.e., 41.80 sq. mtrs., out of Khasra No. 567, Situated at Village Ghonda Gujran Khadar in the abadi of K-Block, Indra Gali No. 1-A, Near Gamri Road, Ghonda, Illaqa North East Delhi 110053 vide 2 Relinquishment Deed Dated 22.07.2025 which was registered as Doc. No. 2025/12/I/2691, in Book No. I, Vol. No. 6380, on pages 5-68, dated 22.07.2025 (SRO-IV) & Regd. as Doc. No. 2025/12/I/2692, in Book No. I, Vol. No. 6380, on pages 69- 82, dated 22.07.2025 (SRO-IV) respectively and Intend to mortgage the said property with **Piramal Capital & Housing Finance Ltd..** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, hitherto known as TABASSUM NAAZ W/O IRTAZA ALI R/O C-177, ABUL FAZAL ENCLAVE-2, TAYYAB MASJID, SHAHEEN BAGH, JAMIA NAGAR, DELHI-110025 have change the name of my minor daughter ISHANA age 10 years and she shall hereafter be known as AYESHA ANSARI. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection.

PUBLIC NOTICE
My clients Surender Kumar S/o. Lt. Sh. Mahavir Singh and Meena Devi W/o. Surender Kumar both are R/o. C-98, Gali No. 2, Awana Complex, 40 feet road, Badarpur Ext., Badarpur, Jaitpur, South Delhi, Delhi-110044 have disowned and disinherited their son, Pushpender Kumar, and their daughter-in-law Diksha W/o. Pushpender from all their movable and immovable properties because of the continuous bad conduct, misbehaviour, and disrespectful attitude of their son and daughter-in-law. My clients have severed all their relations with them. From this date onwards, neither my clients nor any member of their family shall be responsible for their debts, liabilities, or actions.

Ramveer Singh Shakya Advocate
CHAMBER NO. 558,
LAWYERS BLOCK.
SAKET COURT COMPLEX,
NEW DELHI-110017

NAME CHANGE
I, ABDUR REHMAN S/O QASIM ALI residing at MOHALLA BATWAL, NAI BASTI, AMROHA, UTTAR PRADESH-244221 have changed my name to ABDUL REHMAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SARBAJ JAHAN W/O ABDUL REHMAN residing at MOHALLA BATWAL, NAI BASTI, AMROHA, UTTAR PRADESH-244221 have changed my name to SARWAT JAHAN for all future purposes .

NAME CHANGE
I, ASS MOHAMMAD S/O MOHAMMAD YASIN residing at H NO-32/23/24, BLOCK-32, TRILOK PURI, DELHI-110091 have changed my name to AASS MOHAMMAD for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MANJUSHA TR Wife of JC-314806K Rank-NB SUB Name-JOHNSON K residing at 18/82A, NANKAVILAI, METHUKUMMAL, VILAVANCODE, SOORIACODE, KANNIYAKUMARI-DISTT, TAMILNADU-629153, have changed my name from MANJUSHA TR to MANJUSHA T R for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-314806K Rank-NB SUB Name-JOHNSON K Father of JM NAYANA residing at 18/82A, NANKAVILAI, METHUKUMMAL, VILAVANCODE, SOORIACODE, KANNIYAKUMARI-DISTT, TAMILNADU-629153, have changed my minor daughter's name from JM NAYANA to NAYANA J M for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2025 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री प्रताप, उम्र लगभग 70 वर्ष, पुत्र स्वर्गीय श्री प्रहलाद सिंह और श्रीमती सरोज, उम्र लगभग 65 वर्ष, पत्नी श्री प्रताप, दोनों निवासी बिसरख जलालपुर, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-203207 ने अपने दत्तक पुत्र श्री लक्ष्य चौधरी उर्फ नानू, उम्र लगभग 17 वर्ष को अपनी सभी चल-अचल संपत्तियों से वंचित कर दिया है। मेरे मुवक्किल ने उनसे सभी सामाजिक संबंध भी समाप्त कर दिए हैं क्योंकि वह अवज्ञाकारी हो गया है और उनके नियंत्रण में नहीं है। इसके अलावा, वे भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य या कर्म के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे और उसने मेरे मुवक्किलों के साथ दुर्व्यवहार किया है यदि वह अवैध गतिविधियों में शामिल है तो मेरे मुवक्किल इसके कृत्य के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा। यह मेरे मुवक्किलों के प्रति अवज्ञाकारी हो जाता है

रणजीत कुमार सिंह अधिवक्ता
E.NO. D/3336/2017
OFFICE ADDRESS J-4,
BISHAN PURA, SECTOR-58,
NOIDA, U.P. (M): 8851063004

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, PRIYANKA SINGH BHATNAGAR W/o AJAY KUMAR BHATNAGAR R/o Flat no- 611, Sunview Apartment Pocket -4, Sector -11, Dwarka, DIST: South West Delhi, Delhi - 110075 declare that name of mine, has been wrongly written as PRIYANKA BHATNAGAR in my minor son namely SRAGVI BHATNAGAR aged 15 year in his School record. The actual name of mine, is PRIYANKA SINGH BHATNAGAR respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, No. 17000402W Rank-NK Name-PATIL YOGARAJ RAJENDRA Father of JIGNESH YOGRAJ PATIL residing at VPO-CHINCHKHEDE, TEHSIL-DHULE, DISTT-DHULE, MAHARASHTRA-424301, have changed my minor son's name from JIGNESH YOGRAJ PATIL to JIGNESH YOGARAJ PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 17000402W Rank-NK Name-PATIL YOGARAJ RAJENDRA Father of BHUMI YOGRAJ PATIL residing at VPO-CHINCHKHEDE, TEHSIL-DHULE, DISTT-DHULE, MAHARASHTRA-424301, have changed my minor daughter's name from BHUMI YOGRAJ PATIL to BHUMI YOGARAJ PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I RAJAKUMAR TOLAGIPATIL S/o GANGAPPA, Permanent R/o 421 D/116/3, Vidya Nagar 4th Cross, VTC: Bailhongal (Rural), PO: Bailhongal Sampgaon, Belagavi, Karnataka - 591102 and Present R/o Army Dental Centre (R&R) Delhi Cantt – 110010 declare that name of my minor Daughter has been wrongly written as SHREYA RAJKUMAR TOLAGIPATIL in my minor daughter namely SHREYA R TOLAGIPATIL aged 13 years in her school record. The actual name of my minor daughter's is SHREYA R TOLAGIPATIL respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I MUKESH S/o SUNDER LAL, R/o Plot No. 57-B, Rajhans Vihar, Vikas Nagar, D.K. Mohan Garden, West Delhi, Delhi-110059 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as MUKESH SONI and PREETI SONI in my minor Son namely PARIJAT SONI, aged 14 year in his School Record. The actual name of mine and my wife are MUKESH and PRITI DEVI respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I MUKESH S/o SUNDER LAL, R/o Plot No. 57-B, Rajhans Vihar, Vikas Nagar, D.K. Mohan Garden, West Delhi, Delhi-110059 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as MUKESH SONI and PREETI SONI in my minor Son namely PARIJAT SONI, aged 14 year in his School Record. The actual name of mine and my wife are MUKESH and PRITI DEVI respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, CHEGIREDDY RANGALAKSMAMMA is mother of No. 15734098K Rank-NK Name- CHEGIREDDY SRINIVASAREDDY, R/o H/No. - 3-9A, Vill-YERRABALEM, Tehsil-CUMBUM, District –PRAKASAM, State-AP, PIN-523336 have changed my name from CHEGIREDDY RANGALAKSMAMMA to CHEGIREDDY RANGA LAKSHMAMMA for all future purposes. Vide Affidavit Dated 12/08/2025. Before Notary Public New Delhi.s

NAME CHANGE
I, hitherto known as ANCHAL BHARTI D/O RAJESH BHARTI R/O B-45, MADHU VIHAR, UTTAM NAGAR, DIST: WEST DELHI, DELHI-110059, have changed my name and shall hereafter be known as ANCHAL.

NAME CHANGE
I, VANSH SEHRAWAT S/o Dinesh Kumar R/o H.No-237, Old Shiv Mandir, Malik Pur Kohi alias Rangpuri, South west Delhi Delhi-110037 have changed my name from VANSH to VANSH SEHRAWAT for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I RAVINDER KUMAR S/O SHRI BHAGWAN R/O H.NO. – 9, VILL. - MAIN CHOWK SULTAN PUR DABAS, SULTAN PUR DABAS, PO: POOTH KHURD, DIST: NORTH WEST DELHI, DELHI – 110039 declare that name of my father has been wrongly written as BHAGWAN in my 10th and 12th educational documents and Pan Card No. BWJPK9417M. The actual name of my father is SHRI BHAGWAN which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Diksha D/O Ashok Kumar Saini, R/O P.O. KHETRI NAGAR TEHSIL KHETRI, MANOTA KHURD, PO: Khetri Nagar, DIST: Jhunjhunun, Rajasthan - 333504, Present adress SF Qtr no 48/4 old chitral line Sadar Bazar Delhi Cantt -110010 , declare that name of my mother has been wrongly written as Kiran Devi in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my mother is KIRAN DAHIA which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Kiran Dahia W/O Ashok Kumar Saini ,R/O P.O. KHETRI NAGAR TEHSIL KHETRI, MANOTA KHURD, PO: Khetri Nagar, DIST: Jhunjhunun, Rajasthan - 333504, Present adress SF Qtr no 48/4 old chitral line Sadar Bazar Delhi Cantt -110010, declare that name of mine has been wrongly written as Kiran Saini in my minor son namely Priyanshu aged 17 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine is KIRAN DAHIA which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री नितिन गोयल, श्रीमती अनु गुप्ता @ अन्नू गुप्ता पत्नी श्री अतुल गुप्ता से, संपत्ति संख्या 887-डी, वार्ड संख्या 8, खसरा नंबर 1151/3मिन से निकली हुई, लाल डोरा आबादी, गांव महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली-110030 में स्थित, 300 वर्ग गज क्षेत्रफल में निर्मित द्वितीय तल पर फ्लैट नंबर 3 खरीदने का इरादा रखते हैं। श्रीमती साधना गुप्ता एवं श्रीमती अनु गुप्ता ने संयुक्त रूप से सम्पूर्ण संपत्ति को श्री विकास गुप्ता, श्री रंजन गुप्ता एवं श्री संजीव गुप्ता से बिक्री विलेख दिनांक 22.03.2014 के माध्यम से खरीदा था। तत्पश्चात, श्रीमती साधना गुप्ता ने दिनांक 05.07.2021 को निष्कारण परित्याग विलेख के माध्यम से अपनी ½ अविभाजित हिस्सेदारी श्रीमती अनु गुप्ता @ अन्नू गुप्ता के पक्ष में परित्यक्त कर दी। कृपया ध्यान दें कि निम्नलिखित मूल श्रृंखला दस्तावेज़ खो गया है- मूल बिक्री विलेख, दस्तावेज़ संख्या 1417, बुक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 597, पृष्ठ संख्या 106-112, दिनांक 22.03.2014, पंजीकृत उप-पंजीयक, हौज खास, नई दिल्ली। उपरोक्त दस्तावेज़ के गुम होने के संबंध में दिनांक 11.08.2025 को दिल्ली क्राइम ब्रांच के पास एक ऑनलाइन एफआईआर (लॉस्ट रिपोर्ट एलआर संख्या- 3102489/2025) दर्ज की गई है। उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा- गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संजीव कुमार** पुत्र खान चंद्र सिंह निवासी ई736, सेक्टर–11, प्रताप विहार, गाजियाबाद, (उत्तर प्रदेश) ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 531144/16 धारा 138 एन.आई. अधिनियम, थाना दरियागंज, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **संजीव कुमार** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **संजीव कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr. P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 531144/16 धारा 138 एन.आई. अधिनियम, थाना दरियागंज, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **संजीव कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **18.09. 2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः श्री अरविंद तोमर,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–07 (एन.आई. एक्ट)
कोर्ट नं. 507, एक्सटेंशन ब्लॉक,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/10284/CD/2025

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों में जुटा पुलिस प्रशासन

एजेंसी

जींद। एसपी कुलदीप सिंह के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जींद सोनाक्षी सिंह की देखरेख में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर जिला जींद पुलिस ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम पुलिस लाइन जींद में आयोजित किया जाएगा तथा प्रत्येक उप मंडल स्तर पर भी अलग से स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाने के लिए पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई है। सभी थाना प्रभारियों, चौकी इंचार्जों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि अपने इलाका थाना में लगातार गश्त करें। जिला पुलिस अधीक्षक ने यातायात पुलिस को भी निर्देश दिए हैं कि जिला में स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर जिला में यातायात को सुचारु रुप से जारी रखेंगे, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि 15 अगस्त को शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाएं। यदि कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति दिखाई दे तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या 112 नंबर पर सूचित करें।

ग्रुप-डी कर्मचारियों का वेतन विवाद खत्म

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने ग्रुप डी के कर्मचारियों के वेतन विवाद का निपटारा कर दिया है। सरकार ने राज्यभर के नए नियुक्त ग्रुप-डी कॉमन कैडर कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत की घोषणा की है। 1-2023 के तहत चयनित और 24 दिसंबर, 2024 को पदस्थापित इन कर्मचारियों को अब ज्वाइनिंग में देरी के कारण अटकी हुई वेतन राशि मिल सकेगी। विभागीय जानकारी के मुताबिक, कई नए नियुक्त कर्मचारी अपने आवंटित विभाग में समय पर जॉइन नहीं कर पाए। एचआरएमएस पर स्वीकृत पदों की कमी, पदनाम में भिन्नता और तकनीकी दिक्कतों की वजह से यह परेशानी सामने आई। नतीजतन, इन कर्मचारियों को उनके मूल डिविजनल कमिश्नर कार्यालय से राहत तो मिल गई। लेकिन नए विभाग में समायोजन और वास्तविक कार्यभार संभालने में समय लग गया। 9 अप्रैल, 2025 को सरकार ने एक आदेश जारी कर इन कर्मचारियों को उसी जिले में उपलब्ध रिक्त पदों पर समायोजित करने या नए पदस्थापन आदेश जारी करने का निर्णय लिया। लेकिन इस दौरान राहत और ज्वाइनिंग के बीच का समय वेतन के लिए 'गैप पीरियड' बन गया, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ा। अब मानव संसाधन विभाग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राहत और समायोजन के बीच की अवधि को भी सेवा अवधि माना जाएगा और उसका वेतन संबंधित प्राप्त करने वाला विभाग देगा। इतना ही नहीं, ज्वाइनिंग की तिथि को डिविजनल कमिश्नर कार्यालय से राहत की तिथि के समान माना जाएगा, जिससे कर्मचारियों की वरिष्ठता और सेवा रिकॉर्ड पर भी कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान को त्यौहार की तरह मनाते हुए जन आंदोलन बनाएं : राजेश जून

झज्जर। मातनहेल स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय परिसर में वन विभाग द्वारा 76 वें जिला स्तरीय वन महोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। बहादुरगढ़ के विधायक राजेश जून व जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना ने पौधारोपण करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समझ में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बहादुरगढ़ के विधायक राजेश जून ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में पर्यावरण को समृद्ध बनाए जाने की दृष्टि से एक पेड़ मां के नाम से प्रदेश में व्यापक स्तर पर पौधारोपण का जन अभियान चलाया जा रहा है। विधायक जून ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान को त्यौहार की तरह मनाना चाहिए और अपने आसपास के लोगों को भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करते हुए इसे जन आन्दोलन बनाएं। उन्होंने कहा कि वृक्ष के बगैर मानव जीवन की कल्पना भी करना बेकार है। पेड़ों के सहारे ही हम और सभी जीव-जंतु अपना जीवन बिता रहे हैं। इसलिए इनके महत्व को कम ना आंके और एक पेड़ मां के नाम से अवश्य लगाएं। पिछले साल एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रदेश में एक करोड़ 87 लाख पौधे लगाए गए थे।

सोनीपत में देवडु रोड में दो पशुओं की रहस्यमय मौत, परिवार पर संकट

सोनीपत। सोनीपत के देवडु रोड स्थित ऋषिकुञ्ज कॉलोनी में दो पशुओं की अचानक मौत से पशुपालक परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा। घटना के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। देवडु रोड स्थित ऋषिकुञ्ज कॉलोनी में रविवार रात अज्ञात कारणों से दो पशुओं की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और पशुपालन विभाग के डॉक्टर मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पशुपालक पिंकी ने बताया कि रात को पशु पूरी तरह स्वस्थ थे, लेकिन सुबह मृत पाए गए। शक है कि किसी ने जहरीला पदार्थ खिला दिया हो या किसी विषैले जीव ने काट लिया हो। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने निजी कोष से 20 हजार और पार्षद मुकेशसैनी ने 11 हजार रुपये की मदद का आश्वासन दिया। पिंकी मेहनत-मजदूरी और दूध बिक्री स परिवार का गुजारा करती हैं, ऐसे में यह घटना उनके लिए बड़ा आर्थिक आघात है।

एचपीपीसी की बैठक में लगभग 1763 करोड़ रुपये से ज्यादा के कॉन्ट्रैक्ट और वस्तुओं की खरीद को मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी) की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य के विभिन्न विभागों से जुड़ी लगभग 1763 करोड़ रुपये से ज्यादा की विभिन्न वस्तुओं के खरीद प्रस्तावों एवं रेट कॉन्ट्रैक्ट को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में विभिन्न बोलीदाताओं से नेगोसिएशन के बाद दरें तय करके लगभग 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की बचत की गई है। बैठक में ऊर्जा एवं परिवहन मंत्री अनिल विज, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर गंगवा और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए

और तय समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता जनता को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार वित्तीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और पारदर्शी खरीद प्रणाली के माध्यम से विकास कार्यों को समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में कानून एवं व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से 29 नई 52 सीटर बसें और 6 मिनी बसें की खरीद को भी स्वीकृति दी गई। इसके अलावा, विद्युत आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम और उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा लगभग 234.19 करोड़ रुपये की लागत से एलटी एक्सएलपीई आर्मर्ड केबल, विभिन्न पोल तथा 20 केवीए ट्रांसफॉर्मर्स की खरीद को भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विद्युत केबल की गुणवत्ता की जांच मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में कराई जाए और यदि कोई सैंपल गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरता, तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत उपकरणों और सामग्रियों की खरीद में सुरक्षा मानकों के दृष्टिगत किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए, ताकि सुरक्षा और स्थायित्व सुनिश्चित हो सके।

टोल पार कर रहे ट्राले में लगी आग, मची अफरा तफरी

एजेंसी

हिसार। नजदीकी गांव लांधड़ी टोल प्लाजा के नजदीक एक ट्राले में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। टोल कर्मियों ने आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्राले में लगी आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ट्राला काफी हद तक जल चुका था। मिली जानकारी के अनुसार दोपहर बाद लांधड़ी टोल पर ट्राले ने जैसे ही पार करने का प्रयास किया तो अचानक उसमें धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही टोल कर्मियों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचित किया। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास जारी है, लेकिन ट्राला पूरी तरह जलकर राख हो चुका है। बताया जा रहा है कि घटना के समय ड्राइवर ने किसी तरह वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। ट्रॉली में क्या सामान भरा था और आग लगने का वास्तविक कारण क्या था, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम मामले की जांच कर रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर पुलिस लाइन मैदान में हुई रिहर्सल

एजेंसी

जींद। पुलिस लाइन मैदान में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की भव्य रिहर्सल सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस रिहर्सल में सभी विभागों एवं प्रतिभागी संस्थाओं ने अनुशासन, ऊर्जा और उत्कृष्ट तालमेल का प्रदर्शन करते हुए आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। मुख्य समारोह 15 अगस्त को सुबह नौ बजे स्थानीय पुलिस लाइन मैदान में आयोजित होगा।

रिहर्सल में हरियाणा पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी सीनियर एवं जूनियर विंग, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के जवानों ने शिरकत की। सभी प्रतिभागियों ने मार्च पास्ट, परेड गठन और अन्य औपचारिकताओं का बारीकी से अभ्यास कर यह सुनिश्चित किया कि मुख्य दिवस पर समारोह का संचालन पूर्ण गरिमा और सटीकता के साथ हो। नगराधीश मोनिका रानी ने बताया कि जिला

स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित करवाए जाएंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चे भाग लेंगे। प्रस्तुतियों के माध्यम से हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के साथ-साथ आधुनिक भारत के प्रगतिशील स्वरूप की झलक देखने को मिलेगी।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने की तिरंगा यात्रा की अगुवाई

ज्योति दर्पण

चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में तिरंगा यात्राओं का आयोजन हो रहा है। देश की सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' और इसके बाद पाकिस्तान के घर में घुसकर जो सबक सिखाया है, उससे पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आज तिरंगा यात्रा के माध्यम से हजारों नागरिकों में राष्ट्रीय एकता, भाईचारा, प्रेम और देश को आगे बढ़ाने की सोच मजबूत हो रही है। गोहाना में आयोजित तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते हुए डॉ. अरविंद शर्मा ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया और शहीद स्मारक तक हजारों कार्यकर्ताओं व स्कूली बच्चों के साथ पैदल मार्च करते हुए तिरंगा यात्रा निकाली। इसके उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि आज चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल वही लोग उठा रहे हैं, जिनका इतिहास

बूथ लूटने और फर्जी मतदान का रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नैरेटिव सेट करने में माहिर है। लोकसभा चुनाव में भी संविधान को बदलने का भ्रम फैलाया गया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार संविधान को मजबूती दे रही है और भारत को वैश्विक पहचान दिला रही है। उन्होंने कहा कि देश कांग्रेस-मुक्त भारत की ओर बढ़ रहा है, जिससे कांग्रेस बौखलाई हुई है। बिहार चुनाव में एनडीए की मजबूत सरकार बनना तय है, इसलिए कांग्रेस व विपक्ष दुष्प्रचार कर रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा गोहाना जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक, योगेश्वर दत्त, प्रदीप सांगवान, डॉ. रीटा शर्मा सहित कार्यकर्ता व स्कूली विद्यार्थी मौजूद रहे।

केएमपी एक्सप्रेस-वे पर 16 किलोमीटर में लगाए जाएंगे एक लाख एक हजार पौधे

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के वन, पर्यावरण एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार द्वारा निरंतर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में पहले चरण के तहत केएमपी एक्सप्रेसवे के मानेसर से फर्रुखनगर तक के हिस्से के दोनों ओर सघन पौधारोपण अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत लगभग 16 किलोमीटर की दूरी में कुल एक लाख एक हजार पौधे लगाए जाएंगे। यह अभियान सोमवार से प्रारंभ होकर धीरे-धीरे केएमपी एक्सप्रेस-वे के समस्त 135 किलोमीटर क्षेत्र को कवर करेगा। कैबिनेट मंत्री वजीरपुर फर्रुखनगर रोड स्थित केएमपी एक्सप्रेस-वे के नजदीक वन विभाग द्वारा आयोजित 76वें जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, सोहना से विधायक तेजपाल तंवर तथा पटौदी

से विधायक बिमला चौधरी भी मौजूद रहे। वन, पर्यावरण एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि देश में 1950 से वन महोत्सव का आयोजन होता आ रहा है। हरियाणा प्रदेश में पूर्व में यह कार्यक्रम कुछ चिन्हित जिलों तक सीमित था, लेकिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशों के तहत इस वर्ष से इसे प्रदेश के सभी 22 जिलों में व्यापक स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। राव ने कहा कि हरियाणा में वन क्षेत्र अत्यंत सीमित है, जो चिंता का विषय है। सौभाग्यवश, दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला अरावली और नवीनतम श्रृंखला शिवालिक हरियाणा से होकर गुजरती हैं, जो प्रदेश के लिए ऑक्सीजन की एक महत्वपूर्ण लाइफलाइन हैं।

कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी समानांतर रूप से आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि यह कार्य केवल सरकार के स्तर पर संभव नहीं है, बल्कि इसमें आमजनमानस की पूर्ण सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में सहभागी बनकर आप जितने भी पौधे लगाएं, उनका अगले पांच वर्षों तक संरक्षण भी अवश्य करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सोहना से विधायक तेजपाल तंवर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण सबसे सरल और प्रभावी उपाय है, इसलिए हमें जीवन के हर महत्वपूर्ण अवसर पर पेड़ अवश्य लगाने चाहिए।

पूर्व आईपीएस व आईएएस ने हरियाणा राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण में कार्यभार संभाला

एजेंसी

चंडीगढ़। वर्ष 1989 बैच के आईपीएस रहे सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी डॉ. आर.सी. मिश्रा ने हरियाणा राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण (एसपीसीए) के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। पूर्व में हरियाणा पुलिस में वरिष्ठ पदों पर कार्यरत डॉ. मिश्रा ने कहा कि वे निष्पक्ष न्याय, प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और नागरिकों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध रहेंगे। राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण पुलिस के गंभीर कदाचार से संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश करता है तथा पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता व जवाबदेही बढ़ाने के लिए सुधारों का सुझाव देता है।इसी दौरान ललित सिवाच, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने भी आज हरियाणा राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण के सदस्य के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। सिवाच एक वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारी हैं,जिन्होंने राज्य सरकार में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों व हरियाणा पुलिस अधिनियम के प्रावधानों के तहत गठित एक स्वतंत्र निकाय है, जो पुलिस के गंभीर कदाचार की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश करता है तथा पारदर्शिता व जवाबदेही के लिए सुधार सुझाता है।

कार्यभार ग्रहण करते हुए सिवाच ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को विश्वास होना चाहिए कि उनकी शिकायतों का निष्पक्ष समाधान होगा और प्राधिकरण जनता व पुलिस के बीच भरोसा कायम रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हरियाणा विधान सभा में रिसर्च सेंटर शुरू, पुस्तकालय का हुआ नवीनीकरण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने विधान भवन में रिसर्च सेंटर और पुस्तकालय के नवीनीकरण का विधिवत उद्घाटन किया। इस विधान सभा रिसर्च सेंटर में विधायकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए अध्ययन एवं शोध का अनुकूल वातावरण और संसाधन उपलब्ध होंगे। सेंटर में उच्चस्तरीय संदर्भ सामग्री, डिजिटल डेटाबेस और संसदीय व विधायी दस्तावेजों का सुव्यवस्थित संकलन उपलब्ध कराया जाएगा। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि यहां विधायी कामकाज पर अनुसंधान होंगे तथा यह 'एक राष्ट्र-एक विधान' परियोजना के तहत स्थापित संसद और विभिन्न राज्य विधान मंडलों के डिजिटल प्लेटफॉर्म को सशक्त करने लिए भी प्रभावी पहल साबित होगी। रिसर्च सेंटर के माध्यम से विधायकों और विधायी कामकाज से जुड़े विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए उपयोगी सामग्री उपलब्ध रहेगी। इससे विधायी कार्यों का विश्लेषण व परम्पराओं से जुड़े दस्तावेज प्रामाणिकता के साथ मुहैया करवाए जा सकेंगे। कल्याण ने विश्वास जताया कि यह सेंटर विधायकों व कर्मचारियों को

अध्ययन के लिए प्रेरित करेगा, जिससे वे प्रदेश के लिए नीति निर्माण में प्रभावी भूमिका निभाएंगे।इसके साथ ही विधान सभा अध्यक्ष ने विधान सभा पुस्तकालय के नवीनीकरण का भी उद्घाटन किया। अब यह पुस्तकालय अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हो गया है। इस अवसर पर विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि ज्ञान ही सशक्त लोकतंत्र की नींव है। विधायी कार्य भी अब इससे अछूता नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लिए यह सौभाग्य की बात है कि 15वीं विधान सभा के विधायकों में बड़ी संख्या में अध्ययनशील प्रवृति के हैं। यह रिसर्च विंग और पुस्तकालय विधायकों को न केवल बेहतर तैयारी में मदद करेगा, बल्कि नीति निर्माण की गुणवत्ता को भी नई दिशा देगा। कार्यक्रम में विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आईटीआई प्रमाणपत्र धारकों की एक साल की अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग को माना जाएगा कार्य अनुभव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में आईटीआई प्रमाणपत्र धारकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश में अब विभिन्न विभागों व संगठनों में रोजगार के उद्देश्य से एक वर्ष या उससे अधिक अवधि के अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण को एक वर्ष के कार्य अनुभव के बराबर माना जाएगा। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में कौशल आधारित प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं के व्यावहारिक अनुभव को मान्यता मिल सकेगी। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में जारी एक पत्र में कहा गया है कि एक वर्ष या उससे अधिक के अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण को उन प्रशिक्षुओं के लिए कार्य अनुभव माना जाएगा, जिनके पास अप्रेंटिसशिप नियम 1992 की अनुसूची-1 के अंतर्गत आईटीआई की योग्यता है और जिनके पास राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाणपत्र है। संबंधित क्षेत्र के सीधी भर्ती के पदों के लिए इसे एक वर्ष का अनुभव माना जाएगा, जहाँ शैक्षणिक योग्यता के अतिरिक्त, किसी पद के लिए पात्रता मानदंड में अनुभव का प्रावधान भी किया गया है। यह निर्णय निर्देश जारी होने की तिथि से प्रभावी होगा और इससे आईटीआई स्नातकों की रोजगार संभावनाएं मजबूत होंगी। सभी विभागों, बोर्डों, निगमों, मिशन प्राधिकरणों, विश्वविद्यालयों और अन्य राज्य नियंत्रित संस्थानों को अपने सेवा नियमों और विनियमों में संशोधन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि एनएसी धारक अभ्यर्थियों को उनके अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण का उचित लाभ मिल सके। यह निर्णय केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप किया गया है।

जनस्वास्थ्य विभाग शिकायतकर्ता के लंबित मानदेय का शीघ्र करवाएं भुगतान

एजेंसी

रोहतक। डीसी ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतकर्ता विजय कुमार को लंबित मानदेय का भुगतान करवाए तथा उन्हें एचकेआरएन में पोर्ट करवाएं। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह विकास भवन स्थित डीआरडीए सभागार में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।बैठक के एजेंडे में शामिल 16 शिकायतों में से 10 शिकायतों का मौके पर निपटारा किया गया तथा 6 शिकायतें लंबित रखते हुए संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने स्थानीय वाल्मीकि बस्ती निवासी विजय कुमार की शिकायत की सुनवाई करते हुए जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे श्रम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय अनुसार शिकायतकर्ता को लंबित मानदेय का भुगतान करवाना सुनिश्चित करें। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने विभाग के अधिकारियों को प्रेम नगर में नागरिकों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति करवाने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा।

उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं को हैफेड फिडर से पानी की आपूर्ति करवाने की फिजिबिलिटी जांची जाए। उन्होंने कहा कि सीवर की सफाई सुपर सकर मशीन से करवाने के लिए आगामी कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्थानीय देवी निवासीगण की शिकायत की सुनवाई करते हुए जिला नगर योजनाकार को कॉलोनाइजर के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने करौंथा निवासियों की शिकायत की सुनवाई करते हुए खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी रोहतक को आगामी 10 दिन में प्लॉट धारकों को प्लॉटों का कब्जा दिलवाने के निर्देश दिए। धर्मेंद्र सिंह ने गांव दतौड़ निवासी जयभगवान की शिकायत की सुनवाई करते हुए सांपला के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश दिए कि वे ग्राम पंचायत की गली से अवैध कब्जा हटवाए। उन्होंने गांव समचाना निवासी नरेश कुमार की शिकायत की सुनवाई करते हुए खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश दिए कि वे ग्राम पंचायत से प्रस्ताव लेकर उपमंडलाधीश न्यायालय में कब्जा हटवाने बारे केस दायर करें।

विभाजन की स्मृतियां केवल अतीत की त्रासदी नहीं, सजग रहने की चेतावनी : प्रो. अग्निहोत्री

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि भारत का इतिहास केवल संस्कृति, अध्यात्म और ज्ञान का ही इतिहास नहीं है, बल्कि यह बाहरी आक्रमणों और उनसे हुई क्षति का भी इतिहास है। लगभग एक हजार वर्षों तक भारत की धरती बार-बार विदेशी आक्रांताओं का सामना करती रही। प्रो. अग्निहोत्री सिरसा के सीडीएलयू में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आठवीं सदी में अरब आक्रमणकारी सिंध तक पहुंचे, 11वीं सदी में महमूद गजनवी ने 17 बार भारत पर हमला कर हमारे मंदिरों, शिक्षा केंद्रों और सांस्कृतिक धरोहर को नष्ट किया। 12वीं सदी में मोहम्मद गौरी ने तराइन की लड़ाई के माध्यम से राजनीतिक पराधीनता की नींव रखी। इसके बाद तुर्क, खिलजी, तुगलक, लोदी और अंततः मुगल साम्राज्य ने यहां सत्ता स्थापित की। 18वीं सदी में जब मुग़ल साम्राज्य कमजोर हुआ तो यूरोपीय शक्तियों विशेषकर अंग्रेजों ने भारत की आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक संरचना को गहराई से प्रभावित किया। इन लंबे आक्रमणों ने न केवल हमारी स्वाधीनता छीनी, बल्कि समाज को विभाजित करने के प्रयास भी किए। 1947 का विभाजन इन आक्रमणों और विदेशी षड्यंत्रों की सबसे भीषण परिणति थी, जिसने लाखों लोगों को विस्थापित किया, लाखों की जान ली और सदियों पुराने रिश्तों को तोड़ दिया। सीडीएलयू के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि विभाजन की पीड़ा को याद रखना आवश्यक है ताकि हम आपसी भाईचारे, सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को मजबूत कर सकें। यह दिन हमें अतीत की त्रासदी से सीख लेकर एक बेहतर और एकजुट भारत के निर्माण का संकल्प दिलाता है। उस दौर में लाखों लोगों ने अपने घर, अपनी जमीन और अपने रिश्तेदार खो दिए, लेकिन उन्होंने अपने हौसले और देशभक्ति को नहीं खोया। आज हमें उसी भावना को आगे बढ़ाना है। इस अवसर पर एमबीए विभाग के प्राध्यापकों द्वारा सिरसा के विभाजन विभीषिका से प्रभावित परिवारों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का मंचन भी किया गया।

देश की आईटी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 24 फीसदी तक गिरा

- निवेशक आईटी सेक्टर की जगह अन्य क्षेत्रों में दे रहे हैं निवेश करने में प्राथमिकता

नई दिल्ली ।

भारत की प्रमुख सूचना-प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनियों का प्रदर्शन कमजोर होने के कारण निवेशक उनसे दूरी बना रहे हैं। 2025 की शुरुआत से देश की टॉप आईटी कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण लगभग 24 फीसदी घट गया है। आय में सुस्ती और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर जोखिम की बढ़ती चिंता के चलते आईटी सेक्टर में निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है। बीएसई सेंसेक्स में शामिल टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा जैसे शीर्ष पांच आईटी कंपनियों का पीई मल्टीपल दिसंबर 2024 के 25.5 गुना से घटकर 22.3 गुना रह गया है, जो पिछले पांच साल के निचले स्तर पर है। यह पहली बार है जब आईटी सेक्टर बीएसई सेंसेक्स के कुल पीई मल्टीपल से नीचे कारोबार कर रहा है। जबकि बीएसई सेंसेक्स ने 2024 के अंत से 2.2 फीसदी की बढ़त दर्ज की है। टीसीएस को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, जिसका बाजार पूंजीकरण इस साल अब तक 26 फीसदी तक गिर चुका है। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 24.3 फीसदी, एचसीएल टेक का 23.1 फीसदी, विप्रो का 20.7 फीसदी घटा है। टेक महिंद्रा का प्रदर्शन बेहतर रहा, जिसका बाजार पूंजीकरण केवल 13.2 फीसदी कम हुआ है। विश्लेषकों का कहना है कि आईटी कंपनियों की आय में सुस्ती और निवेशकों का दूसरे क्षेत्रों की ओर रुख इस गिरावट के प्रमुख कारण हैं। साथ ही एआई के बढ़ते प्रभाव को लेकर अनिश्चितता भी निवेशकों को सताती है। फिलहाल, निवेशक आईटी सेक्टर की जगह अन्य क्षेत्रों में निवेश करना प्राथमिकता दे रहे हैं।

भारत में ऑटोमोटिव चिप निर्माण की दिशा में क्वालकॉम का बड़ा कदम

- कंपनी की रणनीति इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चिपसेट उत्पादन पर केंद्रित

नई दिल्ली ।

अमेरिका स्थित चिप डिज़ाइन कंपनी क्वालकॉम अब भारत में ऑटोमोटिव मॉड्यूल के निर्माण का स्थानीयकरण कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि क्वालकॉम अपने शीर्ष वैश्विक साझेदारों को भारत में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थानांतरित करने में मदद कर रही है। इसका उद्देश्य भारत में ऑटोमोटिव सप्लाई चेन को मजबूत बनाना और घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देना है। क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज के ऑटोमोटिव, औद्योगिक और एम्बेडेड आईटीओ के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी भारतीय ऑटो कंपनियों को तकनीकी सहयोग देने के लिए भारी निवेश कर रही है। वर्तमान में कंपनी के कई मॉड्यूल चीन, कोरिया और ताइवान में बनते हैं, लेकिन अब भारत में ही निर्माण की दिशा में तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। कंपनी की यह रणनीति विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चिपसेट उत्पादन पर केंद्रित है। क्वालकॉम पहले ही भारत की प्रमुख ऑटो कंपनियों टाटा मोटर्स, महिंद्रा, मारुति सुजुकी और हुंदै के साथ साझेदारी कर चुकी है। उन्होंने कहा कि क्वालकॉम एक फैबलेस कंपनी है, यानी वह चिप्स डिज़ाइन करती है, लेकिन उनका निर्माण तीसरे पक्ष द्वारा

भारत का पवन ऊर्जा सेक्टर तेज़ विकास की ओर, सुज़लॉन को फायदा

नई दिल्ली।

भारत का पवन ऊर्जा क्षेत्र आगामी वर्षों में तेजी से बढ़ने वाला है। सरकार की लोकल मैन्युफैक्चरिंग नीति, फैक्ट्री क्षमता में वृद्धि और नए प्रोजेक्ट्स के कारण 2030 तक पवन ऊर्जा क्षमता को वर्तमान 51.6 गीगावाट से बढ़ाकर 100 गीगावाट करने का लक्ष्य है। अगले पांच वर्षों में लगभग 48.4 गीगावाट नई पवन ऊर्जा जोड़नी होगी, जिसमें से 25.5 गीगावाट के प्रोजेक्ट्स पहले से काम में हैं और नई नीलामी से विकास और तेज होगा।

सरकार ने पवन टरबाइन के आवश्यक पार्ट्स का घरेलू उत्पादन अनिवार्य कर दिया है। ब्लेड, टावर और गियरबॉक्स तो देश में बनते हैं, लेकिन जेनरेटर और बियरिंग के लिए अभी भी कच्चा माल आयात करना पड़ता है। इससे छोटे आयात-निर्भर प्लेयर कम होंगे और बड़ी कंपनियों को फायदा होगा। देश की टरबाइन निर्माण क्षमता 18 गीगावाट सालाना है, पर इसका मात्र 20-25 फीसदी ही उपयोग हो रहा है। हालांकि चुनौतियां भी हैं, जैसे चीन पर कच्चे माल की निर्भरता, टेक्नोलॉजी रिसर्च की कमी और ट्रांसमिशन नेटवर्क में देरी। लेकिन गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की ट्रांसमिशन प्लानिंग में तेजी आ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सुज़लॉन एनर्जी इस क्षेत्र में सबसे मजबूत स्थिति में है। कंपनी को वित्तीय वर्ष 2026 में लगभग 4 गीगावाट के नए ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिनमें 1.5 गीगावाट एनटीपीसी से होंगे। लोकल मैन्युफैक्चरिंग नियमों से सुज़लॉन को लाभ होगा, क्योंकि उसके पास पूरी तरह एकीकृत उत्पादन सेटअप है। इसके कारण कंपनी का ऑर्डर बुक 6.5 गीगावाट तक पहुंच सकता है।

एयर इंडिया की दिल्ली- वॉशिंगटन डी.सी. सीधी उड़ान सेवा 1 सितंबर से बंद

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया ने 1 सितंबर से दिल्ली और अमेरिका के वॉशिंगटन डी.सी. के बीच चलने वाली सीधी उड़ान सेवा बंद करने का बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने यह कदम अपनी बाकी उड़ानों को बेहतर और समय पर चलाने के उद्देश्य से उठाया है। एयर इंडिया ने इस फैसले के पीछे कई कारण बताए हैं। सबसे बड़ा कारण यह है कि कंपनी अपने 26 बोइंग 787-8 विमानों को आधुनिक बनाने के लिए 'रीट्रोफिट प्रोग्राम' चला रही है। यह प्रक्रिया 2026 के अंत तक चलेगी, जिसके दौरान कई विमान एक साथ सेवा से बाहर रहेंगे। इस वजह से उड़ानों के लिए उपलब्ध विमानों की संख्या कम हो जाएगी। इसलिए कंपनी ने दिल्ली- वॉशिंगटन सीधी उड़ान सेवा रोकने का फैसला किया है ताकि अन्य उड़ानों को प्रभावित न होने दिया जा सके। दूसरा कारण पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र का अक्सर बंद रहना है। पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र बंद होने से भारत से अमेरिका जाने वाली उड़ानों को लंबा रूट लेना पड़ता है। इससे यात्रा का समय बढ़ जाता है और खर्च भी बढ़ जाता है। यह भी इस फैसले में एक महत्वपूर्ण वजह है। यात्रियों के लिए यह फैसला थोड़ी असुविधा पैदा कर सकता है। जिन यात्रियों ने 1 सितंबर के बाद के लिए दिल्ली-वॉशिंगटन की उड़ान का टिकट बुक किया है, उन्हें एयर इंडिया वैकल्पिक उड़ानें उपलब्ध कराएगी या टिकट की राशि वापस करेगी। कंपनी जल्द ही यात्रियों को इसके बारे में जानकारी देगी।

एप्पल एआई इंडस्ट्री में खेल रहा राजनीति, मस्क करेंगे कंपनी पर कानूनी कार्रवाई

नई दिल्ली।

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने एप्पल से कहा है कि उनकी एआई कंपनी एक्सएआई जल्द ही एप्पल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। मस्क का आरोप है कि ऐपल इस तरह से व्यवहार कर रही है जिससे ओपनएआई के अलावा कोई भी एआई कंपनी ऐप स्टोर में नंबर वन पर नहीं पहुंच सकती। यह विवाद तब बढ़ा जब एक्स, ऐप स्टोर की न्यूज कैटेगरी में नंबर वन और टॉप फ्री ऐप्स की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मस्क ने सवाल उठाया कि एप्पल ने न तो एक्स और न ही ग्रोक को अपने ÷मस्ट हैव÷ सेक्शन में शामिल किया है। उन्होंने पूछा कि क्या आप राजनीति खेल रहे हैं? मामला क्या है? जानने की इच्छा है। मस्क ने यह भी कहा कि एप्पल ने सिर्फ तराजू पर अंगूठा नहीं रखा, बल्कि पूरा शरीर रख दिया है। मस्क ने एक्स पर लिखा कि एप्पल ऐसा व्यवहार कर रही है जिससे ओपनएआई के अलावा कोई भी एआई कंपनी ऐप स्टोर में शीर्ष स्थान नहीं हासिल कर सकती। यह साफ तौर पर एंटी-ट्रस्ट कानून का उल्लंघन है। एक्सएआई इस पर तुरंत कानूनी कार्रवाई करेगी। एप्पल और मस्क के बीच यह नया विवाद टेक इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा, बाजार में प्रभुत्व और एआई के बढ़ते प्रभाव को लेकर एक बड़ा मुद्दा बन सकता है।

बता दें जून 2024 में एप्पल ने ऐलान किया था कि वह ओपनएआई के साथ साझेदारी कर चेटजीपीटी को अपने सभी डिवाइसों में इंटीग्रेट करेगी। उस समय ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा था। हम के साथ मिलकर चेटजीपीटी को यूजर्स तक नए तरीके से पहुंचाने के लिए उत्साहित हैं। यह साझेदारी सुरक्षा, नवाचार और एआई को सभी के लिए सुलभ बनाने के हमारे मिशन के अनुरूप है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया था एप्पल अगले चार सालों में अमेरिका में 600 अरब डॉलर का निवेश करेगा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 10 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.63 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 87.73 पर बंद हुआ था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.70 पर खुला और फिर बढ़त दर्ज करते हुए 87.65 के स्तर तक गया, जो पिछले सत्र के 87.75 के मुकाबले सुधार को दर्शाता है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार रुपये में मजबूती का कारण घरेलू शेयर बाजारों में तेजी है। हालांकि, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार शुल्क को लेकर जारी अनिश्चितता और वैश्विक आर्थिक चिंताओं के कारण बाजार में सतर्कता बनी हुई है। निवेशक अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं, जो मुद्रास्फीति के रुझान और भविष्य की मौद्रिक नीति को प्रभावित कर सकते हैं।

आरबीआई ने दी सफाई, खाते में न्यूनतम बैलेंस की सीमा तय करने के लिए बैंक स्वतंत्र

- अच्छी बैंकिंग सेवाएं प्राप्त करना हर नागरिक का अधिकार

महेसाणा । गुजरात के महेसाणा में हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बचत खातों में न्यूनतम बैलेंस को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बचत खातों में न्यूनतम बैलेंस तय करना पूरी तरह बैंकों का अधिकार है। यह निर्णय आरबीआई के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। उन्होंने कहा कि बैंक अपनी नीति और व्यावसायिक रणनीति के आधार पर न्यूनतम बैलेंस की सीमा तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। यह बयान ऐसे समय पर आया है जब आईसीआईसीआई बैंक ने अपने बचत खातों में 50,000 तक का न्यूनतम बैलेंस अनिवार्य कर दिया है। वहीं कुछ बैंक 10,000, 2,000 या इससे भी कम न्यूनतम बैलेंस की सीमा निर्धारित करते हैं। कुछ बैंक ग्राहकों को इस बाध्यता से पूरी तरह मुक्त भी कर चुके हैं। गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि अच्छी बैंकिंग सेवाएं प्राप्त करना हर नागरिक का अधिकार है। उन्होंने प्रधानमंत्री जनधन योजना को एक ÷शुभ शुरुआत÷ बताते हुए कहा कि यह योजना आर्थिक समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत खाताधारकों को दुर्घटना बीमा, जीवन बीमा और अटल पेंशन योजना जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ मिलता है, जिनका हर व्यक्ति को लाभ उठाना चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर घटाकर 3.6 प्रतिशत की

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को ब्याज दर में 0.25 फीसदी की कटौती करते हुए इसे 3.85 फीसदी से घटाकर 3.6 फीसदी कर दिया। यह इस वर्ष की तीसरी कटौती है, इससे पहले फरवरी और मई में भी दरों में इतनी ही कमी की गई थी। नई दर मार्च 2023 के बाद से सबसे निचले स्तर पर है। इस फैसले के पीछे दो प्रमुख कारण हैं, मुद्रास्फीति में गिरावट और आर्थिक विकास की धीमी रफ्तार। रिजर्व बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया का यह कदम व्यापक रूप से अपेक्षित था, क्योंकि महंगाई में लगातार कमी आ रही है और उपभोग में गिरावट देखी जा रही है। इस कटौती से कर्ज लेना सस्ता होगा, जिससे बाजार में मांग बढ़ सकती है, लेकिन बचत पर ब्याज दर घटने की संभावना है। बैंक की यह नीति देश की अर्थव्यवस्था को गति देने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

एसआईपी में निवेश जुलाई में 28,000 करोड़ के पार

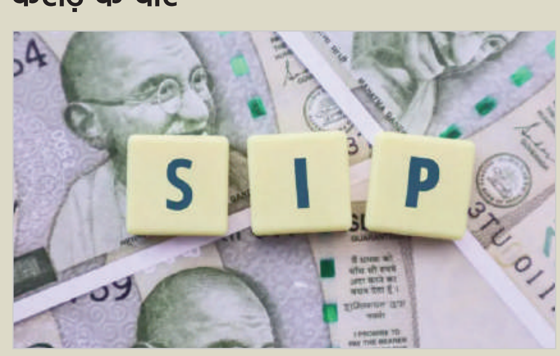

नई दिल्ली । भारतीय म्युचुअल फंड उद्योग में व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) का क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के ताजा आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2025 में एसआईपी के जरिए 28,464 करोड़ का निवेश हुआ, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। जून में यह आंकड़ा 27,000 करोड़ से ऊपर था, यानी लगातार दूसरे महीने रिकॉर्ड निवेश दर्ज किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि भारतीय निवेशकों की बढ़ती परिपक्वता, वित्तीय जागरूकता, डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म्स की पहुंच और शेयर बाजार में भरोसे के कारण संभव हो सकी है।

शेयर बाजार में महिला निवेशकों की भागीदारी बढ़ी

- 30 साल से कम उम्र के निवेशक घटे

नई दिल्ली ।

देश में शेयर बाजार में महिला निवेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के जून 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार लगभग सभी राज्यों में महिलाओं की हिस्सेदारी में इजाफा हुआ है। इसके विपरीत, 30 साल से कम उम्र के निवेशकों का अनुपात घटा है, जो बाजार में युवाओं की कम भागीदारी को दर्शाता है। महाराष्ट्र में महिला निवेशकों की हिस्सेदारी सबसे अधिक 28.4 फीसदी पर पहुंच गई है, जो वित्त वर्ष 2023 में 25.6 फीसदी थी। गुजरात दूसरे स्थान पर है, जहां यह आंकड़ा 26.6 फीसदी से बढ़कर 27.8 फीसदी हो गया है। देश के दूसरे सबसे बड़े निवेशक आधार वाले राज्य उत्तर प्रदेश में भी महिला निवेशकों की संख्या बढ़कर 18.7 फीसदी हो गई है, जबकि यह राष्ट्रीय औसत 24.5 फीसदपी से कम है। फिर भी, यह वित्त वर्ष 2023 के 16.9 फीसदी से बेहतर स्थिति है। छोटे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में महिला निवेशकों की हिस्सेदारी राष्ट्रीय औसत से भी अधिक है। गोवा सूची में सबसे ऊपर है, इसके बाद मिजोरम, चंडीगढ़, दिल्ली और सिक्किम का स्थान है। वहीं युवा निवेशकों की हिस्सेदारी में कमी देखी गई है। मार्च 2024 में 30 साल से कम उम्र के निवेशकों की हिस्सेदारी 40 फीसदी थी, जो जून 2025 तक घटकर 39 फीसदी रह गई है। यह गिरावट नए युवा निवेशकों के कम प्रवेश के कारण हुई है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बैंकिंग सहित कई क्षेत्रों में बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 368.49 अंक टूटकर 80,235.59 और 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 97.65 अंक नीचे आकर 24,487.40 पर बंद हुआ। इसके साथ ही वित्तीय सर्विसेज इंडेक्स एक फीसदी से अधिक नीचे आया। वहीं एफएमसीजी, रियल्टी, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा इंडेक्स बढ़कर बंद हुए।

वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप में मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 154.15 अंक गिरकर 56,324.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 6.40 अंक बढ़कर 17,498.10 पर आ गया। सेंसेक्स पैक में मारुति सुजुकी, टेक महिंद्रा, एमएंडएम, एनटीपीसी, टाटा स्टील, टाइटन, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी और एचसीएल टेक के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, एचयूएल, एचडीएफसी बैंक, इटरनल और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार शुरुआती कारोबार में गिरावट देखने को मिली, लेकिन बाद में आईटी शेयरों की मजबूती के चलते शेयर बाजार में तेजी लौटी। अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ को लेकर जारी अनिश्चितता ने निवेशकों को सतर्क बनाए रखा है। इसके चलते बाजार में उतार-चढ़ाव का माहौल` देखा जा रहा है। बीएसई सेंसेक्स 100 अंकों की गिरावट के साथ 80,508 पर खुला, जबकि निफ्टी50 ने भी कमजोरी के साथ शुरुआत की। शुरुआत में सेंसेक्स 276 अंक चढ़कर 80,880 पर पहुंच गया और निफ्टी भी 89.70 अंक बढ़कर 24,674 पर कारोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों की बात करें तो चीन, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के बाजारों में भी तेजी रही। वहीं अमेरिका के प्रमुख सूचकांक सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए क्योंकि निवेशक सीपीआई डेटा का इंतजार कर रहे हैं। डाउ जोन्स, एसएंडपी 500 और नैस्डैक में हल्की गिरावट दर्ज की गई।

अमेरिका-चीन व्यापार समझौते को ट्रंप ने 90 दिनों के लिए बढ़ाया

- अब अमेरिका और चीन को अपने व्यापारिक मतभेदों को सुलझाने मिल गया अतिरिक्त समय

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के साथ चल रहे व्यापारिक समझौते की समय सीमा को 90 दिनों के लिए और बढ़ा दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब यह समझौता मंगलवार देर रात समाप्त होने वाला था। अगर यह समय सीमा खत्म हो जाती, तो अमेरिका चीन से आयात पर पहले से लग रहे 30 प्रतिशत शुल्क को और बढ़ा सकता था, जिससे चीन की ओर से भी जवाबी करों की आशंका थी। इस टकराव से वैश्विक बाजारों में भारी अस्थिरता आ सकती थी। ट्रंप ने इस विस्तार की जानकारी अपने सोशल मीडिया मंच पर दी और कहा कि उन्होंने इसके लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि समझौते की बाकी शर्तें यथावत रहेंगी। इस विस्तार से अब अमेरिका और चीन को अपने व्यापारिक मतभेदों को सुलझाने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। इस कदम का अमेरिकी कारोबार जगत ने स्वागत किया है। अमेरिका-चीन व्यापार परिषद के अध्यक्ष सीन स्टीन ने कहा कि इससे दोनों देशों को बातचीत का अवसर मिलेगा, जो दीर्घकालिक व्यापारिक स्थिरता के लिए अहम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे अमेरिकी कंपनियों को चीन में बाज़ार पहुंच बढ़ाने और व्यापारिक योजनाएं बनाने में भरोसा मिलेगा। इस निर्णय ने न सिर्फ एक बड़े आर्थिक टकराव को टाल दिया है, बल्कि यह भी संकेत दिया है कि वर्ष के अंत तक ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच एक उच्च स्तरीय शिखर बैठक हो सकती है।

खरीफ सीजन में धान की बुवाई में 12 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली । चालू खरीफ सत्र 2025 में देशभर में फसलों की बुवाई पिछले वर्ष की तुलना में तेज गति से हो रही है। कृषि मंत्रालय द्वारा 8 अगस्त तक जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, धान की बुवाई इस वर्ष अब तक 12 प्रतिशत बढ़कर 364.80 लाख हेक्टेयर पहुंच गई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि तक यह आंकड़ा 325.36 लाख हेक्टेयर था। खरीफ मौसम में कुल बुवाई क्षेत्र बढ़कर 995.63 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 38.48 लाख हेक्टेयर अधिक है। इसमें मुख्य रूप से धान, मोटे अनाज और गन्ने की बुवाई में इजाफा हुआ है। मोटे अनाजों की बुवाई 170.96 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 178.73 लाख हेक्टेयर हो गई है, जबकि गन्ने की बुवाई 55.68 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 57.31 लाख हेक्टेयर दर्ज की गई है। दलहन क्षेत्र में मामूली वृद्धि हुई है, जो अब 106.68 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। हालांकि, कुछ फसलों में गिरावट भी देखी गई है। तिलहन की बुवाई 182.43 लाख हेक्टेयर से घटकर 175.61 लाख हेक्टेयर रह गई, वहीं कपास का रकबा भी घटकर 106.96 लाख हेक्टेयर हो गया है।भारतीय मौसम विभाग ने इस वर्ष मानसून सामान्य से अधिक रहने का अनुमान जताया है, जिससे आगामी हफ्तों में फसलों की बुवाई और उत्पादन में और सुधार की उम्मीद है।

शोकेस डिप्लोमेसी में नहीं फंसते मोदी, सबसे मित्रता, किसी पर निर्भरता नहीं के सिद्धांत से भारत हुआ मजबूत

नीरज कुमार दुबे

पुतिन से फोन पर बातचीत में मोदी ने न केवल यूक्रेन युद्ध पर नवीनतम स्थिति जानी, बल्कि दोनों देशों के ₹विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी₹ को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसमें व्यापार, निवेश, रक्षा-तकनीकी सहयोग, नागरिक विमानन और रासायनिक उद्योग तक पर चर्चा हुई।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच, भारत की विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक सूझबूझ एक बार फिर वैश्विक सुर्खियों में है। दरअसल गत सप्ताह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तथा इस सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदमीर जेलेंस्की से अलग-अलग वार्ताएं कीं और यह सब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पुतिन की अलास्का में होने वाली बैठक से ठीक पहले हुआ। मोदी-पुतिन बातचीत ऐसे समय में हुई जब अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक तनाव चरम पर था। ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर 25% और फिर 50% तक टैरिफ बढ़ाने की घोषणा की थी, साथ ही भारत-रूस ऊर्जा और रक्षा सौदों की वह खुली आलोचना कर रहे थे।

पुतिन से फोन पर बातचीत में मोदी ने न केवल यूक्रेन युद्ध पर नवीनतम स्थिति जानी, बल्कि दोनों देशों के 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसमें व्यापार, निवेश, रक्षा-तकनीकी सहयोग, नागरिक विमानन और रासायनिक उद्योग तक पर चर्चा हुई। इस वार्ता के जरिये भारत ने अमेरिका को साफ संदेश दिया कि ऊर्जा स्रोतों का चयन बाजार और वैश्विक परिस्थितियों के आधार पर होता है और रक्षा सौदे राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकताओं से तय होते हैं। यह मोदी की उस कूटनीति का उदाहरण है जिसमें वे अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद सामरिक स्वतंत्रता बनाए रखते हैं।

वहीं जेलेंस्की से वार्ता में मोदी ने भारत के 'स्थिर और निरंतर' रुख को दोहराया कि युद्ध का समाधान केवल राजनीतिक और कूटनीतिक मार्ग से ही संभव है। दूसरी ओर, जेलेंस्की ने रूस के ऊर्जा निर्यात, खासकर तेल को सीमित करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि युद्ध के लिए उसकी वित्तीय क्षमता घटे। यूक्रेन की ओर से यह भी संकेत दिया गया कि मोदी संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) सत्र के दौरान न्यूयॉर्क में जेलेंस्की से व्यक्तिगत मुलाकात कर सकते हैं। हालांकि भारत ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

हम आपको बता दें कि भारत, चीन की तरह, अब तक रूस की आलोचना से बचा है और मानता है कि किसी भी शांति पहल में दोनों पक्षों को शामिल करना जरूरी है। यह संतुलन बनाए रखना, मोदी की कूटनीति की खासियत है। मोदी की कूटनीति है- न तो रूस से रिश्ते कमजोर करना, न ही यूक्रेन को पूरी तरह नजरअंदाज करना। यह स्थिति निश्चित रूप से यह संकेत देती है कि रूस और यूक्रेन, दोनों ही भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक ऐसे नेता के रूप में देखते हैं जिनके पास संवाद और मध्यस्थता की क्षमता है, भले ही भारत औपचारिक रूप से 'मध्यस्थ' की भूमिका में न हो।

हम आपको बता दें कि भारत ने शुरू से ही रूस-यूक्रेन युद्ध पर एक संतुलित रुख अपनाया है, न तो रूस की निंदा की है और न ही युद्ध को वैध ठहराया है। इस कारण, नई दिल्ली दोनों पक्षों के साथ विश्वास का रिश्ता बनाए रखने में सफल रही है। पुतिन और जेलेंस्की का मोदी से अलग-अलग फोन पर बात करना यह दशार्ता है कि वह अपनी-अपनी स्थिति भारत के सामने स्पष्ट करना चाहते हैं, ताकि अलास्का में ट्रंप-पुतिन मुलाकात से पहले भारत का दृष्टिकोण और समर्थन उन्हें मिले।

मोदी की कूटनीति की खासियत है कि वे 'सभी से मित्रता, किसी पर निर्भरता नहीं' के सिद्धांत पर चलते हैं। भारत की ऊर्जा जरूरतें रूस से जुड़ी हैं, जबकि पश्चिमी देशों और अमेरिका के साथ भी भारत के रणनीतिक और आर्थिक हित हैं। ऐसे में, भारत किसी भी एक खेमे में जाने की बजाय 'विश्वसनीय संवादकर्ता' की भूमिका निभा सकता है। देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अक्सर ऐसे 'विश्वसनीय, तटस्थ और सम्मानित' नेताओं की जरूरत होती है जो विवादित पक्षों से बिना पूर्वाग्रह के बात कर सकें। पुतिन और जेलेंस्की का मोदी से संपर्क यही दशार्ता है कि भारत को वह ऐसे ही नेता के रूप में देखते हैं। देखा जाये तो भले ही भारत सार्वजनिक रूप से मध्यस्थता का दावा न करे, लेकिन यह स्पष्ट है कि वैश्विक स्तर पर विशेषकर रूस-यूक्रेन संकट में भारत की 'शांत कूटनीति' को गंभीरता से लिया जा रहा है। यह मोदी की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और भारत की बढ़ती कूटनीतिक ताकत का प्रमाण है।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप हाल के महीनों में खुद को 'वैश्विक शांति निमार्ता' के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं– चाहे आर्मेनिया-अजरबैजान समझौता हो या पुतिन-जेलेंस्की की संभावित मुलाकात। जून महीने में ट्रंप ने मोदी से भी अनुरोध किया था कि वह कनाडा से लौटते समय अमेरिका में ठहरें। यह निमंत्रण पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर की व्हाइट हाउस यात्रा के एक दिन पहले दिया गया था। भारतीय कूटनीतिक हलकों को आशंका थी कि ट्रंप, मोदी और मुनीर को एक ही फ्रेम में लाने की कोशिश करेंगे, जिससे भारत-पाकिस्तान को एक साथ जोड़ने का गलत संदेश जाएगा। इसलिए मोदी ने ट्रंप के निमंत्रण को विनम्रता से ठुकरा दिया था।

बहरहाल, पुतिन और जेलेंस्की से मोदी की वाताएं और ट्रंप के अमेरिका आने के प्रस्ताव को अस्वीकार करने का निर्णय, दशार्ते हैं कि भारत आज बहुपक्षीय कूटनीति का कुशल खिलाड़ी है। मोदी की शैली न तो तात्कालिक दबाव में झुकती है और न ही अवसरवादी 'शोकेस डिप्लोमेसी' में फंसती है। इसकी बजाय, वह भारत को एक ऐसे जिम्मेदार और संतुलित शक्ति केंद्र के रूप में प्रस्तुत करते हैं जो युद्ध और शांति, दोनों में अपनी स्वतंत्र और प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है।

संपादकीय

बहानेबाजी की इंतहा

देश के चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि कानूनन चुनाव निकाय को मसौदा मतदाता सूची से गायब लोगों के नामों की अलग से सूची तैयार करने/साझा करने या किसी भी कारण उनके नाम न शामिल करने के कारणों को प्रकाशित करने की जरूरत नहीं है। अदालत को गुमराह करने के लिए याचिकाकर्ता के खिलाफ अवमानना कार्रवाई का आग्रह करते हुए आयोग ने पूरक हलफनामे के साथ दायर अन्य जवाब में कहा- अधिकार के तौर पर वे ऐसी कोई सूची नहीं मांग सकते। अपने मामले की पुष्टि के लिए आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 तथा मतदाता पंजीकरण नियम 1960 के नियम 10 व 11 का हवाला दिया। बिहार में इस विवादित मसौदा सूची में 7.24 करोड़ मतदाताओं के नाम शामिल हैं, जिसमें पैंसठ लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर विवाद है। आयोग का दावा है, वे या तो मर चुके हैं या पलायन कर चुके हैं। हालांकि इस दावे का आधार बहुत सतही मालूम पड़ता है। याचिकाकर्ता गैर-सरकारी संगठन द्वारा इन गैर-मौजूद नामों की सूची कारण के साथ उपलब्ध कराने की मांग के बाद आयोग ने अपना जवाब दाखिल किया। आयोग का कहना है, उसने अपने दायित्व कानून के दायरे में पूरे किये और नियमानुसार निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी को मसौदा सूची की प्रति उपलब्ध कर दी। साथ ही प्रत्येक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को सूची की दो प्रतियां प्रदान करने की व्यवस्था भी है। आयोग के अनुसार छूटे नामों वाले मतदाता बूथस्तरीय एजेंटों व अन्य माध्यमों से संपर्क कर सकते हैं, परंतु सवाल है कि जो मतदाता वास्तव में दूर-दराज या राज्य से बाहर हैं, वे अपना नाम सूची में जांचने के लिए बारंबार लौट नहीं सकते। हालांकि आयोग ने पहली सितम्बर तक दावा या आपत्तियां दर्ज कराने का समय दिया है, परंतु यह आश्रितों, कमजोर आयवर्ग वालों व अशिक्षितों के लिए मात्र रस्म अदायगी लग रहा है। बड़ी संख्या में अप्रवासी मजदूरों से मतदाता सूची में नाम शामिल करवाने के लिए लौटना ज्यादा ही आशा करने सरीखा है। हैरत है, आधारकार्ड/पैन व जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्रों को आवश्यक बताए जाने के बावजूद संबंधित विभागों से संपर्क करने जैसी व्यवस्थाएं करने में सरकारें और अफसरशाही बुरी तरह असफल हैं। आरोपों-प्रत्यारोपों के दरम्यान यह केंद्र का जिम्मा है कि वह ऐसे ठोस पहचान-पत्र की व्यवस्था करे, जिसमें नागरिकों की संपूर्ण जानकारी उपलब्ध हो सके।

चिंतन-मनन

जो नहीं है उसे पाना हो ध्येय

असंतुष्ट होने का अर्थ दुखी होना नहीं है। असल में कोई आदमी पूरी तरह सुखी होकर भी असंतुष्ट हो सकता है। सुखी होने का मतलब है, जो है, उसे आनंद से भोगना। और असंतुष्ट होने का अर्थ हैः जो नहीं है उसे आनंद से पैदा करने का श्रम करना। जब अधिकतम लोग समाज में इस भांति श्रम करते हैं तो समाज संपन्न और समृद्ध होता है। और जब अधिक लोग ऐसा सोचते हैं कि जो है बस ठीक है, वही रुक जाना है, तो फिर पूरा समाज धीरे-धीरे दरिद्र हो जाता है। जिंदगी का सारा विकास, जो नहीं है, उसे पाने से ही होता है। इसलिए मैं तो कहूंगा कि ऐसा किसी जगह मानने की जरूरत नहीं है कि अब सब पूरा हो गया, अब भला मुझे क्या करना है! यह मरने के ढंग हैं। यह अपने भीतर जिंदा रहते हुए मर जाना है। जब तक श्वास है, तब तक एक भी श्वास व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। फिर भी अगर किसी व्यक्ति को ऐसा लगता हो कि मेरी तो सच में ही सारी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, तो फिर ऐसे व्यक्ति को दूसरों की आवश्यकताएं पूरा करने में लग जाना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को पक्का ऐसा लगता है कि मेरी तो सभी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, मैं क्यों श्रम करूं? तो उसे चारों तरफ देखना चाहिए कि अब मेरा काम तो जमीन पर खत्म हो गया, लेकिन दूसरों की आवश्यकताएं पूरी नहीं हुई हैं, उनके लिए मैं श्रम करने में लग जाऊं। लेकिन श्रम से नहीं बचा जा सकता। आपकी अपनी आवश्यकताएं पूरी हो गई हैं, तो अपने चारों तरफ देखिए। बहुत लोगों की पूरी नहीं हुई हैं, अतः उनके लिए श्रम करने में लग जाइए। लेकिन खाली बैठने का हक किसी को नहीं है। संन्यासी को भी खाली बैठने का हक नहीं है। देश को संपन्न करना है तो सभी को श्रम में लगना ही चाहिए। और श्रम में हम तभी लगेंगे जब कोई आवश्यकता पूरी करनी हो। चाहे अपनी, चाहे किसी दूसरे की, लेकिन आवश्यकता पूरी करने की दौड़ जारी रहनी चाहिए। यह दौड़ शांत हो, यह दौड़ आनंदपूर्ण हो, इतना मैं कहूंगा। यह दौड़ पागल की नहीं होनी चाहिए, विक्षिप्त की नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ नींद को हराम कर देने वाली नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ ऐसी नहीं होनी चाहिए कि आदमी बिल्कुल होश खो दे और दौड़ता रहे, और उसे पता भी न हो कि कहां दौड़ रहा है। यह दौड़ बहुत आनंदपूर्ण होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत शांत होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत स्वस्थ होनी चाहिए। यह हो सकती है। लेकिन हमने इस तरफ सोचा नहीं

आओ नारी शक्ति को भारत की सफलता की गाथा बनाएं

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारतीय नारी की गाथा बहुत ही सम्मानजनक रूप से गाई जाती है, क्योंकि आदि अनादि काल से ही भारतीय नारी शक्ति की अनेक मान्यता प्राप्त कहानियों कथाओं से भी हमें पता चलता है कि नारी शक्ति की शक्ति तो देवी-देवताओं को भी करनी पड़ी थी, हम तो इस कलयुग में इंसान मात्र हैं। इसलिए हमें चाहिए कि नारी शक्ति का सम्मान कर उनको कार्यबल प्रदान करें जिसको भारत के विकास में प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित कर एक फरवरी 2026 को आने वाले बजट में ऐसी योजनाओं स्कीमों को लाया जाना चाहिए ताकि नारी शक्ति को कार्य बल में उचित भागीदारी मिले और भारत के तेजी से विकसित हो रहे पथ को अधिक तेजी से आगे बढ़ाया जा सके।

साथियों बात अगर हम नारी शक्ति को कार्यबल के रूप में चिन्हित करने की करें तो, हमने कई क्षेत्रों में देखे हैं कि नारी कार्यबल अपेक्षाकृत रूप से अधिक सशक्त व प्रभावी रिजल्ट देता है। हम अगर नर नारी के कार्यबल की गुणवत्ता का विश्लेषण करें तो, मेरा मानना है कि नारी बल गुणवत्ता में अधिक कुशल दिखेगा। जिसका मैंने खुद ने ग्राउंड रिपोर्टिंग कर सत्यता परखी है। मैंने अनेक शोरूम ऑफिसेस दवाखाना वकील सीए अनेक प्रोफेशनल जगह कंपनियों में वहां के प्रमुख संचालकों, मैनेजरों अधिकृत व्यवस्थापकों से बात की तो उन्होंने भी नारी कार्यबल को अपेक्षाकृत अधिक सशक्त इमानदार रेगुलर जिम्मेदार जवाबदेही में अवल बताया और नारी कार्यबल को प्राथमिकता देने की बात स्वीकार की, क्योंकि नकारात्मक आदतें नारी कार्यबल में नहीं देखने को मिलती जितनी नर कार्यबल में देखने को मिलती है। उसी तरह नेतृत्व शक्ति में भी नारी कार्यबल अधिक उच्च गुणवत्ता में अग्रणी ही है इसका उदाहरण हमें वैश्विक स्तरपर मूल भारतीय महिलाओं कल्पना चावला कमला हैरिस सहित अनेकों का नाम लिया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम 1 फरवरी 2026 को आने वाले बजट में नारी शक्ति कार्यबल के एंगल से देखें तो आज इसकी कार्य शक्ति बढ़ाने के लिए अधिक बजट एलोकेशन की आवश्यकता है। कुछ ऐसी योजनाएं, इंसेंटिव, छूट दी जानी चाहिए ताकि नारी कार्यबल को प्राथमिकता दिए जाने पर प्रोत्साहन मिले। वैसे भी हम अभी अनेकों निजी कंपनियों में देखते हैं कि वहां नारी कार्यबल को प्राथमिकता दी जाती है जो वर्तमान समय की जरूरत भी है अब वक्त आ गया है कि नारी शक्ति के कार्य बल को बढ़ाने आरक्षण का बंधन भी तोड़ने की जरूरत है और उच्च कौशल्या के आधार पर नारी कार्यबल की सेवा राजनीतिक, औद्योगिक शैक्षणिक सहित हर क्षेत्र में ली जानी चाहिए। भारतीय कौशल नारी सबपर भारी की थींम को आगे बढ़ाया जाए

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम नीति आयोग में प्रसिद्ध अर्थशास्त्रीयों व विशेषज्ञों से बातचीत की करें तो उन्होंने भी,नारी शक्ति को भारत के विकास के प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित किया और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को और सक्षम बनाने के साथ-साथ उसे बढ़ावा देने के लिए प्रयास जारी रखने का आग्रह किया, उन्होंने आज नीति आयोग में प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत की।विचार-विमर्श वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भारत का विकास और दृढ़ता विषय पर आधारित था। अपनी टिप्पणी में कहा कि, जहां जोखिम थे, वहीं उभरता हुआ वैश्विक वातावरण डिजिटलीकरण, ऊर्जा, स्वास्थ्य देखभाल और कृषि जैसे क्षेत्रों में नए और विविध अवसर प्रदान करता है। इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र को तालमेल का लाभ उठाने और लीक से हटकर सोचने की जरूरत है। उन्होंने भारत डिजिटल की सफलता की गाथा और देश भर में फिनटेक को तेजी से अपनाने, और समावेशी विकास और इसके दृढ़ संकल्प की क्षमता की सराहना की। बैठक में प्रतिभागियों ने उन तरीकों पर व्यावहारिक उपायों की पेशकश की, जिनसे भारत अपने विकास की गति को विवेकपूर्ण ढंग से बनाए रख सकता है। कृषि से लेकर विनिर्माण तक विविध विषयों पर प्रधानमंत्री के साथ विचार और सुझाव साझा किए गए। यह स्वीकार करते हुए कि अंतर्निहित वैश्विक प्रतिकूलताएं जारी रहने की संभावना है, भारत की दृढ़ता को और मजबूत करने के लिए रणनीतिक सिफारिशें भी साझा की गईं। इस बात पर सहमति कायम हुई कि अपने लचीलेपन के कारण, भारत अशांत वैश्विक मंच पर एक उज्ज्वल स्थान बनाकर उभरा है। यह सुझाव दिया गया था कि सभी क्षेत्रों में समग्र विकास के माध्यम से इस नींव पर नए सिरे से विकास पर जोर देने की आवश्यकता होगी। हर नारी अपनी प्रतिभा के साथ न्याय कर पाये , अपने अरमानो को पंख लगाने का जज्बा रखे और उन्हें पूरा करने का होंसला रखे । किसी से कोई खैरात नहीं, कोई पक्षपात नहीं , अपने बलबूते पर मंजिल हांसिल करने माद्दा रखे।

साथियों बात अगर हम बड़ी संख्या में अभी भी महिलाओं की वर्तमान स्थिति की करें तो, वर्तमान युग में महिलाओं को मात्र भोग विलास की वस्तु बना कर रख दिया गया है। जिसका मूल काम घर में रहकर चूल्हा चौका करना तथा परिवार की देखभाल करना रह गया है। आज के समय जहां विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है वहीं दूसरी तरफ महिलाओं का कुछ ऐसा वर्ग भी है जिन्हें उनके मूल अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। इस कुप्रथा को दूर करने के लिए हर किसी को अपनी मानसिकता बदलने की आवश्यकता है। जब तक हम अपनी मानसिकता को नहीं बदलकर स्त्रियों को साथ नहीं लेंगे तब तक राष्ट्र का सर्वांगीण विकास मुमकिन नहीं हो पाएगा।भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था क्योंकि उसके विकास में पुरुष तथा स्त्रियों का समान प्रयास हुआ करता था। लेकिन जैसे-जैसे स्त्रियों के विकास का अनुपात कम होता गया वैसे वैसे भारत का गौरव भी धूमिल पड़ता गया।भारतीय महिलाओं का इतिहास में योगदान अप्रतिम रहा है। सिर्फ स्वाधीनता संग्राम के समय को देखा जाए तो भारतीय महिलाओं का योगदान अगणनीय ही प्राप्त होगा। स्वाधीनता संग्राम के दौरान महारानी लक्ष्मीबाई, विजयालक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, सरोजिनी नायडू, कमला नेहरु, सुचेता कृपलानी, मणीबेन पटेल अमृत कौर जैसी स्त्रियों ने आगे आकर अपना अप्रतिम योगदान दिया।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय कौशल नारी सबपर भारी। आओ नारीशक्ति को भारत की सफलता की गाथा बताएं। नारी शक्ति को भारत के विकास के प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित करने की योजनाएं बनाना जरूरी। बजट 2026 में नारी शक्ति को चिन्हित कर कार्यबल में भागीदारी की योजना स्कीम लाना समय की मांग है।

मुद्दा : चीन की जनसंख्या नीति और भारत

डॉ. प्रभात दीक्षित

दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश रहे चीन को आज अपनी घटती जनसंख्या की भरपाई के लिए बड़ी आर्थिक योजनाएं लानी पड़ रही हैं।

चीन ने मंगलवार को घोषणा की है कि वह तीन साल से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे के लिए सालाना 3,600 युआन यानी लगभग 1,500 डॉलर (1.25 लाख रुपये) की नकद मदद देगा। यह योजना जनसंख्या को बढ़ावा देने के लिए लाई जा रही है क्योंकि चीन की जन्म दर ऐतिहासिक रूप से नीचे पहुंच गई है। 2023 में चीन की कुल जनसंख्या में 61 वर्षों में पहली बार गिरावट दर्ज की गई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, चीन की टोटल फर्टिलिटी रेट सिर्फ 1.09 है, जबकि जनसंख्या को स्थिर बनाए रखने के लिए 2.1 का स्तर जरूरी होता है।

यह उदाहरण दिखाता है कि जनसंख्या नियंत्रण सिर्फ आंकड़ों की बात नहीं है, यह सामाजिक, आर्थिक और रणनीतिक रूप से एक बेहद संवेदनशील विषय है। भारत ने 2023 में चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश बनने का 'टैग' प्राप्त किया, लेकिन भारत की स्थिति चीन से बहुत भिन्न है। भारत में नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे -5 के अनुसार, कुल प्रजनन दर अब 2.0 पर आ गई है-यह भी रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे है। इसका मतलब यह है कि भारत की जनसंख्या अब धीरे-धीरे स्थिर हो रही है, और भविष्य में इसमें गिरावट की संभावना भी जताई जा रही है। इस स्थिति को सकारात्मक नजरिए से देखा जाए तो यह भारत के लिए एक डेमोग्राफिक डिविडेंड का सुनहरा अवसर है।

भारत में अभी भी 65% से अधिक जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। इसका मतलब यह है कि हमारे पास कामकाजी युवाओं की बड़ी फौज है, जो आने वाले वर्षों में देश की आर्थिक विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। चीन आज जिस संकट से जूझ रहा है जहां बूढ़ी होती जनसंख्या के साथ कामकाजी हाथ कम होते जा रहे हैं, भारत उस स्थिति से अभी दूर है। भारत को यहां एक संतुलित नीति अपनाने की जरूरत है। न तो अंधाधुंध जनसंख्या बढ़ाने की सोच हो, न ही अतिवादी नियंत्रण की।

भारत के कई दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में पहले ही जनसंख्या वृद्धि रु क गई है। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अब 1.6 से 1.8 के बीच है, जो चिंता का विषय है। वहीं बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड जैसे राज्यों में अभी भी 2.5 के आसपास है। ये क्षेत्रीय असंतुलन भविष्य में सामाजिक और आर्थिक ढांचे को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए एक सकारात्मक रणनीति यह होगी कि हम जनसंख्या वृद्धि की जगह जनसंख्या की गुणवत्ता पर ध्यान दें।

भारत को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। अगर हम यह सुनिश्चित कर सकें कि हर बच्चा स्कूल में जाए, हर महिला को स्वास्थ्य सुविधा और बराबरी का अवसर मिले और हर युवा को हुनरमंद बनाया जाए, तो यही जनसंख्या हमारी सबसे बड़ी ताकत होगी। इसके साथ ही, भारत को आने वाले दशकों में बुजुगरे की संख्या बढ़ने की संभावना को भी समझना होगा और उनके लिए स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना होगा। आज जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं जनसंख्या की कमी से जूझ रही हैं जैसे जापान, कोरिया, इटली, रूस और अब भारत के पास एक बड़ा अवसर है कि वह अपने डेमोग्राफिक एडवांटेज को आर्थिक व सामाजिक प्रगति में बदल सके।

इसके लिए नीति-निमार्ताओं को दीर्घकालिक सोच अपनानी होगी। शिक्षा और रोजगार को केंद्र में रखकर भारत यदि अपनी युवा शक्ति को अवसर दे, तो जनसंख्या कभी बोझ नहीं बनेगी। चीन आज जिन योजनाओं को लागू कर रहा है बच्चों के पालन-पोषण में आर्थिक सहायता, मातृत्व अवकाश, डे-केयर सुविधा और सामाजिक सुरक्षा वह भारत के लिए संकेत हैं कि हमें भी समय रहते अपने सामाजिक ढांचे को मजबूत करना होगा। हालांकि भारत की आर्थिक स्थिति चीन से अलग है, लेकिन नवाचार और सामुदायिक सहयोग से हम एक ऐसा मॉडल बना सकते हैं जिसमें जनसंख्या को लाभ में बदला जा सके।

भारत को यह भी समझना होगा कि जिस जनसंख्या को आज वह अपनी शक्ति मान रहा है, वही आने वाले समय में चुनौतियों का कारण भी बन सकती है यदि उसे सही दिशा, शिक्षा और अवसर न मिले। चीन के ताजा निर्णय से भारत को यह भी सीखने को मिलता है कि परिवार और बच्चों के पालन-पोषण को आसान

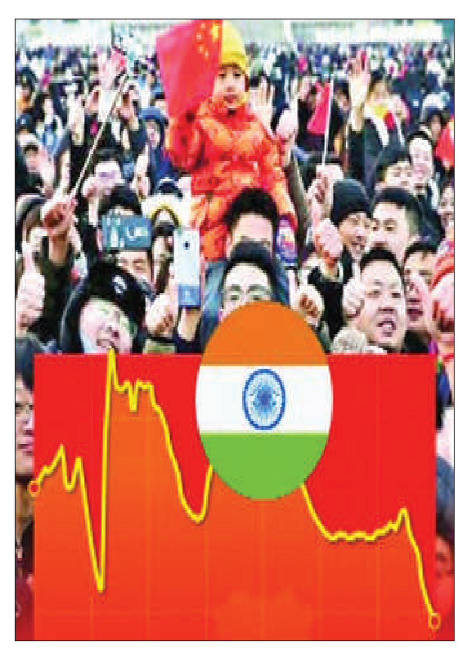

और सम्मानजनक बनाना क्यों जरूरी है। भारत के शहरी क्षेत्रों में भी अब छोटे परिवार और देर से विवाह करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। यदि भारत सरकार भविष्य में प्रजनन दर में गिरावट देखे तो उसे समय रहते सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, पितृत्व/मातृत्व अवकाश और कार्यस्थल पर बच्चों की देखरेख जैसे उपायों को संस्थागत बनाना होगा। जनसंख्या को बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की पूंजी समझने का वक्त आ गया है। यही समय है जब हमें जनसंख्या नियंत्रण से आगे बढ़कर जनसंख्या निवेश की नीति अपनानी चाहिए।

पूर्व राष्ट्रपतियों से भी खफा ट्रंप?

वाइट हाउस के प्रवेश द्वार से हटवाए ओबामा और बुश के चित्र

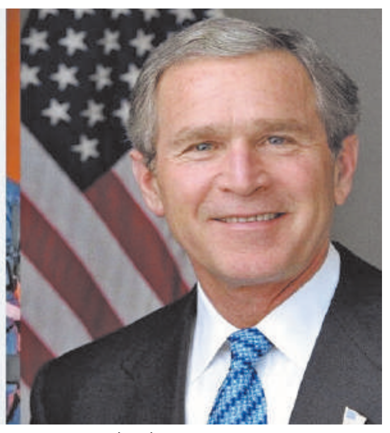

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों अजग-गजब फैसलों के लिए सुर्खियों में बने हुए हैं। दुनियाभर के कई देशों पर मनमाफिक टैरिफ लगाने के बाद उनके निशाने पर उनके ही देश के पूर्व राष्ट्रपति हैं। ट्रंप प्रशासन ने उनके आधिकारिक आवास वाइट हाउस के प्रवेश द्वार पर लगे पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के चित्र हटवा दिए हैं और उसे ऐसी जगह पर लगवा दिया है जो कम इस्तेमाल में आता है या जहां बहुत कम लोगों का आना-जाना होता है।

सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि वाइट हाउस के प्रवेश द्वार की एक प्रमुख विशेषता रहे पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के आधिकारिक चित्र को अब एक कम प्रमुख स्थान पर रखा गया है, जो 44वें और 47वें राष्ट्रपतियों के बीच वर्षों से चले आ रहे तनाव को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ विवादास्पद संबंध रखने वाले अन्य हालिया पूर्ववर्तियों, पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश और उनके पिता जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश के चित्रों को भी हटा दिया गया है।

वाइट हाउस के रख रखाव में ट्रंप का सीधा दखल : कई स्रोतों ने कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप वाइट हाउस के रख -रखाव और सौंदर्यीकरण से जुड़े लगभग हर काम में, चाहे वह बड़ा हो या छोटा, सीधे तौर पर हस्तक्षेप कर रहे हैं। वाइट हाउस की परंपरा और प्रोटोकॉल के अनुसार, हाल के राष्ट्रपतियों के चित्रों को कार्यकारी भवन के प्रवेश द्वार पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाता रहा है, जहाँ से आधिकारिक अतिथि और सार्वजनिक पर्यटक आते-जाते हैं। ओबामा का चित्र अब निजी आवास के पास सीढ़ियों के ऊपर, लैंडिंग पर लगाया गया है, जो आम जनता की पहुँच से दूर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ओबामा की तस्वीर को पुनः स्थापित करने से पहले अप्रैल में एक और कदम उठाया गया था, जब इसे ग्रैंड फ़ोयर में स्थानांतरित कर दिया गया था और उसकी जगह एक पेंटिंग लगाई गई थी, जिसमें पेंसिलवेनिया के बटलर में ट्रंप पर हुए हमले में उनके जीवित बचे होने का चित्रण किया गया है।

रोजाना आने-जाने वाले नहीं देख सकेंगे

रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप ने अपने कर्मचारियों को बराक ओबामा की तस्वीर को ग्रैंड स्टेयरकेस के सबसे ऊपर ले जाने का निर्देश दिया, जो ज़्यादातर उनके परिवार, चुनिंदा कर्मचारियों और सीक्रेट सर्विस एजेंटों के लिए ही सीमित था। एक सूत्र ने पुष्टि की कि बुश की तस्वीरें भी अब वहीं रख दी गई हैं। ट्रंप के इस कदम से अब रोजाना वहां आने-जाने वालों की नजरों से बराक ओबामा या बुश जैसे पूर्व राष्ट्रपतियों की तस्वीरें दूर हो गई हैं।

रूस को चाहिए एक चौथाई यूक्रेन, ट्रंप-पुतिन की मीटिंग से पहले ही बखेड़ा, जेलेंस्की ने दी चेतावनी

वाशिंगटन/कीव, एजेंसी। अगले हफ्ते होने वाली अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अहम बैठक से पहले, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि वे रूस को युद्ध में कब्जा किए गए यूक्रेनी इलाके सौंपने को कतई मंजूर नहीं करेंगे। दरअसल, यूक्रेनी अधिकारियों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषकों के अनुसार, तीन साल से ज्यादा के इस महायुद्ध में रूसी सेना यूक्रेन के 20 प्रतिशत से ज्यादा हिस्से पर कब्जा कर चुकी है और ट्रंप ने भी संकेत दिया है कि कब्जा किए यूक्रेनी हिस्सों को रूस को देने में कोई आपत्ति नहीं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों घोषणा की कि वे 15 अगस्त को अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलेंगे, जहां वे रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए वार्ता करेंगे। ट्रंप ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच एक युद्धविराम समझौता नजदीक है, जिसमें यूक्रेन को कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्र सौंपने पड़ सकते हैं।

जेलेंस्की को यूरोपीय नेताओं का भी समर्थन : यूरोप के कई नेता भी जेलेंस्की के समर्थन में खड़े हुए हैं और यूक्रेन के पक्ष में अपनी एकजुटता जताई है, खासकर ऐसे वक्त में जब अमेरिका और रूस के बीच शांति वार्ता की उम्मीदें जगी हैं। विश्लेषकों के मुताबिक, यह बैठक वैश्विक राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण है, लेकिन जेलेंस्की का यह कड़ा रुख संकेत देता है कि शांति वार्ता में जटिल चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। यूक्रेन की जमीन को लेकर कोई समझौता आसान नहीं होगा।

हर किसी को खुश नहीं कर सकते- वेंस

इस बीच अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि रूस और यूक्रेन के बीच किसी भी समझौते से दोनों पक्षों को पूरी तरह खुश नहीं किया जा सकता है। उनका मानना है कि ऐसा कोई भी शांति समझौता जो दोनों देशों द्वारा स्वीकार किया जाए, दोनों के लिए असंतोषजनक होगा। फॉक्स न्यूज के साथ बातचीत में वेंस ने कहा, यह किसी को सुपर खुश नहीं करेगा। शायद अंत में रूस और यूक्रेन दोनों ही इससे खुश नहीं होंगे। उन्होंने बताया कि अमेरिका ऐसी शांति की कोशिश कर रहा है जिसे दोनों देश स्वीकार कर सकें।

संक्षिप्त समाचार

भारत चमकती मर्सिडीज और हम लदा ट्रक, आसिम मुनीर ने खुद की पाकिस्तान की बेइज्जती

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के खिलाफ अकसर जहर उगलने वाले पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर फिलहाल ट्रोल किए जा रहे हैं। उन्हें पाकिस्तान की जनता भारत के साथ अपने देश की तुलना करने और कमतर बताने पर ट्रोल कर रही है। आसिम मुनीर ने एक भाषण में कहा था कि भारत एक चमकती हुई मर्सिडीज की तरह तेजी से आगे बढ़ रहा है, जबकि पाकिस्तान बजरी से लदा ट्रक है। आसिम मुनीर ने अमेरिका के फ्लोरिडा में एक कार्यक्रम में बोलते हुए यह बात कही। उनकी ओर से दोनों देशों की ऐसी तुलना करने पर पाकिस्तानी ही उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। कई लोगों ने लिखा है कि आसिम मुनीर तो अपने ही देश की बेइज्जती कर रहे हैं। आसिम मुनीर ने कहा, मैं साधारण शब्दों में स्थिति का वर्णन करने जा रहा हूं। भारत हाईवेज पर दौड़ती एक चमकती हुई मर्सिडीज या फरारी है। लेकिन हम एक ट्रक हैं, जो बजरी से लदा हुआ है। यदि ट्रक ने कार को टक्कर मारी तो फिर किसे ज्यादा नुकसान होगा? दरअसल वह पाकिस्तान को चमक से दूर लेकिन एक ताकतवर मुल्क बताने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन तुलना ऐसी कर दी कि ट्रोल होने लगे। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति, विकास, आबादी की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य मानकों पर स्थिति बेहद कमजोर है। ऐसे में पाकिस्तान अकसर हम तो डूबेंगे सनम, आपको भी ले डूबेंगे जैसी धमकी देता रहता है। भारत के अलावा पाकिस्तान के ही कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उन पर यह कहते हुए निशाना साधा कि आसिम मुनीर ने खुद स्वीकार कर लिया है कि भारत बेहतर है। एक्स पर एक यूजर ने लिखा, आसिम मुनीर के बयान का यही सच है कि भारत एक मर्सिडीज है, जबकि उनका देश बजरी से लदे ट्रक जैसा है। इसके बाद की सारी बातें एक भ्रम हैं। बता दें कि आसिम मुनीर यह भी धमकी दे चुके हैं कि हम डूबे तो आधी दुनिया को ले जाएंगे। उनके इस बयान से साफ था कि भारत के मुकाबले पाकिस्तान के अस्तित्व के संकट वाले खौफ से भी गुजर रहा है। एक अन्य यूजर ने लिखा कि पाकिस्तान कम से कम अपनी सच्चाई तो जानता है।

17 दिन में 4 देशों ने किया ऐलान

फिलिस्तीन को आजाद देश की मान्यता देगा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड बोला- हम भी विचार कर रहे

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने फिलिस्तीन को एक अलग देश के तौर पर मान्यता देने का ऐलान किया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने सोमवार को कहा कि इस पर सितंबर में फैसला लिया जाएगा। इससे पहले ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा भी फिलिस्तीन को मान्यता देने का ऐलान कर चुके है। दो सप्ताह पहले फ्रांस ने जब फिलिस्तीन को आजाद देश की मान्यता देने का ऐलान किया था, तब अल्बनीज ने कहा था कि ऑस्ट्रेलिया ऐसा कोई कदम नहीं उठाने जा रहा है। अब अल्बनीज ने कहा कि अलग फिलिस्तीन देश के तौर पर मान्यता देने का फैसला पिछले दो हफ्तों में ब्रिटेन, फ्रांस, न्यूजीलैंड और जापान के नेताओं से बातचीत के बाद लिया गया। वहीं, न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने कहा कि उनका देश भी फिलिस्तीन को अलग देश के तौर पर मान्यता देने के लिए विचार कर रहा है।

अल्बनीज बोले- इजराइल कानून की अनदेखी कर रहा : अल्बनीज ने गाजा की मौजूद हालत को 'दुनिया का सबसे बुरे सपना बताया'। उन्होंने कहा कि इजराइल लगातार अंतरराष्ट्रीय कानून की अनदेखी कर रहा है। अब पश्चिम एशिया में हिंसा खत्म करने और गाजा में युद्ध, भूख और पीड़ा को रोकने का सबसे अच्छा तरीका टू स्टेट सॉल्यूशन है, जिसमें राजनीतिक रास्ता अपनाया जाए, सैन्य नहीं। ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने कहा कि उन्होंने इसे लेकर नेतन्याहू से भी बात की। उन्होंने महसूस किया है कि उनके तर्क एक साल पहले के जैसे ही हैं। उन्होंने नेतन्याहू से कहा कि अब सैन्य समाधान नहीं, बल्कि राजनीतिक समाधान की जरूरत है।

अलग देश की मान्यता पर रखी शर्तें

ऑस्ट्रेलिया ने फिलिस्तीन को मान्यता देने के पीछे कुछ शर्तें भी रखी हैं। पीएम अल्बनीज ने कहा कि फिलिस्तीन प्राधिकरण को यह वादा करना होगा कि वह अपने नियंत्रण वाले इलाकों में हथियारबंद गुटों और मिलिशिया को खत्म करेगा। अल्बनीज ने कहा कि फिलिस्तीनी प्राधिकरण के अध्यक्ष महमूद अब्बास ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि भविष्य में होने वाले किसी भी फिलिस्तीनी राज्य में हमास की कोई भूमिका नहीं होगी। अल्बनीज ने कहा कि क्रने उस सिस्टम को भी खत्म करने की बात कही है जिसमें इजराइल के लिए लड़ने वाले परिवारों को पैसे दिए जाते हैं। इसे अक्सर 'हत्या की कीमत' कहा जाता है। इसके अलावा अल्बनीज ने आम चुनाव करने और इजराइल के अस्तित्व के अधिकार को भी मान्यता देने की मांग की।

फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार के फैसले पर कहा कि एक अलग देश का दर्जा मिलना उनके आत्म निर्णय के अधिकार को बढ़ावा देता है। फिलिस्तीनी प्राधिकरण वेस्ट बैंक में बनी एक तरह की अस्थायी सरकार है, जिसे 1994 में ओस्लो समझौते के तहत बनाया गया था। इसका काम वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी के कुछ हिस्सों में फिलिस्तीनी लोगों के लिए प्रशासन चलाना और पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य और कुछ स्थानीय मामलों की जिम्मेदारी संभालना है।

गाजा में 61 हजार लोगों की मौत: हमास से जुड़े स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक गाजा में अब तक भूख और कुपोषण से 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय ने यह भी दावा किया कि अक्टूबर 2023 से चल रही जंग में अब तक 61 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इस बीच इजराइल ने गाजा पर कब्जा करने की कोशिश शुरू कर दी है। इजराइली सिक्योरिटी कैबिनेट ने शुक्रवार सुबह गाजा सिटी पर कब्जा करने की मंजूरी दी थी। नेतन्याहू ने कहा कि यह कदम हमास को खत्म करने और बंधकों को छुड़ाने के लिए ज़रूरी है। हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि इससे बंदियों की जान और खतरे में पड़ सकती है और गाजा में संकट और बड़ा हो जाएगा।

फिलिस्तीन के लिए ऑस्ट्रेलिया में प्रदर्शन हुआ

ऑस्ट्रेलियाई पीएम का यह फैसला देश में हजारों फिलिस्तीनी समर्थक कार्यकर्ताओं और कैबिनेट के कुछ सदस्यों के हफ्तों से जारी दबाव के बाद आया है। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में रविवार को करीब 10 हजार लोगों ने गाजा के समर्थन में एक बड़ा मार्च निकाला। इस दौरान लोगों ने सत्ताधारी लेबर पार्टी और पीएम अल्बनीज के खिलाफ नारे लगाए थे। यह मार्च सिडनी के मशहूर हार्बर ब्रिज पर हुआ, जिसमें लोग गाजा के मानवीय संकट के खिलाफ आवाज उठाई। प्रदर्शनकारियों ने फ्री फिलिस्तीन जैसे नारे लगाए और गाजा में भुखमरी खत्म करने की मांग की। इस मार्च को फिलिस्तीन एक्शन ग्रुप ने आयोजित किया था, जिसका मकसद दुनिया का ध्यान गाजा क मुश्किल हालातों की ओर खींचना था।

दक्षिण कोरिया की आर्मी में 20प्रतिशत सैनिकों की कमी, नहीं मिल रहे जवान लड़के

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की मिलिट्री में सैनिकों की संख्या पिछले छह सालों में 20प्रतिशत कम हो गई है, क्योंकि वहां पुरुषों की तादाद में भारी गिरावट आई है। इसका मुख्य कारण दुनिया में सबसे कम जन्मदर का होना है, जो कि औसतन 0.75 पर है। रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, 20 साल के पुरुषों की संख्या 2019 से 2025 तक 30प्रतिशत घटकर 2 लाख 30 हजार हो गई है। 20 साल की उम्र में ज्यादातर पुरुष मिलिट्री सर्विस के लिए भर्ती होते हैं। अब सेना में अधिकारियों की भी कमी हो रही है और आगे चलकर ऑपरेशन्स में दिक्कतें आ सकती हैं। सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद चू मी-ए को यह रिपोर्ट दी गई, जिनके कार्यालय ने इसे जारी किया है। दक्षिण कोरिया की सेना का आकार 2000 के दशक की शुरुआत से लगातार कम हो रहा है, जब इसमें लगभग 6 लाख 90 हजार सैनिक हुआ करते थे। 2010 के दशक के अंत में यह कमी तेज हुई और सेना में करीब 4 लाख 50 हजार सैनिक बचे हैं। वहीं, उत्तर कोरिया के पास 2022 में लगभग 12 लाख सक्रिय सैनिकों की सेना थी।

जापान के क्यूशू द्वीप पर भारी बारिश के चलते बाढ़ और भूस्खलन, कई लोग लापता

टोक्यो, एजेंसी। जापान के दक्षिणी क्षेत्र स्थित क्यूशू द्वीप पर भारी बारिश के चलते बाढ़ और भूस्खलन ने बड़ी तबाही मचाई है। आपदा के कारण कई लोग घायल हो गए। जबकि द्वीप पर छुट्टी मनाने पहुंचे कई लोग लापता हो गए। क्षेत्र में बचावकर्मी लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। जापान में पिछले सप्ताह के अंत में शुरू हुई मूसलाधार बारिश के कारण दक्षिणी कागोशिमा प्रांत में एक व्यक्ति लापता हो गया और चार अन्य घायल हो गए। इसके बाद क्यूशू के उत्तरी हिस्सों में और ज्यादा बारिश होने लगी। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने सोमवार तड़के कुमामोटो में चेतावनी जारी की।

गाजा में आईडीएफ के हमले में मारे गए अल जज़ीरा के 5 पत्रकार, इजरायल का दावा- एक था हमास आतंकी

गाजा, एजेंसी। गाजा पर पूर्ण कब्जे के इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के प्लान के बीच इजरायली सुरक्षा बल वहां ताबड़तोड़ हमले कर रहे हैं। इन हमलों में अल जज़ीरा के कम से कम पाँच पत्रकार मारे गए हैं। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, गाजा शहर के अल-शिफा अस्पताल के मुख्य द्वार के बाहर प्रेस के लिए एक तंबू को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमले में मारे गए सात लोगों में पांच पत्रकार भी शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीड़ितों में अल जज़ीरा के संवाददाता अनस अल-शरीफ और मोहम्मद क़रीक़ेह, साथ ही कैमरामैन इब्राहिम ज़हीर, मोआमेन अलीवा और मोहम्मद नौफ़ल शामिल हैं। इस हमले के तुरंत बाद, इजरायली सेना ने एक बयान में अल जज़ीरा के संवाददाता अनस अल-शरीफ को निशाना बनाने की बात स्वीकार की है और उसे आतंकवादी करार देते हुए कहा कि वह हमास में एक आतंकवादी सेल के प्रमुख के रूप में काम कर चुका था।

मौत से पहले बमबारी की रिपोर्टिंग : 28 वर्षीय अल-शरीफ अपनी मौत से कुछ क्षण पहले ही गाजा शहर पर हो रहे तीव्र इजरायली बमबारी की रिपोर्टिंग करते हुए

दिखाई दिए। सोशल मीडिया एक्स पर शरीफ ने इस हमले की रिपोर्टिंग करते हुए एक पोस्ट जारी किया था। अल जजीरा की रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह पोस्ट उनके एक मित्र द्वारा पोस्ट की गई है, जो उनके अकाउंट से उनकी मौत की सूचना मिलने के बाद प्रकाशित की गई है। अल-शरीफ के पोस्ट में लिखा गया है, अगर मेरे ये शब्द आप तक पहुंचें तो जान लें कि इजरायल मुझे मारने और मेरी आवाज को दबाने में सफल हो गया है। अल-शरीफ के आखिरी वीडियो के बैकग्राउंड में इजरायल के भीषण बमबारी की तेज आवाज सुनी जा सकती है, जबकि अंधेरा आकाश नारंगी रोशनी की चमक से जगमगा रहा है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि अल-शरीफ को गाजा युद्ध की धारदार रिपोर्टिंग करने के कारण निशाना बनाया गया है और इजरायल के पास उसके आतंकी होने के कोई सबूत नहीं है। अल जज़ीरा ने अल शरीफ़ को गाज़ा के सबसे बहादुर पत्रकारों में से एक बताते हुए कहा कि यह हमला गाज़ा पर कब्ज़े की आशंका में उठ रही आवाज़ों को दबाने की एक हताश कोशिश है। पत्रकार समूहों और अल जज़ीरा ने हत्याओं की निंदा की। दूसरी तरफ, इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि अल शरीफ़ हमास सेल का प्रमुख था और इजरायली नागरिकों और आईडीएफ (इज़रायली) सैनिकों पर रॉकेट हमलों को बढ़ावा देने के लिए ज़िम्मेदार था।

रूस से तेल खरीदने के चलते चीन पर भी टैरिफ लगा सकते हैं ट्रंप: उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर भारी-भरकम टैरिफ लगा दिया है। अब ट्रंप, चीन पर भी रूस से तेल खरीदने के लिए टैरिफ लगाने पर विचार कर रहे हैं। ये कहना है अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का। एक इंटरव्यू में जेडी वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप, चीन पर टैरिफ लगाने पर विचार कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कुछ भी तय नहीं है।

चीन की अमेरिका को दो टूक

सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में चीन का रूसी तेल आयात बढ़कर 10 अरब डॉलर से ज्यादा हो गया, जो मार्च के बाद से अब तक का सबसे ज्यादा मासिक तेल आयात है। हालांकि, इस साल चीन का रूस से कुल

आयात 2024 की तुलना में 7.7 प्रतिशत कम रहा। वहीं अमेरिका की टैरिफ धमकियों के बीच चीन ने रूस के साथ अपने ऊर्जा व्यापार का बचाव किया। चीनी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में दो टूक कहा, रूस सहित दुनिया भर के सभी देशों के साथ सामान्य आर्थिक, व्यापारिक और ऊर्जा सहयोग करना चीन के लिए कानूनी तौर पर वैध है। हम अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार तेल खरीद करते रहेंगे।

अमेरिका ने भारत पर टैरिफ लगाया

पिछले हफ्ते ट्रंप ने रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया। इस तरह भारत पर अमेरिका का कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। अतिरिक्त टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। भारत ने भी अमेरिका के टैरिफ पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है और इसे अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत का ऊर्जा आयात बाज़ार के कारकों और हमारी ऊर्जा जरूरतों से प्रेरित है और इसका उद्देश्य अपनी 1.4 अरब आबादी के लिए ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

वेंस बोले- चीन पर टैरिफ लगाना अभी तय नहीं

इंटरव्यू के दौरान एंकर ने वेंस से पूछा कि अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर भारी-भरकम टैरिफ लगाए हैं तो क्या अमेरिका, चीन के खिलाफ भी ऐसी कोई कार्रवाई कर सकता है? इस पर वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप इस पर विचार कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्होंने इस पर कोई फैसला नहीं किया है। चीन का मुद्दा थोड़ा जटिल है क्योंकि चीन से हमारे रिश्ते ही कुछ ऐसे हैं। रूस की स्थिति को छोड़ दें तो भी चीन पर टैरिफ लगाने से कई अन्य चीजें भी बिगड़ सकती हैं। इसलिए राष्ट्रपति ट्रंप फिलहाल इस पर विचार कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है।

तुर्की में 6.1 तीव्रता के साथ हिली धरती, भूकंप के बाद कई आफ्टरशॉक्स भी, कई इमारतें ढहीं

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्की के उत्तर-पश्चिमी प्रांत बालिकेसिर में रविवार रात को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे करीब एक दर्जन इमारतें ढह गईं। भूकंप के बाद कई आफ्टरशॉक्स भी महसूस किए गए। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप की वजह से मलबे में कम से कम दो लोग फंसे हुए हैं। भूकंप का केंद्र कस्बा सिंदिरगी था और इसके झटके लगभग 200 किलोमीटर दूर इस्तांबुल तक महसूस किए गए, जहां की आबादी 1.6 करोड़ से अधिक है। सिंदिरगी के महापौर सेरकन साक ने बताया कि भूकंप के कारण कस्बे में कई इमारतें गिर गई हैं। बचाव दल ने चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है, जबकि दो अन्य को मलबे से निकालने का प्रयास जारी है। पास के गोलकुक गांव में भी कई घर ध्वस्त हो गए और एक मस्जिद की मीनार गिर गई।

कई आफ्टरशॉक्स भी

तुर्की की आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि भूकंप के बाद कई आफ्टरशॉक्स भी महसूस

किए गए, जिनमें एक की तीव्रता 4.6 थी। एजेंसी ने लोगों से क्षतिग्रस्त भवनों से दूर रहने की चेतावनी दी है।

दो साल पहले भूकंप ने ले ली थी हजारों की जान : तुर्की भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र है और यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। वर्ष 2023 में तुर्की में आए 7.8 तीव्रता वाले विनाशकारी भूकंप में 53,000 से अधिक लोग मारे गए थे, जिससे देश को भारी नुकसान हुआ था।

स्टाइलिश साड़ी टिप्स

सदियों से ही भारतीय नारी का पारंपरिक परिधान साड़ी ही रहा है। ढेर सारे प्रयोगों के बाद भी साड़ी वही है, बदला है तो केवल उसका स्टाइल।

नित नए फैशनेबल स्टाइल साड़ी में आ रहे हैं। ऐसे में बहुत महँगी साड़ी न खरीदते हुए भी आप थोड़ी-सी सूझबूझ से कम कीमत में अपनी साड़ियों को घर पर ही सजा कर आप न्यू लुक दे सकती हैं। जो आपकी साड़ियों में चार चाँद लगा सकते हैं।

आइए देखें क्या हैं टिप्स...

- प्लेन साड़ी में प्लेट्स (पटली) और पल्लू पर बड़े सितारे लगाएँ बाकी साड़ी को प्लेन ही रहने दें।
- आजकल कई तरह का साड़ी वर्क फैशन में हैं। आप भी अपनी साड़ी को मनचाहा ट्रेस देकर उसमें सितारे, कुंदन, मिरर, पाइप नाका टाँकी आदि वर्क करें।
- अपनी साड़ी की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए प्रिटेंड साड़ी में चिपकने वाले सितारों का उपयोग करें।
- अपनी साड़ी में बंधेज वर्क करके आप उसे एक अनोखा रूप दे सकती हैं।
- नेट की साड़ी आजकल बहुत प्रचलन में हैं, नेट पर मनचाही डिजाइन में वर्क करके उसे न्यू इफेक्ट दें।
- व्हाइट और ब्लैक ऐसे कलर हैं, जिस पर कोई भी वर्क करके आप पार्टी की शान बन सकती हैं।
- बॉर्डर और पल्लू को जरदौजी वर्क से डेकोरेट करें। बॉर्डर को लहरदार भी बना सकती हैं।
- किसी भी इवनिंग पार्टी के लिए साड़ी में मोती का वर्क करें, जो आपकी साड़ी को सोबर लुक देगा।
- प्लेन जॉर्जेट की साड़ी पर सॉटन के फूलों का वर्क करें, जो बहुत ही शानदार लगेगा।
- कॉटन की साड़ी पर पेंचवर्क साड़ी की शोभा दुगुनी कर देगा।
- अपनी साड़ी आकर्षक बनाने के लिए उस पर कढ़ाई करें। जैसे काथा वर्क, नॉटस्टिच, सिंधी कढ़ाई, लेजी-डेजी आदि कढ़ाई से साड़ी बहुत लुभावनी लगेगी।
- अपनी साड़ी में एम्ब्रॉयडरी करवाकर आप उसे स्पेशल बना सकती हैं।
- आजकल विभिन्न प्रकार की लेस चलन में है। अपनी किसी साड़ी में लेस लगाकर आप उसे हैवी बना सकती हैं।
- साड़ी में फेब्रिक पेंटिंग करके आप उसे न्यू लुक दे सकती हैं।
- सॉटन या अन्य किसी प्रिंटेड कपड़े की लेसनुमा बॉर्डर भी आप अपनी साड़ी में लगा सकती हैं।
- फेब्रिक कलर ट्यूब, जो आजकल हर कलर में उपलब्ध हैं, से आप साड़ी पर कम समय और कम लागत में वर्क करके साड़ी को पार्टी वियर बना सकती हैं।

साड़ी पहनने के अलग-अलग स्टाइल

ऐसा जरूरी नहीं कि आप जिस स्टाइल की साड़ी पहनती हैं, उसे ही हमेशा पहनें। साड़ी को पहनने के भी कई तरीके हैं।

आप अपनी हाइट, हेल्थ और मौके के अनुसार उसे चुन सकती हैं, जैसे : फ्री पल्लू साड़ी, पिनअप साड़ी, उल्टा पल्लू, सीधा पल्लू, लहँगा स्टाइल साड़ी, मुमताज स्टाइल साड़ी, बंगाली साड़ी, साड़ी आदि स्टाइलों की साड़ियों को आप अपनी पसंद से चेंज करके पहन सकती हैं।

बच्चे के मुँह में जब हो अँगूठा

बच्चों का अँगूठा चूसना एक सामान्य क्रिया है, लेकिन छह माह की उम्र के बाद भी बच्चा अँगूठा चूसना नहीं छोड़ता है, तो यह इस बात का सूचक है कि बच्चे के माँ-बाप बच्चे के प्रति लपरवाह हैं।

यह आदत बच्चों में तब पड़ती है, जब वह अपने को अकेला, असहाय, असुरक्षित महसूस करता है। अधिकतर माता-पिता इस आदत को बहुत सामान्य तरीके से लेते हैं। क्या आप जानते हैं आपके बच्चे की अँगूठा चूसने की आदत के क्या नुकसान है?

अँगूठा चूसने के नुकसान :

- हमेशा तो बच्चे को साफ-सुथरा रखना संभव नहीं होता, ऐसे में यदि वे अपना अँगूठा या हाथ मुँह में लेते हैं, तो हाथ के साथ गंदगी, धूल व कीटाणु भी बच्चे के मुँह में चले जाते हैं।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की भूख मर जाती है, वे दूध की या भोजन की माँग नहीं करते, फलस्वरूप उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।
- अँगूठा चूसने का प्रभाव बच्चे के मस्तिष्क पर भी पड़ता है, वे अँगूठा चूसने में मस्त रहते हैं और मंद बुद्धि की ओर अग्रसर होते हैं।
- अँगूठा चूसने से बच्चे के दाँत बाहर की ओर निकल आते हैं, होठ मोटे होकर लटक जाते हैं, मुँह खुला रखने की आदत पड़ जाती है।
- एक ही हाथ का अँगूठा चूसने के कारण वह अँगूठा पतला हो जाता है, इसका असर बच्चे के शिक्षण पर भी पड़ सकता है, यदि वह उसी हाथ से लिखना शुरू करें।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की जीभ बाहर की ओर निकली रहती है, इससे वे बोलने में तुतलाते हैं।
- ऐसे बच्चे आलसी व कमजोर हो जाते हैं, बड़े होते-होते हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं।

कॉफी को जायकेदार बनाएँ

- कॉफी को सदैव हवाबंद बॉटल में भरकर रखें। हवा लगने से कॉफी में गुठले पड़ जाते हैं और स्वाद भी खराब हो जाता है।
- कॉफी का स्वाद बढ़ाने के लिए उसमें अदरक और छोटी इलायची डालें।
- एस्प्रेसो कॉफी का आनंद प्राप्त करने के लिए एक कप में कॉफी में प्रयोग होने वाली कुल चीनी और कॉफी लें और दो चम्मच दूध डालकर चम्मच से खूब फेंटें जब कॉफी का रंग बिलकुल सफेद हो जाए तब इसे दूध में डालकर एक उबाल दें, थोड़ी ऊँचाई से कप में धार बनाकर डालें। आपको एस्प्रेसो कॉफी का आनंद मिलेगा।
- कॉफी को सदैव शीशी में रखें, खुली रखने से कॉफी की खुशबू उड़ जाती है।
- विविध जायकेदार कॉफी बनाने के लिए उसमें दालचीनी, लौंग, चॉकलेट के टुकड़े व नींबू के छिलके डालें।

कमरा सजाएँ फूलों से

फूलों से सजाएँ अपनी दुनिया

अपने घर या ऑफिस को प्रभावी बनाना चाहती हैं और ये भी चाहती हैं कि सजावट जीवंत होकर आपके भाव खुद ही बयाँ करे। प्रकृति से जुड़ा आपका मन विभिन्न रंगों की कल्पना करता है तो फूलों से बेहतर क्या हो सकता है? फूलों के बारे में सोचकर आधा काम तो आपने कर लिया। अब बारी है यह देखने की कि आगे कैसे क्या करें।

- यदि आप कमरे की व्यवस्था में लंबी सजावट का प्रयोग कर रहीं हैं तो कुछ लंबे फूलों का प्रयोग करें। लंबे फूलों से अर्थ है कि जिनमें ऊपर की ओर कलियाँ होती हैं तथा नीचे की ओर फूल लगे होते हैं जैसे रजनीगंधा, ग्लेडुलाई, डेलफिनियम तथा ट्यूबरोजेस आदि।
- फूलों के गुच्छे आपकी सजावट में समृद्धि लाते हैं इसलिए यदि आप रिच लुक देना चाहती हैं तो ये बहुत अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ये गुच्छे एक ही फूलों के या विभिन्न फूलों के हो सकते हैं। इन फूलों में गुलाब, कार्नेशन, झरबेरी, लिली, जिनिस तथा सेवंती को अपनी पसंद के अनुसार चुन सकती हैं। जहाँ कुछ खाली-खाली लग रहा हो वहाँ कुछ सहायक फूलों तथा पत्तियों के प्रयोग से जान डाल सकती हैं। जैसे फर्न, एस्टर तथा कुछ अन्य प्रकार की डालियाँ।
- चुने गए फूलों के अनुसार आप सजावट कर सकती हैं जैसे एक लंबे पतले वॉस में एक गुलाब की कली को सजाकर रख सकती हैं या चौड़े पॉट में बहुत से फूलों को बाँधकर रखें। इसे टेबल के सेंटरपीस की तरह प्रयोग करें। चाहें तो फूलों को पारंपरिक रुप से सजाएँ या इकेबाना का रुप दें लेकिन यदि आपका मन कह रहा है कि इस रंग के फूल के साथ यही फूल अच्छा लगेगा तो सज्जा के नियमों को अलग रखकर अपने मन की बात मानें।
- प्रकृति के इन अनुपम उपहारों को आप अलग-अलग थीम देकर भी सजा सकती हैं और इनके साथ विभिन्न सजावट की वस्तुओं का प्रयोग भी कर सकती हैं।

रिबन सैंडविच

सामग्री : 6 सफेद ब्रेड के स्लाइसेस, 6 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस, मक्खन 3 टेबल स्पून, उबले आलू 2, पीला रंग 5 बूँदें, नमक, कालीमिर्च पावडर स्वादानुसार, हरी चटनी पाव कप, टमाटर सॉस पाव कप।

सामग्री कवर के लिए : बेसन एक कप, नमक पाव टी स्पून, सोडा चुटकी भर, मोयन के लिए गरम तेल एक टी स्पून, तेल तलने के लिए।

विधि : ब्रेड के स्लाइसेस पर मक्खन लगा लें। उबले हुए आलू कसकर उसमें पीला रंग, नमक, कालीमिर्च मिला लें। फिर 2 सफेद और 2 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस लें। एक सफेद ब्रेड स्लाइस पर हरी चटनी लगाकर उस पर ब्राउन ब्रेड रखें।

उसके ऊपर टमाटर सॉस लगाकर ऊपर सफेद ब्रेड का स्लाइस रखें। अंत में सफेद ब्रेड पर आलू के पीले मिश्रण की पतली परत रखकर उसके ऊपर ब्राउन ब्रेड का स्लाइस रखें। सैंडविच अच्छी तरह से दबाएँ और तेज छुरी से उसे तीन हिस्सों में काटिए (आप चाहें तो सैंडविच ऐसे भी परोस सकते हैं।) अब बेसन में नमक, सोडा और गरम तेल का मोयन डालकर पकौड़े के मिश्रण जैसा बनाएँ।

इस मिश्रण में तैयार सैंडविच डुबोकर गरम तेल में तलकर गरमा-गरम परोसिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 4083

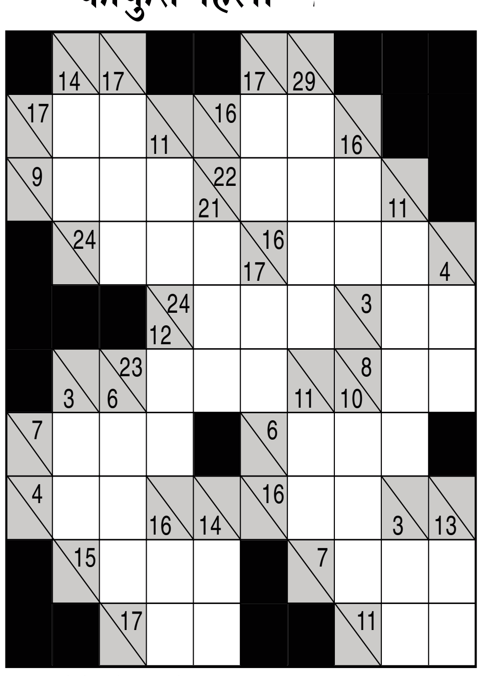

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

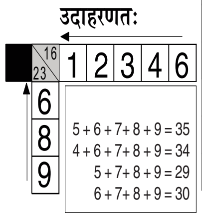

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो -4082 का हल

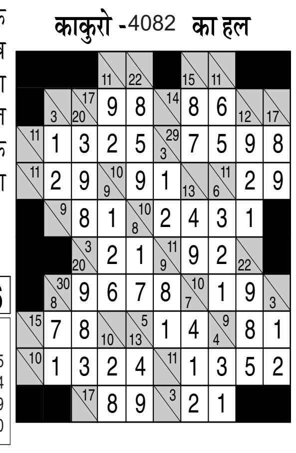

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा-'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी-'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा-'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, परेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया-'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी-'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा-'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली -4083

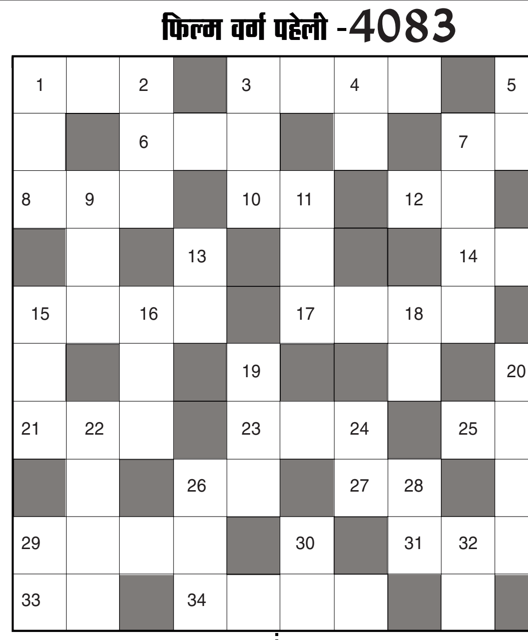

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4082

अं	जा	म		जै		बा	द	शा	ह
गा		न	म	की	न		म		म
रे	खा		हा		गी	त		ही	रा
	मो	ह	रा		ना	रा	ज		ज
	शी		जा	नू		जू		फ	
स		गो		त	ब्बू		दो	रा	स्ते
ती	स	रा	कौ	न		बा		र	
श			न		जं	जी	र		घा
शा	र	दा		जं	ग		क्ष	त्रि	य
ह		सी	मा		ल		क		ल

सूडोकु -4083

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4082 हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली -4083

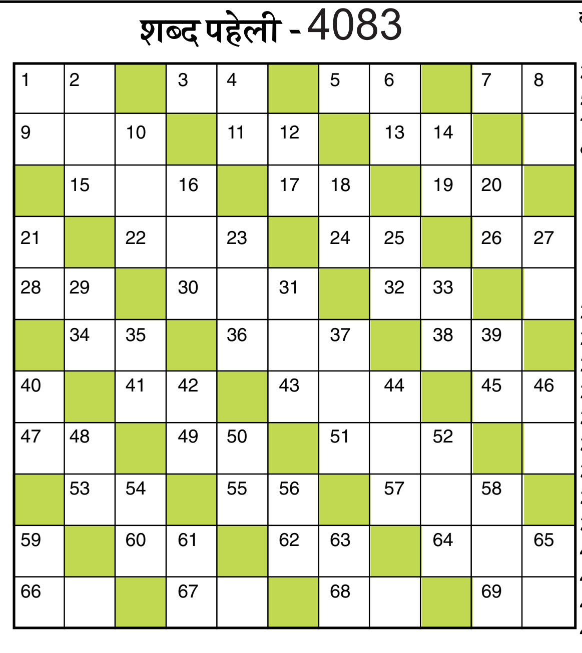

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी-2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -4082 का हल

	य	ती	म	खा	ना		म	हा	वी	र
क	क्ष		हा		ना	ह	क		र	म
हा		ना	न	सें	स		र	मा		जा
नी	र	व	ता		सु	र		न	म	न
का		खे		अ	र	क्त			सी	
र	वा	ना	हो	ना		पा	ल	न	हा	र
	ह			चा	ह	त		का		च
का	न	न		र	म		ब	र	सा	ना
म		र	ज		स	का	र	ना		का
धा	र		खि	ला	फ		स		भो	र
म	स	ख	रा		र	म	ता	जो	गी	

खजूरी खास में मिला युवक का शव

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के खजूरी खास इलाके में सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक को सड़क पर घायल अवस्था में पड़ा देखा गया। घटना गली नंबर 26, सी-ब्लॉक की है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में मृतक की पहचान खजूरी खास निवासी राजी अहमद (33) के रूप में हुई है। फिलहाल खजूरी खास थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार सुबह करीब 6:21 बजे थाना खजूरी खास में सूचना मिली कि गली नंबर 26 में एक व्यक्ति पड़ा है। सूचना मिलते ही थाना पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वहां एक युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला। पुलिस ने तुरंत क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को मौके पर बुलाया और घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू की। मौके से अहम सबूत जुटाए गए। वहीं घायल युवक को जीटीबी अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस अधिकारी के अनुसार स्थानीय पुलिस के अलावा जिले की अन्य यूनिट घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने और चश्मदीदों से पूछताछ कर रहा है।

यूपी के श्रावस्ती जिले में सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच की मौत

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के हरबंसपुर के पास मिक्सचर मशीन से जुड़े ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों की पहचान के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक जताया है पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने बताया कि हरबंसपुर गांव के पास मिक्सचर मशीन से जुड़े ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक पर सवार एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई और एक बच्ची ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। एक महिला इस हादसे में घायल हुई है। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान बहराइच के रिसिया क्षेत्र के मंगलपुरवा गांव का रहने वाला विजय कुमार वर्मा (32), बहन मंगलवती (40) भांजी नीतू, ज्ञानवती और विजय की एक साल की बेटी मधु के रूप में हुई है। पत्नी सुनीता की हालत गंभीर है। घटना की जानकारी मिलने पर डीएम और एसपी ने हॉस्पिटल पहुंचकर घायल महिला का हाल जाना और स्थिति का जायजा लिया।

'ऑल इंडिया स्पीकर्स कांफ्रेंस' का 24 को गृहमंत्री अमित शाह करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि 24 एवं 25 अगस्त को विधानसभा के ऐतिहासिक भवन में 'ऑल इंडिया स्पीकर्स कांफ्रेंस' का आयोजन होगा। स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह करेंगे और समापन सत्र की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे। विशेष स्मारक डाक टिकट का लोकार्पण केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि यह कार्यक्रम देश के पहले निर्वाचित केंद्रीय विधानसभा अध्यक्ष विट्ठलभाई पटेल की अध्यक्षता के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर उनके जीवन, संसदीय योगदान और स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका पर आधारित विशेष प्रदर्शनी, विशेष डॉक्यूमेंट्री और स्मारक डाक टिकट का लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस के मुख्य वक्ता राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट और दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह होंगे।

असीम मुनीर की परमाणु धमकी को कांग्रेस ने बताया निंदनीय

नई दिल्ली। अमेरिका की धरती से पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर द्वारा भारत को परमाणु हमले की धमकी देने की कांग्रेस ने निंदा की है। कांग्रेस महासिचव जयराम रमेश ने मुनीर की इस धमकी को भड़काऊ और अस्वीकार्य बताया। उन्होंने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि अमेरिकी प्रशासन एक ऐसे व्यक्ति को इतना विशेष सम्मान दे रहा है, जिसकी बयानबाजी अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि फील्ड मार्शल मुनीर की 16 अप्रैल को की गई सांप्रदायिक और भड़काऊ टिप्पणियों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले को उकसाने में भूमिका निभाई। इसके बावजूद 18 जून को उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा व्हाइट हाउस में लंच मीटिंग के लिए आमंत्रित किया गया। इतना ही नहीं, 8 अगस्त को वे फ्लोरिडा के टाम्पा में अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला के विदाई समारोह में भी शामिल हुए, जिनकी ओर से अतीत में पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ अभियानों में 'अभूतपूर्व सहयोगी' बताया गया था।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने किया 'राष्ट्रोत्थान' ग्रंथ का विमोचन

एजेंसी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने आज पाथेय भवन में 'राष्ट्रोत्थान' ग्रंथ का विमोचन किया। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष में समाज परिवर्तन के लिए प्रस्तुत पंच सूत्रों की चर्चा करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य और स्व जागरण से ही राष्ट्रोत्थान संभव है। उन्होंने कहा कि मां भारती का परम वैभव ही हम सभी का ध्येय होना चाहिए। उन्होंने देश के सर्वांगीण विकास और वैभव के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। बागडे ने पाथेय भवन में पाथेय कण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रोत्थान' ग्रंथ के प्रकाशन को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृति हमारे जीवन जीने का ढंग है।

निरंतर होने वाले परिवर्तनों को स्वीकार करते हुए जीवन में आगे बढ़ना ही संस्कृति है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद को केन्द्र में रखकर कार्य करने की भी आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि 'व्यष्टि नहीं समष्टि' के अंतर्गत सभी सामाजिक समरसता और भेदभाव से ऊपर उठकर कार्य करें। उन्होंने आजादी आंदोलन से लेकर विभिन्न अवसरों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महत्वपूर्ण अवदान की चर्चा करते हुए संघ की 'राष्ट्र प्रथम की सोच से सबको जुड़ने पर जोर दिया। इससे पहले राजस्थान के क्षेत्र संघ चालक डॉ. रमेश चंद्र अग्रवाल ने संघ के शताब्दी वर्ष पर प्रकाशित 'राष्ट्रोत्थान' ग्रन्थ और पंच संकल्प सूत्रों की विस्तार से विवेचना की। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर देश भर में किए जाने वाले आयोजनों और आम जन को राष्ट्रोत्थान से जोड़े जाने का आह्वान किया।

बच्चों ने नदियों पर दी ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियां : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता वसंत विहार स्थित मॉडर्न स्कूल के ऑडिटोरियम में आयोजित '50वां ईयर सेलिब्रेशन ऑन रिवर लाइफलाइन्स ऑफ सिवलिजेशन' कार्यक्रम शामिल हुई। उन्होंने यहां विद्यार्थियों के साथ नदियों और प्रकृति के महत्व पर अपने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में बच्चों ने भारत की नदियों पर अद्भुत और ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें हमारी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आर्थिक जीवन में नदियों की अमूल्य भूमिका को बेहद सुंदर तरीके से दर्शाया गया।

उन्होंने कहा कि यह देख कर गर्व होता है कि हमारे बच्चे आज इतने जागरूक हो रहे हैं, तभी तो वे इतनी सूचनाप्रद और सारगर्भित प्रस्तुतियां दे पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार यमुना नदी और दिल्ली को स्वच्छ, हरित और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। आने वाले समय में बच्चों को एक स्वच्छ और सुंदर दिल्ली देना हमारा कर्तव्य है और इस दिशा में हर संभव प्रयास कर रहे हैं। यह जानकारी मुख्यमंत्री ने अपने एक्स अकाउंट पर साझा की।

राज्य सरकार अन्नदाता को बना रही ऊर्जादाता - सीएम भजनलाल शर्मा

एजेंसी

झुंझुनूं। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ और किसान भारत की आत्मा है। हमारी डबल इंजन की सरकार राजस्थान में किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा कृषि का रोड़ मैप बनाते हुए वैज्ञानिक पद्धति को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने राजस्थान सरकार द्वारा कृषक हित में किए जा रहे अभूतपूर्व कार्यों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ब्याज मुक्त ऋण, पीएम किसान सम्मान निधि में वृद्धि, किसानों को दिन में बिजली जैसी सौगातों से किसानों को राहत मिली है। चौहान झुंझुनूं में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल बीमा क्लेम भुगतान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झुंझुनूं वीरों की भूमि है तथा देश की सुरक्षा करते हुए यहां के सैंकड़ों जवानों ने बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम के कायराना हमले के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी भारतीय सेनाओं ने आतंकवादियों के आकाओं के अड्डे नष्ट कर दिये और उन्हें खंडहर में परिवर्तित कर दिया। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा

कि किसान दिन-रात मेहनत करते हैं, परन्तु बाढ़, सूखा, पाले जैसी प्राकृतिक आपदाओं से उनकी फसलें नष्ट हो जाती है। उन्होंने कहा कि पूर्व में फसल खराबा होने पर गांव अथवा व्यक्तिगत किसान को मुआवजा नहीं मिल पाता था। लेकिन अब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत एक किसान को भी अपनी फसल के मुआवजे की पूरी राशि सीधे उसके खाते में मिलती है। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैभवशाली, गौरवशाली, समृद्ध और विकसित भारत का निर्माण हो रहा है। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है तथा तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश में वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं, ताकि किसानों की आमदनी बढ़े। यूरिया, डीएपी, खाद, बीज सहित सभी कृषिगत संसाधनों पर केन्द्र सरकार द्वारा अनुदान दिया जा रहा है। फसलों की लागत में 50 प्रतिशत मुनाफा जोड़कर एमएसपी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा नकली बीज, नकली खाद तथा नकली पेस्टिसाइड के खिलाफ नया कानून भी बनाया जाएगा। साथ ही, विकसित कृषि संकल्प अभियान भी चलाया जाएगा, जिसके तहत वैज्ञानिकों द्वारा गांवों में जाकर किसानों को बीज, खाद तथा उर्वरकों संबंधित जानकारी दी जाएगी। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की आमजन को शपथ दिलाई।

नशाखोरी को रोकने के लिए विहिप चलाएगी नशा मुक्ति अभियान : मिलिंद परांडे

एजेंसी

लखनऊ। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने लखनऊ में कहा कि युवाओं में बढ़ रही नशाखोरी को रोकने के लिए विहिप नशा मुक्ति अभियान चलाएगी। नशाखोरी पर चिंता जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि युवा वर्ग नशे की दिशा में बढ़ता जा रहा है। इसमें विशेष रूप से समाज को जागृत होकर युवाओं को नशा मुक्ति के लिए प्रेरित करना होगा। मिलिंद परांडे ने लखनऊ के एक होटल में बौद्ध, सिख, जैन एवं समाज के विभिन्न वर्गों के साथ बैठक कर सीधा संवाद किया। उन्होंने अपने संवाद में कहा कि आज परिवारों का विघटन होता जा रहा है। नई पीढ़ी के परिवारों में पारिवारिक कलह बढ़ती जा रही है। यह बहुत ही चिंता का विषय है। इसको लेकर समाज में आ रही कमियों को लेकर परिवार के बीच समन्वय की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि 2023 में देश की 13 लाख महिलाएं लापता हुईं। इनमें से एक बड़ा वर्ग लव जिहाद का शिकार हुआ है। केरल की हजारों लड़कियां लव जिहाद का शिकार हुईं। इस असंतुलन के पीछे कई अराजक तत्व योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रहे हैं, जिनमें विशेष रूप से धार्मिक मतांतरण, लव जिहाद, बांग्लादेश और म्यांमार से हो रही मुस्लिम घुसपैठ और हिन्दू समाज में घटती जन्मदर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सुनियोजित रूप से आर्थिक प्रलोभन, छल कपट या दबाव के माध्यम से मुसलमानों एवं ईसाई मिशनरियों के धर्मांतरण ने कई क्षेत्रों में स्थानीय हिन्दू जनसंख्या को कम किया है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय संगठन महामंत्री परांडे ने कहा कि एक सुनियोजित रणनीति के तहत मुस्लिमों के एक वर्ग द्वारा हिन्दू युवतियों को फंसाकर उनका मतांतरण कराया जा रहा है, जो केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि सांस्कृतिक हमला है। सीमावर्ती राज्यों जैसे असम, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और अब दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में रोहिंग्या मुस्लिम घुसपैठियों की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि शिक्षा और आर्थिक दृष्टिकोण से जागरूक हिन्दू समाज में परिवार सीमित रखने की प्रवृत्ति है परंतु बाकी वर्गों में इसपर कोई नियंत्रण नहीं है, जिससे असंतुलन और तेज होता जा रहा है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की रिपोर्ट ने भारत में जनसंख्या वितरण की गहराई से समीक्षा प्रस्तुत की है। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ वर्गों में जन्मदर जहां स्थिर या बढ़ती हुई है, वहीं हिन्दू समाज में यह दर घट रही है। भारत के स्थायित्व, संस्कृति और एकता की रक्षा की आवश्यकता है। सभी राष्ट्रप्रेमी नागरिकों, संतों, सामाजिक संगठनों और बुद्धिजीवियों से अपील है कि वे इन विषयों पर जनजागरण में सहभागी बनें। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह, प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप, प्रान्त मंत्री देवेन्द्र, प्रान्त समरसता प्रमुख धर्मेन्द्र कुशवाहा और प्रान्त प्रचार प्रमुख नृपेंद्र विक्रम सिंह समेत विहिप एवं बजरंग दल लखनऊ विभाग एवं जिले के प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हर विधानसभा का बनेगा डैशबोर्ड, जनता तक पहुंचेगी विधायक की आवाज : सतीश महाना

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र आज से शुरू हो रहा है, जो कई मायनों में खास रहेगा। इस बार विधानसभा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक से लैस होगी। इसके लिए विधायकों का विशेष प्रशिक्षण कराया गया है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बताया कि यूपी की हर विधानसभा का अपना डैशबोर्ड तैयार किया जाएगा, जो जनता के लिए सूचनाओं का बड़ा बैंक होगा। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने आईएएनएस विशेष बातचीत में कहा, एआई तकनीक को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। पहले चरण में प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है। अगले चरण में विधानसभा से संबंधित सभी डेटा

एकत्र कर, प्रत्येक विधानसभा के अनुसार डैशबोर्ड बनाया जाएगा। इसमें विभागीय सूचनाओं से लेकर जनता से जुड़ी जानकारियां शामिल होंगी। समाज के हर वर्ग की स्थिति का आकलन भी इसमें होगा। अभी यह शुरुआत है, आगे इसका बहुत व्यापक रूप सामने आएगा। उन्होंने कहा कि एआई-आधारित डैशबोर्ड में विभिन्न विषयों का डेटा होगा। अगले सत्र से सदन में एआई कैमरा लगेगा, जिससे विधायक की उपस्थिति और उनके भाषण के बारे में पता चलेगा। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि यूपी विधानसभा जल्द ही अपना पॉडकास्ट भी शुरू करेगी, जिसकी तैयारी चल रही है। महाना ने बताया कि जो विधायक इसमें रुचि रखेंगे, उनके साथ साक्षात्कार किया जाएगा और यह सामग्री उनके क्षेत्र की जनता तक पहुंचाई जाएगी। 'विजन 2047' पर 24 घंटे के विशेष चर्चा सत्र कार्यक्रम की जानकारी देते हुए महाना ने बताया कि 11 और 12 अगस्त को विधानसभा की कार्यवाही चलेगी, जबकि 13 अगस्त को '2047 में यूपी का विजन डॉक्यूमेंट कैसा हो' विषय पर 24 घंटे से अधिक समय तक विशेष चर्चा होगी। इसमें सदस्यों के सुझाव भी शामिल किए जाएंगे, ताकि यूपी का एक सशक्त रोडमैप तैयार हो सके। विधानसभा अध्यक्ष महाना ने बताया कि इस सत्र में विधायकों को चिप वाले पास दिए जाएंगे, जिससे उन्हें अधिक सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सदन की कार्य संस्कृति में बड़ा बदलाव आया है।

ग्रेटर नोएडा में उ.प्र. इंडस्ट्रियल ट्रेड शो के तृतीय संस्करण का आयोजन 25 सितंबर से

एजेंसी

मुरादाबाद। प्रदेश सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने और उद्यमियों को एक मंच प्रदान करने के लिए 25 से 29 सितंबर के मध्य इंडिया एक्सपोजीशन मार्ट लिमिटेड ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश इंडस्ट्रियल ट्रेड शो के तृतीय संस्करण का आयोजन करेगी।मुरादाबाद मंडल के संयुक्त उद्योग आयुक्त योगेश कुमार ने बताया कि इंडस्ट्रियल ट्रेड शो में प्रदेश में निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहित करने तथा विदेशी बाजार में उनकी सुदृढ़ पहचान स्थापित करने के लिए भव्य प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसके साथ ही कॉन्फ्रेंस, नॉलेज सेशन, फैशन शो और लगभग 500 सेक्टर स्पेसिफिक ओवरसीज बायर्स के विजिट की व्यवस्था विभिन्न निर्यातक संवर्धन परिषद के सहयोग से की गई है। उन्होंने बताया कि पूर्व संस्करण की भांति प्रदेश के नवोदित व नियमित निर्यातकों को उनके उत्पादों के समुचित प्रदर्शन, प्रचार प्रसार, मार्केटिंग, नेटवर्किंग और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए समान अवसर उपलब्ध कराए जाने का निर्णय भी प्रदेश सरकार ने लिया है। उन्होंने बताया कि नवोदित निर्यातकों की श्रेणी में ऐसे निर्यातक सम्मिलित किए गए हैं जिन्होंने वर्ष 2020-21 अथवा उसके बाद निर्यात करना प्रारंभ किया है। नवोदित निर्यातकों के लिए 09 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के कुल 325 स्टॉल स्थापित किया गए हैं। प्रत्येक निर्यातक इकाई एक स्टॉल आरक्षित कर सकती है जिसके लिए 15000 का सब्सिडाइज्ड शुल्क निर्धारित किया गया है। इस श्रेणी में उत्तर प्रदेश निर्यात संवर्धन परिषद के माध्यम से निर्यातकों को प्रतिभाग कराया जाएगा।

ईसीआई के आदेश को मानने से बंगाल सरकार ने किया इनकार, चार चुनाव अधिकारियों के निलंबन पर टकराव

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि वह फिलहाल चुनाव आयोग (ईसीआई) के उस आदेश का पालन नहीं करेगी, जिसमें राज्य के दो विधानसभा क्षेत्रों में तैनात चार चुनाव अधिकारियों को निलंबित करने के निर्देश दिए गए थे। इन अधिकारियों पर मतदाता सूची में गलत तरीके से नाम जोड़ने का आरोप है।

चुनाव आयोग ने आठ अगस्त को राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत को पत्र भेजकर निलंबन आदेश के अनुपालन की रिपोर्ट सोमवार तक भेजने को कहा था, लेकिन मुख्य सचिव ने आयोग को सूचित किया कि राज्य सरकार ने अभी तक किसी तरह की अनुशासनात्मक कार्रवाई का आदेश नहीं दिया है। मुख्य सचिव ने अपने पत्र में लिखा कि मामले की आंतरिक जांच और प्रक्रियाओं की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जिला और फील्ड स्तर के अधिकारियों पर कई तरह की जिम्मेदारियां होती हैं, जिनमें समयबद्ध चुनाव कार्य भी शामिल हैं। कई बार वे कुछ कार्य अधीनस्थ कर्मचारियों को अच्छे विश्वास में सौंप देते हैं। पंत ने यह भी कहा कि जिन अधिकारियों ने हमेशा ईमानदारी और दक्षता दिखाई है,

उनके खिलाफ बिना विस्तृत जांच के कार्रवाई करना अनुचित और कठोर कदम होगा। इससे न केवल संबंधित अधिकारियों का मनोबल गिरेगा बल्कि चुनावी और प्रशासनिक कार्यों में लगे पूरे दल पर नकारात्मक असर पड़ेगा। फिलहाल इन चार अधिकारियों को चुनावी कार्यों और मतदाता सूची पुनरीक्षण से हटा दिया गया है और जांच पूरी होने के बाद ही आगे की रिपोर्ट भेजी जाएगी। यह विवाद शुरू से ही गरमा गया था, जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आयोग के आदेश को चुनौती देते हुए कहा था कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करेगी। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल के कार्यालय ने पहले दो निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ), दो सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) और एक डाटा एंट्री ऑपरेटर के खिलाफ जांच की थी। शिकायतों में आरोप था कि इन अधिकारियों ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया में लापरवाही बरती और चुनावी डाटा सुरक्षा नीति का उल्लंघन करते हुए अपने लॉगिन पासवर्ड अनधिकृत व्यक्तियों के साथ साझा किए। जांच में दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को कम से कम तीन महीने से लेकर अधिकतम दो साल की जेल और जुर्माने की सजा हो सकती है।

गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों पर शिकंजा कसा, 476 की पहचान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पंजीकृत एवं गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। हाल में 334 ऐसे दलों को गैर सूचीबद्ध करने के बाद अब दूसरे चरण में 476 राजनीतिक दलों की पहचान की गयी है और इनका पंजीकरण रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरू की गयी है। चुनाव आयोग ने एक बयान में बताया कि दूसरे चरण में 476 पंजीकृत एवं गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की पहचान की गई है। यह विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से हैं। इस प्रक्रिया में किसी तरह की जल्दबाजी और गड़बड़ी न हो इसके लिए संबंधित राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। इन राजनीतिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। उन्हें संबंधित सीईओ के आगे सुनवाई का अवसर दिया जाएगा।

महाराष्ट्र के पुणे में पिकअप वाहन खाई में गिरा, 9 महिलाओं की मौत, 25 घायल

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे जिले के खेड में दोपहर एक पिकअप वाहन के गहरी खाई में गिरने से 9 महिलाओं की मौत हो गई जबकि 25 यात्री घायल हो गए। सभी को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुणे पुलिस और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव काम कर रही है।

पुणे पुलिस सूत्रों ने बताया कि आज पुणे के खेड में पिकअप वाहन से करीब 35 महिलाएं श्रावणी सोमवार के अवसर पर दर्शन के लिए श्रीक्षेत्र कुंडेश्वर जा रही थीं। कुंडेश्वर जाते समय घाट पर पिकअप चालक ने अचानक वाहन से नियंत्रण खो दिया और वाहन सडक़ किनारे पहाड़ से सीधे खाई में जा गिरा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय नागरिकों से सहयोग से राहत और बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने तुरंत निजी वाहनों और 10 से अधिक एम्बुलेंस से दुर्घटना में प्रभावित महिलाओं को अस्पताल पहुँचाया। इस हादसे में नौ महिलाओं

की मौत हो गई और 25 महिलाएं घायल हो गईं। इनमें से कुछ हालत अधिक गंभीर बतायी गई है।

इस हादसे में मरने वालों में शोभा जनेश्वर पापल, सुमन कलुशम पापल, शारदा रामदास चोरघे, शंकुतला तान्हाजी चोरघे, मंदा कन्हीफ दरेकर , संजीवनी कैलास दरेकर, मीराबाई संभाजी चोरघे, बैदाबाई दरेकर और एक अन्य के रुप में की गई है। जबकि शकुंतला तानाजी चोरगे ,चित्रा शरद करांडे , चंद्रभागा दत्तात्रेय दरेकर ,मंदा चांगदेव पापल ,लक्ष्मी चंद्रकांत कोलेकर, कलाबाई मल्हारी लोंढे ,कविता सारंग चोरगे, सिद्दीकी रामदास चोरगे , छबाबाई निवृत्ति पापल , शंकुतला चोरगे, मनीषा दरेकर लक्ष्मी चंद्रकात कोलेकर, कलाबाई मल्हारी लोंढे, रुशिकेश करांडे ,जनाबाई करांडे , फसाबाई सावंत , सुप्रिया लोंढे , निशांत लोंढे , सुलोचना कोलेकर ,मंगल शरद दरेकर , लता कार्डे और अन्य घायल महिलाओं का इलाज खेड के विभिन्न अस्पतालों में किया जा रहा है। इन घायलों में से कुछ की हालत चिंताजनक बतायी गई है।

प्रधानमंत्री ने पुणे हादसे पर जताया दुख, मुआवजे की घोषणा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के पुणे में सड़क हादसे पर दुख जताते हुए मुआवजे की घोषणा की है। सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि वे पुणे में हुई घटना से बेहद दुखी हैं। वह मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना करते हैं। मुआवजे की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख और घायलों को 50 हजार दिया जाएगा।

योगी सरकार की पारदर्शिता और समयबद्धता से हजारों दिव्यांगों को समय पर मिल रहा लाभ

एजेंसी

लखनऊ। दिव्यांग सशक्तीकरण और कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों के उत्थान के लिए योगी सरकार लगातार कार्य कर रही है। योगी सरकार की पारदर्शिता और समयबद्धता के चलते कुष्ठावस्था पेंशन योजना और दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजना के तहत लाखों जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जो राज्य की सामाजिक कल्याण नीतियों की मिसाल बन रही है। कुष्ठ रोग के कारण दिव्यांग हुए व्यक्तियों के लिए संचालित कुष्ठावस्था पेंशन योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी को प्रतिमाह 3,000 रुपये दिए जा रहे हैं। पिछले तीन वर्षों में 34,994 कुष्ठरोगियों को इस योजना का लाभ मिला, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 12,692 लाभार्थियों को आधार-आधारित प्रणाली से भुगतान किया गया। इसी क्रम में, दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजना के तहत

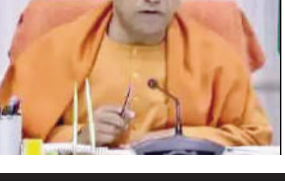

30,86,102 दिव्यांगजनों को पिछले तीन वर्षों में प्रतिमाह 1,000 रुपये की पेंशन दी गई। इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में 11,32,240 दिव्यांगों को यह राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। आधार-आधारित भुगतान प्रणाली ने इन योजनाओं को पारदर्शी और समयबद्ध बनाया है, जिससे धन के दुरुपयोग की संभावना खत्म हुई है। ऑनलाइन आवेदन और जनसुविधा केंद्रों के माध्यम से पात्रता निर्धारण को सरल बनाया गया है, जिसमें बीपीएल आय सीमा और चिकित्सा प्रमाण पत्र आधार हैं। यह कदम न केवल कुष्ठरोगियों और दिव्यांगों के जीवन स्तर को बेहतर कर रहा है, बल्कि समाज में भेदभाव को कम करने में भी सहायक है। पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांग सशक्तीकरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि दिव्यांगों और कुष्ठरोगियों के स्वावलंबन और सम्मान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्राथमिकताओं में है। योगी सरकार का लक्ष्य इन समुदायों को मुख्यधारा में लाना और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है। सरकार समयबद्ध व पूरी पारदर्शिता के साथ दिव्यांगों को योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है।

शुभमन गिल बने जुलाई महीने के प्लेयर ऑफ द मंथ, चौथी बार जीता यह पुरस्कार

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड की स्पिनर सोफिया डंकले को क्रमशः जुलाई के लिए ढ्ढष्टष्ट पुरुष और महिला प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। गिल को इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स और दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर वियान मुल्डर से कड़ी टक्कर के बाद प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार मिला है। यह उनका चौथा प्लेयर ऑफ द मंथ का सम्मान है, इससे पहले उन्होंने इस साल फरवरी, जनवरी और सितंबर 2023 में यह सम्मान जीता था।

इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने जुलाई में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन टेस्ट मैचों में 94.50 की शानदार औसत से 567 रन बनाए जिसमें छह मैचों में एक दोहरा शतक और दो शतक शामिल हैं। भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में यह गिल का पहला दौरा था और उन्होंने कहा कि यह सम्मान पाना उनके लिए एक बड़ा सम्मान है।

गिल ने कहा, 'जुलाई के लिए ढ्ढष्टष्ट प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर बहुत अच्छा लग रहा है। इस बार यह और भी ज़्यादा मायने रखता है क्योंकि यह पुरस्कार मुझे कप्तान के रूप में मेरी पहली टेस्ट सीरीज के दौरान मेरे प्रदर्शन के लिए मिला है। बर्मिंघम में लगाया गया दोहरा शतक निश्चित रूप से ऐसी चीज है जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा और यह मेरे इंग्लैंड दौरे के सबसे यादगार पलों में से एक होगा।'

उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज कप्तान के रूप में मेरे लिए सीखने का एक अनुभव था और दोनों टीमों ने कुछ बेहतरीन प्रदर्शन किए, जिन्हें दोनों टीमों के खिलाड़ी लंबे समय तक याद रखेंगे। मैं इस पुरस्कार के लिए मुझे चुनने के लिए जूरी का और इस रोमांचक सीरीज के दौरान मेरे साथ रहे मेरे साथियों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।' गिल ने कहा, 'मैं आने वाले सीजन में भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखने और देश के लिए और भी सम्मान लाने के लिए उत्सुक हूं।'

इस बीच सोफिया डंकले के बल्ले से लगातार अच्छे प्रदर्शन ने उन्हें पहली बार आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का सम्मान दिलाया है। उन्होंने इस मासिक पुरस्कार के लिए इंग्लैंड की साथी सोफी एक्लेस्टोन और आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस को कड़ी टक्कर दी। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने ब्रिस्टल में भारत के खिलाफ दूसरे टी20आई में महीने की शुरुआत अच्छी नहीं की थी। हालांकि उन्होंने अगले मैच में शानदार वापसी की और 53 गेंदों पर 75 रनों की शानदार पारी खेलकर अपनी क्लास का प्रदर्शन किया, यह पारी इंग्लैंड की छह रनों की मामूली जीत में अहम साबित हुई।

डंकले ने चार टी20आई मैचों में 36 की औसत से 144 रन बनाए, जिसमें 134.57 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट रही। उनका यह फॉर्म वनडे में भी जारी रहा, जहां उन्होंने 63 की औसत और 91.97 के स्ट्राइक रेट से 126 रन बनाए। फॉर्म में चल रही इंग्लैंड की इस बल्लेबाज के लिए बल्ले से एक मजबूत ऑलराउंड महीने का समापन हुआ। पुरस्कार जीतने पर डंकले ने कहा, 'भारत के खिलाफ एक बेहद कड़ी सीरीज के बाद आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीतकर मैं बेहद खुश हूं। हम यह सीरीज जीतना पसंद करते, लेकिन मुझे लगता है कि आईसीसी महिला विश्व कप की ओर बढ़ते हुए हम इससे बहुत कुछ सीखेंगे। भारत अपनी जीत का हकदार था और इस सीरीज का हिस्सा बनना एक शानदार अनुभव था।'

दीप्ति शर्मा टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंची, स्मृति मंधाना को हुआ नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी20 की नवीनतम रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। दूसरी तरफ सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना बल्लेबाजों के बीच टॉप से दूसरे स्थान पर खिसक गईं।

दीप्ति पाकिस्तान की सादिया इकबाल के साथ 732 रेटिंग अंक के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। सादिया रैंकिंग में पहले स्थान से दूसरे स्थान पर खिसक गई जबकि ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड चार रेटिंग अंको की बढ़त के साथ पहली बार टॉप रैंकिंग की टी20 अंतर्राष्ट्रीय गेंदबाज बनने में सफ रही।

सदिया ने आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में सिर्फ तीन विकेट लेने के बाद रेटिंग अंक गवां दिए। पाकिस्तान महिला टीम इस सीरीज को 1-2 से हार गई थी। सदरलैंड ने मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ चार विकेट लेने के बाद से सबसे छोटे अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में कोई मैच नहीं खेला है। इससे उनके रेटिंग अंक में कोई बदलाव नहीं आया है।

टी20 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों की लिस्ट में दीप्ति 387 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं। वह वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज और न्यूजीलैंड की अमेलिया केर से पीछे हैं।

वहीं बल्लेबाजों की लिस्ट में स्मृति मंधाना एक स्थान फिसल कर इंग्लैंड की नैट सिवर-ब्रंट के बाद दूसरे पायदान पर गई हैं। जबकि हरमनप्रीत कौर 10 पायदान की छलांग लगातार शीर्ष 10 बल्लेबाजों में शामिल होने के करी पहुंच गई हैं। वह फिलहाल 11वें नंबर पर हैं।

वॉर्नर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पांचवे खिलाड़ी बने

मैनचेस्टर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड वॉर्नर ने इंग्लैंड में जारी द हंड्रेड प्रतियोगिता के दौरान ओरिजिनल्स के खिलाफ अपनी टीम लंदन स्पिरिट्स की ओर से अर्धशतक लगाकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब वार्नर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पांचवे खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के साथ ही ही उन्होंने भारत के विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। अब 419 टी20 मैचों में वार्नर के 36.80 की औसत और 140 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 13,545 रन हो गये हैं। जिसमें 8 शतक और 113 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 है। दूसरी ओर भारतीय बल्लेबाज विराट ने 414 मैचों और 397 पारियों में 41.92 की औसत, 134.67 की स्ट्राइक रेट, 9 शतक और 105 अर्द्धशतकों के साथ 13,543 रन बनाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 122 है। टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी वेस्टइंडीज के क्रिस गेल हैं जिन्होंने 463 मैच खेले हैं जिनमें 455 पारियों में 36.22 की औसत, 144.75 की स्ट्राइक रेट, 22 शतक और 88 अर्द्धशतक के साथ 14,562 रन बनाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रहा है।

यह वार्नर का पहला द हंड्रेड सीजन है और वह तीन मैचों में 75.00 की औसत, 141.50 की स्ट्राइक रेट और दो अर्धशतकों के साथ 150 रन बनाकर शीर्ष रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

मैच की बात करें तो मैच के दौरान वॉर्नर ने 51 गेंदों में 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 71 रनों की शानदार पारी खेली और 139 से ज्यादा की औसत से रन बनाए। हालांकि इसके बाद भी उनकी टीम मैनचेस्टर द्वारा बनाए गए 164 रनों के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी।

उन्होंने 'गलत प्रारूप' से संन्यास लिया, रोहित-विराट के टेस्ट क्रिकेट छोड़ने पर पूर्व क्रिकेटर का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली ¬रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के जल्द ही वनडे से संन्यास लेने की मीडिया रिपोर्टों के बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि भारतीय दिग्गजों ने गलत प्रारूप से संन्यास लिया और वर्तमान समय में वनडे क्रिकेट के अभाव के कारण उन्हें टेस्ट क्रिकेट की बजाय 50 ओवर के प्रारूप को छोड़ना चाहिए था।

कप्तान शुभमन गिल द्वारा भारत को 2-2 से शानदार ड्रॉ दिलाने के कुछ दिनों बाद ऐसी खबरें आने लगीं कि रोहित और विराट वनडे भी छोड़ सकते हैं। दोनों ही 2027 में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया में होने वाले आईसीसी क्रिकेट विश्व कप की योजना में नहीं हैं, जब तक कि दोनों अपनी मैच फिटनेस और फॉर्म साबित करने के लिए घरेलू 50 ओवर का क्रिकेट नहीं खेलते। दोनों क्रिकेटरों ने मई में भारत के इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए चोपड़ा ने कहा, %सच्चाई यह है कि उन्होंने गलत फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। उन्होंने टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 छोड़ दिया था, लेकिन अगर वे टेस्ट खेलना जारी रखते और वनडे को अलविदा कह देते तो कहानी कुछ और होती। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले 12 महीनों में भारत ने सिर्फ 6 वनडे खेले थे।'

उन्होंने आगे कहा, 'हो सकता है कि आप साल में सिर्फ छह टेस्ट खेलें, लेकिन अगर ये सिर्फ छह टेस्ट भी हैं, तो ये 30 दिन का क्रिकेट है। अगर सिर्फ छह वनडे खेले जाते हैं, तो ये एक समयावधि में सिर्फ छह दिन का क्रिकेट होगा। आपके आखिरी ढ्ढक्क मैच से लेकर अगले वनडे मैच तक 100 दिन से ज्यादा का समय लगेगा। आप बिल्कुल नहीं खेल रहे हैं। आप बिल्कुल भी अभ्यास नहीं कर रहे हैं।' चोपड़ा ने यह भी बताया कि इन दिनों वनडे सीरीज के बीच का अंतराल भी 'बेहद बड़ा' है और सिर्फ कुछ वनडे मैचों से फॉर्म, फिटनेस, डाइट के प्रति प्रतिबद्धता आदि को बनाए रखना मुश्किल होगा। मौजूदा कमेंटेटर ने कहा, 'तीन मैचों की एक सीरीज सात से आठ दिनों में खत्म हो जाती है। फिर अगली सीरीज तीन महीने बाद होगी। अंतराल बहुत बड़ा है और आप बीच में प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेलेंगे। यह सच है कि अगर वे टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखते और वनडे छोड़ देते, तो लय में बने रहना बहुत आसान होता।' पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'जब आप टेस्ट से संन्यास ले चुके होते हैं और वनडे क्रिकेट ज्यादा नहीं खेला जाता, तो इसका कोई खास मतलब नहीं बनता। इसलिए सिर्फ दो महीने का तेज-तर्रार ढ्ढक्क, जहां आपको 14 से 16 पारियां खेलने को मिलेंगी और फिर छह महीने बाद तीन मैच और फिर तीन महीने बाद तीन मैच। मुझे लगता है कि यह बहुत, बहुत मुश्किल है।'

पिछले दो साल से शतक नहीं लगा पाये हैं बाबार

लाहौर । पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार असफल हो रहे हैं। वह पिछले दो साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक नहीं लगा पाये हैं। उनके बल्ले से अंतिम शतक 30 अगस्त 2023 को निकला था। उसके बाद से ही वह कई अवसरों पर 50 के ऊपर तो पहुंचने में सफल रहे, मगर शतक नहीं लगा पाये हैं। बाबर आजम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाए 712 दिन और 71 पारियां हो गई है। बाबर आजम के करियर का यह दो शतकों के बीच सबसे लंबा अंतर है। इससे पहले 25वें शतक तक पहुंचने के लिए उन्हें 25 पारियां लगी थी, वहीं 8वां शतक उन्होंने 22 पारियों के बाद बनाया था। कई बार पाक क्रिकेटर उनकी तुलना भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से करते रहे हैं। कोहली के करियर में भी एक खराब दौर आया था जब उनके बल्ले से भी शतक नहीं निकल रहे थे। विराट ने 2019 के बाद सीधा 2022 में शतक जड़ा था। उन्हें अपने 71वें अंतरराष्ट्रीय शतक के लिए 83 पारियां और 1020 दिनों का इंतजार करना पड़ा था।वहीं बाबर लगता है विराट कोहली को इस मामले में भी पीछे छोड़ने में लगे हैं।

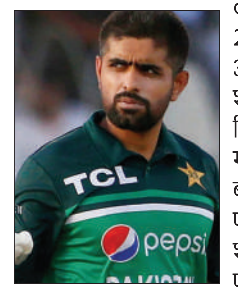

सैमसन आते हैं तो सीएसके में उनका स्वागत करुंगा :श्रीकांत

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान के श्रीकांत ने कहा है कि अगर संजू सैमसन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) आते हैं तो उन्हें कप्तान बनाया जाना चाहिये। श्रीकांत के अनुसार सैमसन सीएसके में महेन्द्र सिंह धोनी के सबसे अच्छे उत्तराधिकारी बन सकते हैं। अभी सैमसन आईपीएल राजस्थान रॉयल्स के कप्तान हैं। श्रीकांत का कहना है कि अगर रॉयल्स उन्हें रिलीज करता है तो मैं उनका सीएसके में स्वागत करुंगा। . उन्होंने कहा कहा, 'धोनी 44 साल के हैं और वह अपने अंतिम आईपीएल टूर्नामेंट की ओर बढ़ रहे हैं। ऐसे में टीम को उनके एक बेहतर विकल्प की जरुरत है और मेरा मानना है कि इसके लिए सैमसन पहली पसंद हो सकते हैं।' उन्होंने कहा कि सैमसन तमिलनाडु में बेहद लोकप्रिय हैं जिससे भी टीम को प्रशंसकों को और अधिक समर्थन मिलेगा। इसके साथ ही कौशल और ब्रांड वैल्यू के मामले में भी वह काफी आगे हैं। इसीलिए अगर उन्हें राजस्थान टीम छोड़ती है तो उन्हें लिया जाना चाहिये। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स से उन्हें रिलीज या ट्रेड करने का आग्रह किया है। वहीं रॉयल्स ने अभी तक इस मामले में . कोई बयान नहीं दिया है। आरआर के साथ सैमसन की यह दूसरी पारी थी। पहले 2013 से 2015 तक इस टीम के साथ थे। वहीं दूसरी पारी में वह साल 2018 से रॉयल्स के साथ जुड़े और 2022 से ही टीम की कप्तानी उनके पास है। सैमसन कप्तानी, विकेटकीपिंग के साथ ही सलामी बल्लेबाज के तौर पर अच्छे विकल्प हैं। तीनों ही भूमिकाओं में वह अपने को साबित करने में सफल रहे हैं। सीएसके को भी धोनी के बाद एक ऐसा खिलाड़ी चाहिये जो सभी भूमिकाएं कुशलता से निभा सके। ऐसे में सैमसन पर उसकी नजर है। सैमसन एक सलामी बल्लेबाज होने के साथ ही तेज गेंदबाजों के साथ-साथ स्पिनर्स को भी अच्छा खेलते हैं। सैमसन के नाम 176 मैचों की 172 पारियों में 3 शतक और 26 अर्धशतक के साथ ही 4,704 रन बनाए हैं।

खेल विधेयक के समर्थन में उतरीं पीटी उषा, कहा- गतिरोध होगा खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और राज्यसभा की मनोनीत सदस्य पीटी उषा ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक को अपना स्पष्ट समर्थन देते हुए कहा कि ये दशकों से चली आ रही स्थिर यथास्थिति को समाप्त करने में सहायक होगा। इसके अलावा देश के खेल प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही लाएगा। बता दें कि, ये विधेय लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी पारित हो गया।

दरअसल, सोमवार को लोकसभा द्वारा पारित विधेयक पर चर्चा के दौरान उषा ने इसके प्रावधानों की सराहना की। जिसें राष्ट्रीय खेल बोर्ड की स्थापना भी शामिल है। जिसके बाद खेल महासंघों (एनएसएफ) को मान्यता देने का सर्वोच्च अधिकार होगा। केंद्रीय निधि प्राप्त करने के लिए एनएसबी से संबद्धता अनिवार्य होगी।

बता दें कि, विधेयक में खेल विवादों से निपटने के लिए राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण और राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल को राष्ट्रीय खेल महासंघों के चुनावों की निगरानी का भी प्रस्ताव है। एक अन्य मनोनीत सदस्य सुधा मूर्ति के साथ बैठीं उषा ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि, आज का दिन व्यक्तिगत और राष्ट्रीय स्तर पर बेहद महत्वपूर्ण है। मुझे इस पल का लंबे समय से इंतज़ार था।

उन्होंने पिछले साल इस विधेयक का विरोधा किया था और इसे सरकारी हस्तक्षेप बताया था और चेतावनी दी थी कि भारत को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति से प्रतिबंध का सामन करना पड़ा सकता है। हालांकि, खेल मंत्री मनसुख मंडाविया के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद उन्होंने अपने विचार बदल दिए हैं।

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपनी गर्लफ्रेंड से की सगाई, जॉर्जिना ने शेयर की खुशखबरी

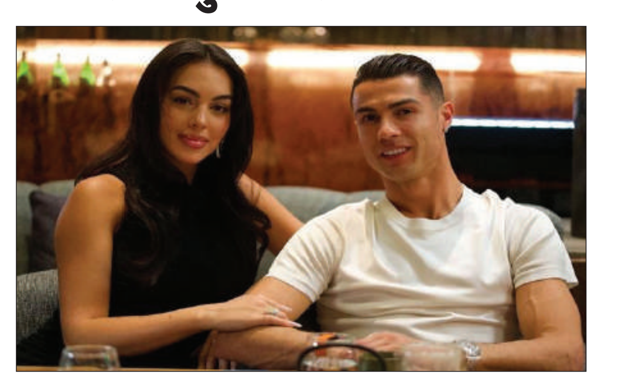

वाशिंगटन । स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लंबे समय से उनकी पार्टनर रही जॉर्जिना रोड्रिग्स ने सगाई कर ली है। जॉर्जिना 31 साल की हैं। उन्होंने सोमवार को इंस्टाग्राम पर अपनी उंगली में एक बड़ी अंगूठी दिखाते हुए एक तस्वीर के साथ इस खुशखबरी की घोषणा की। जॉर्जिना ने तस्वीर के साथ स्पेनिश में कैप्शन में लिखा, 'हां हमने सगाई कर ली है। यह मेरी जिंदगी का सबसे खूबसूरत पल है।' जॉर्जिना और 40 वर्षीय रोनाल्डो की दो बेटियां हैं। उन्होंने रोनाल्डो के अन्य तीन बच्चों की परवरिश में भी मदद की है। जॉर्जिना ने 2022 में जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था लेकिन उनमें से एक लड़के की मौत हो गई थी। रोनाल्डो की जॉर्जिना से 2016 में मुलाकात हुई थी जब वह मैड्रिड के एक स्टोर में काम करती थीं। रियाल मैड्रिड और मैनचेस्टर यूनाइटेड पूर्व स्टार रोनाल्डो अब सऊदी अरब में अल-नासर के लिए खेलते हैं।

सिनसिनाटी ओपन ¬आर्यना संबालेका ने जीता महिला सिंगल्स खिताब, फाइनल में एम्मा रादुकानु को हराया

सिनसिनाटी (एजेंसी)। दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने 3 घंटे 9 मिनट तक चले सिनसिनाटी ओपन के संघर्षपूर्ण फाइनल में ब्रिटेन की एम्मा रादुकानु को हराकर खिताब जीता। रादुकानु एक बार फिर से सबालेंका के खिलाफ लगातार हार के सिलसिले को तोड़ने में नाकामयाब रहीं।

पहले सेट में रादुकानु ने शानदार खेल दिखाया और पहले नौ अंक जीतकर जोरदार शुरुआत की। लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता गया, उनकी पकड़ कमजोर होती गयी। उनकी सर्विस कमजोर पड़ने लगी। वहीं, सबालेंका ने शुरुआत में पिछड़ने के बाद दमदार वापसी की और टाई-ब्रेक में पहला सेट 7-6 (3) से जीता। दूसरे सेट में एम्मा रादुकानु ने जोरदार वापसी की। उन्होंने सबालेंका को छकाते हुए सेट 4-6 से अपने नाम किया।

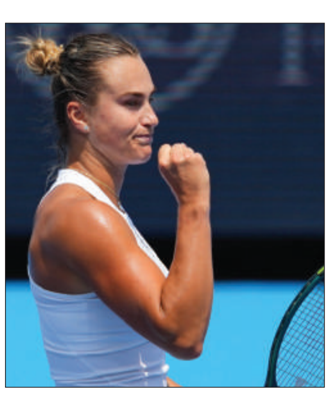

तीसरा सेट बेहद अहम और निर्णायक था। दोनों की तरफ से उनका सर्वश्रेष्ठ खेल देखने को मिला। रादुकानु ने ताकतवर फोरहैंड और बैकहैंड का इस्तेमाल किया और सबालेंका के आक्रमण को रोकने में भी सफलता पाई। वहीं नंबर वन खिलाड़ी सबालेंका ने भी अपनी क्लास से रादुकानु पर अपनी पकड़ बनाए रखी और सेट टाई ब्रेकर में 7-6 (5) से जीतकर खिताब अपने नाम किया।

जीत के बाद सबालेंका ने कहा, 'मैं इस मुश्किल मैच को जीतकर खुश हूं। रादुकानू पर तीसरे सेट में जीत हासिल करने के लिए मुझे जोखिम भरे शॉट खेलने पड़े। मुझे उसके खिलाफ लड़ने में मज़ा आ रहा है। वह एक अद्भुत खिलाड़ी है, एक बहुत अच्छी इंसान है, और मैं उसके लिए बहुत खुश हूं। मैं उसे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ देखकर खुश हूं। वह खेल में लगातार सुधार कर रही है।'

एम्मा रादुकानु बेशक यह मैच नहीं जीत सकी, लेकिन उन्होंने अपने खेल से प्रभावित किया। फाइनल हारने के बाद रादुकानु ने कहा, ÷वह किसी खास वजह से नंबर 1 हैं। मैंने विंबलडन की तुलना में उन पर ज्यादा दबाव डाला। यह मेरे लिए संतोषजनक था। मैं हमेशा से सोचती थी कि घास मेरे लिए ज्यादा उपयुक्त है। अब भी यही मानती हूं। इसलिए हार्ड कोर्ट पर उन पर दबाव डालने पर मुझे बहुत गर्व है।'

बुमराह को एशिया कप के बाद दिया जा सकता है आराम

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एशिया कप में खेलने को लेकर अभी तक साफ तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। वहीं अब एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह को एशिया कप के लिए शामिल किया जा सकता है और इसके बाद उन्हें आराम दिया जा सकता है। एशिया कप अगले माह सितंबर में खेला जाएगा। इसमें एशिया की 8 टीमें भाग लेंगी। भारत की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट का आयोजन 9 से 28 सितंबर के बीच दुबई और अबू धाबी में किया जाएगा। इसमें. भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, हांगकांग, यूएई और ओमान की टीमें खेलेंगी। बुमराह टी20 में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पांचवे गेंदबाज हैं, उन्होंने अंतिम बार 2024 टी20 विश्व कप के फाइनल में खेला था। उनके नाम कुल 70 मैचों में 89 विकेट हैं। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वानर चयन समिति 19 या 20 अगस्त को एशिया कप के लिए भारतीय टीम का चयन कर सकती है। ये एनसीए की फिटनेस रिपोर्ट पर भी आधारित रहेगा। माना जा र हा है कि बुमराह को एशिया कप के बाद अक्टूबर की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली सीरीज में आराम दिया जा सकता है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट 2 से 6 अक्टूबर तक अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट 10 से 14 अक्टूबर दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।

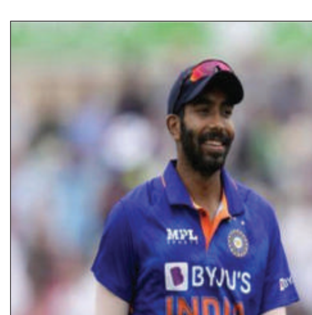

सूर्यकुमार यादव सहित एशिया कप से बाहर हो सकता है ये खिलाड़ी, अय्यर ने पास किया फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या एशिया कप 2025 के लिए टीम के चयन से पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (NCA) में नियमित फिटनेस मूल्यांकन से गुजरेंगे। यह मूल्यांकन 11 और 12 अगस्त को होगा क्योंकि यह स्टार खिलाड़ी पिछले कुछ समय से मुंबई में प्रशिक्षण ले रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रेयस अय्यर ने अपनी फिटनेस साबित कर दी है और सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए वह निश्चित रूप से चयनकर्ताओं की पहली पसंद होंगे।

कप्तान सूर्यकुमार यादव हर्निया की सर्जरी से उबर नहीं पाए हैं और रिपोर्ट के अनुसार उन्हें पूरी तरह से फिट होने के लिए NCA में एक और सप्ताह बिताने की आवश्यकता होगी, लेकिन इससे एशिया कप में उनके खेलने की संभावना कम है। इस बीच ACC ने घोषणा की है कि आगामी एशिया कप के दौरान भारत बनाम पाकिस्तान के दो प्रमुख मैच दुबई में होंगे, जो 9 सितंबर से यूएई में शुरू होने वाला है।

भारत और पाकिस्तान 14 सितंबर को दुबई में और एक बार फिर, संभवतः 21 सितंबर को इसी मैदान पर आमने-सामने होंगे। 29 सितंबर को होने वाला फाइनल भी दुबई में ही होगा। यह टूर्नामेंट अगले साल की शुरुआत में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। यद्यपि कार्यक्रम 26 जुलाई को घोषित किए गए थे, लेकिन ACC ने आयोजन स्थलों की घोषणा नहीं की थी। टूर्नामेंट के 19 मैचों में से 11 दुबई में और 8 अबू धाबी में होंगे।

भारत अपने दो लीग मैच 10 सितंबर (UAE के खिलाफ) और 14 सितंबर (पाकिस्तान के खिलाफ) दुबई में खेलेगा जबकि ओमान के खिलाफ अंतिम लीग मैच 19 सितंबर को अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में होगा। सुपर सिक्स मैचों में अबू धाबी में केवल एक मैच निर्धारित है। भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई ग्रुप ए में हैं, जबकि अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और हांगकांग ग्रुप बी में हैं।

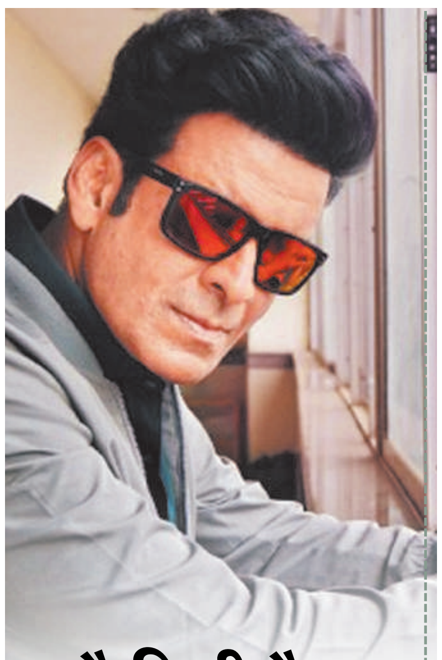

द फैमिली मैन 3 से पहले मनोज बाजपेयी ला रहे हैं इंस्पेक्टर जेंडे

मनोज बाजपेयी और ओटीटी के फैंस जहां द फैमिली मैन सीजन 3 के इंतजार में पलक पावड़े बिछाकर बैठे हैं, वहीं गुरुवार को उनकी एक नई फिल्म की रिलीज डेट आ गई है। मेकर्स ने नई क्राइम थ्रिलर मूवी इंस्पेक्टर जेंडे का फर्स्ट पोस्टर रिलीज कर दिया है। इसमें मनोज बाजपेयी के साथ जिम सर्भ नजर आएंगे। पोस्टर का अंदाज अलग है और वह एक अखबार की शक्ल में है, जिससे पता चलता है कि यह चोर-पुलिस का मजेदार रोमांचक खेल होने वाला है। यह फिल्म सीधे ओटीटी पर रिलीज हो रही है। मनोज और जिम की यह नई फिल्म अगले महीने सितंबर में ही रिलीज होगी। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इस फिल्म के प्लॉट या कहानी को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। लेकिन कथित तौर पर, इंस्पेक्टर जेंडे में 70 और 80 के दशक की मुंबई की कहानी है। इंस्पेक्टर जेंडे के राइटर और डायरेक्टर चिन्मय डी. मंडलेकर हैं। यह एक नेटफ्लिक्स ऑरिजनल फिल्म है। निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर ऐलान किया है कि यह क्राइम थ्रिलर 5 सितंबर, 2025 को ओटीटी पर रिलीज होगी।

इंस्पेक्टर जेंडे की कास्ट

मनोज बाजपेयी इस फिल्म में जहां इसमें इंस्पेक्टर मधुकर जेंडे के लीड रोल में हैं, वहीं जिम सर्भ कुख्यात स्विमसूट किलर कार्ल भोजराज की भूमिका में नजर आएंगे। अन्य कलाकारों में भालचंद्र कदम, सचिन खेडेकर, गिरिजा ओक और हरीश दुधाड़े शामिल हैं।

ओम राउत और जय ने किया है प्रोड्यूस

फिल्म के प्रोड्यूसर ओम राउत हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, इंस्पेक्टर जेंडे की कहानी देखने, याद रखने और जश्न मनाने लायक है। यह एक रोमांचक चेजिंग की कहानी है। यह जितना मनोरंजक है उतना ही प्रेरणादायक भी। फिल्म को को-प्रोड्यूसर जय शेवक्रमणी कहते हैं, नेटफ्लिक्स का सच्ची कहानियों के प्रति सपोर्ट और उन्हें दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने की उनकी क्षमता इस फिल्म के लिए एकदम सही है।

अनीत पड्डा को सैयारा के लिए मिल रही तारीफ, बोलीं- पूरी मेहनत से करती रहूंगी काम

नेशनल क्रश बन चुकीं अभिनेत्री अनीत पड्डा ने फिल्म सैयारा के लिए दर्शकों से मिले प्यार के लिए दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक भावुक संदेश साझा कर अपने फैंस के प्रति अपने जज्बात बयां किए। उन्होंने कहा कि फैंस का प्यार उन्हें और भी ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित कर रहा है। अनीत पड्डा ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। ये तस्वीरें फिल्म से उनके किरदार की हैं।

इन तस्वीरों को साझा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, अब धीरे-धीरे सपने जैसा एहसास खत्म हो रहा है। मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि मैं आपसे प्यार करती हूं। मैं आपको जानती नहीं हूं, लेकिन फिर भी मुझे आपसे प्यार है। आपने जो इतना सारा प्यार मुझे दिया, वो मेरे दिल को गहराई से छू गया। अब मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या करूं, सिवाय इसके कि वो प्यार आपको वापस लौटाऊं।

उन्होंने आगे लिखा, अगर मेरा काम आपको हंसाए, या रुला दे, या कुछ ऐसा याद दिला दे जो आप भूल चुके थे, या फिर अगर इससे आपको थोड़ा भी कम अकेलापन महसूस हो, तो मैं समझूंगी कि मैं सही दिशा में जा रही हूं। मैं कोशिश करती रहूंगी, चाहे मुझसे पूरी तरह सही न हो पाए, लेकिन मैं पूरी मेहनत के साथ काम करती रहूंगी, क्योंकि मैं आपसे प्यार करती हूं। मोहित सूरी निर्देशित फिल्म सैयारा एक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा है। इसमें अनीत ने अहान पांडे के साथ अभिनय किया है। उनकी जोड़ी को लोगों ने काफी पसंद किया। फिल्म में अनीत ने एक युवा लेखिका वाणी बत्रा का किरदार निभाया है, जो अल्जाइमर रोग से पीड़ित है। यह कहानी प्रेम और यादों के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में गीता अग्रवाल, राजेश कुमार, वरुण बडोला, शाद रंधावा, सिद्धार्थ मक्कर, आलम खान और शान ग्रोवर जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत मिथुन, तनिष्क बागची, सचेत टंडन-परंपरा ठाकुर, विशाल मिश्रा, फहीम अब्दुल्ला और अपलान निजामी ने तैयार किया। वहीं अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल जैसे गायकों ने अपनी आवाज दी। यह फिल्म 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जमकर राज कर रही है।

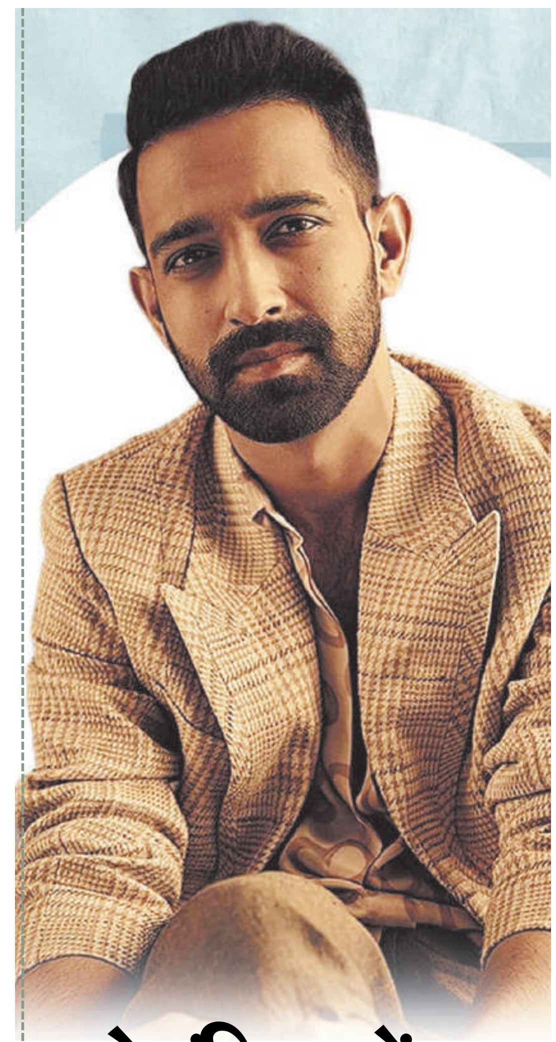

कोलंबिया में शुरू हुई विक्रांत मैसी की 'व्हाइट' की शूटिंग

एक्टर विक्रांत मैसी ने अपनी नई फिल्म 'व्हाइट' की शूटिंग कोलंबिया (साउथ अमेरिका) में शुरू कर दी है। इस फिल्म में वह आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह उस शख्स की कहानी है, जिसकी आस्था ने 52 साल पुराने सिविल कॉन्फ्लिक्ट के माहौल में बदलाव लाया। इस संघर्ष में कई बार शांति की कोशिशें नाकाम रहीं, हजारों लोग मारे गए और लोगों की उम्मीद टूट गई थी। फिल्म व्हाइट का डायरेक्शन मोंटू बस्सी कर रहे हैं। वहीं इसको सिद्धार्थ आनंद, महावीर जैन और पीसक्राफ्ट पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रहे हैं। इसमें कोलंबिया और दुनिया भर के कलाकार और टेक्निकल टीम शामिल हैं। विक्रांत मैसी ने एक्टिंग करियर की शुरुआत 2007 में टीवी सीरियल 'धूम मचाओ धूम' से की थी। इसके बाद उन्होंने 'धरम वीर' (2008), 'बालिका वधू' (2009-2010) और 'कुबूल है' (2013) जैसे शो में काम किया। फिल्मों में उन्होंने 2013 में 'लूटेरा' से शुरुआत की और 'दिल धड़कने दो' (2015) में सपोर्टिंग रोल किया। उनका बड़ा ब्रेक 2017 में फिल्म 'अ डेथ इन द गंज' से मिला। इसके बाद विक्रांत ने 'मिर्जापुर' (2018), 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' (2018-2019) और 'क्रिमिनल जस्टिस' (2019) जैसी वेब सीरीज में काम किया। उन्होंने 'छपाक' (2020), 'हसीन दिलरुबा' (2021) और 'लव हॉस्टल' (2022) में भी एक्टिंग की। 2023 में आई बायोग्राफिकल फिल्म '12वी फेल' सुपरहिट रही और इसके लिए उन्हें हाल ही में बेस्ट एक्टर के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला।

क्या इस बार बिग बॉस का हिस्सा बनेंगी दिव्यांका?

सीजन 19 में एंट्री पर तोड़ी चुप्पी

रियलिटी शो बिग बॉस के 19वें सीजन को लेकर तैयारियां चल रही हैं। शो के नियम और कायदों पर चर्चाओं के साथ प्रतिभागियों के नामों को लेकर भी तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इंटरनेट पर ऐसी चर्चाएं तेज हैं कि इस बार शो में दिव्यांका त्रिपाठी भी हिस्सा लेने वाली हैं। इसके अलावा दिव्यांका के एक्स और को-एक्टर रहे शरद मल्होत्रा के नाम की भी चर्चा है। ऐसी खबरों पर दिव्यांका ने प्रतिक्रिया दी है।

बिग बॉस में हिस्सा लेने से किया इनकार

सोशल मीडिया पर वायरल कुछ पोस्ट में ऐसा दावा किया जा रहा है कि बिग बॉस सीजन 19 के लिए दिव्यांका त्रिपाठी और शरद मल्होत्रा को अप्रोच किया गया है। संभव है कि दोनों की तरफ से कंफर्म किया जाए। हालांकि, इस तरह की खबरों का दिव्यांका त्रिपाठी ने खंडन किया है। उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए इन्हें सिर्फ अफवाह बताया है और बिग बॉस 19 में हिस्सा लेने की बात से साफतौर पर इनकार किया है।

ऐसी खबरें वे हर साल फैलाते हैं

दिव्यांका त्रिपाठी ने टेली टॉक से बातचीत में बिग बॉस 19 में हिस्सा लेने की खबरों पर इनकार करते हुए इन्हें सिर्फ अफवाह बताया है। एक्ट्रेस ने कहा, यह फेक है। इस तरह की खबरें वे हर साल फैलाते हैं। बता दें कि दिव्यांका इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज, नच बलिए 8, खतरों के खिलाड़ी 11 और खतरों के खिलाड़ी 13 जैसे कई रियलिटी शो में हिस्सा ले चुके हैं। हालांकि, बिग बॉस से उन्होंने अब तक दूरी बना रखी है।

एक-दूजे को डेट कर चुके हैं शरद-दिव्यांका

बता दें कि दिव्यांका त्रिपाठी और शरद मल्होत्रा कथित तौर पर कभी एक-दूसरे को डेट कर चुके हैं। दोनों ने बनूं मैं तेरी दुल्हन में साथ काम किया था। इसी दौरान दोनों एक-दूजे के करीब आए। आठ साल की डेटिंग के बाद इनका ब्रेकअप हो गया। हालांकि, अब दोनों अपनी-अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुश हैं। शरद ने रिप्सी भाटिया से शादी की है। वहीं, दिव्यांका की शादी विवेक दहिया से हुई है।

रिलीज हुआ घाटी का ट्रेलर, एक्शन मोड में दिखीं अनुष्का शेट्टी

अनुष्का शेट्टी की लंबे समय से अटकी एक्शन-ड्रामा फिल्म घाटी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह फिल्म 5 सितंबर 2015 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। कृष जगरलामुदी द्वारा निर्देशित फिल्म घाटी के ट्रेलर में खतरनाक पर्वत श्रृंखलाओं में सामने आने वाली गंभीर चुनौती को दिखाया गया है। ट्रेलर में अनुष्का शेट्टी जबरदस्त एक्शन मोड में हैं।

उग्र किरदार में दिखी अनुष्का

फिल्म के ट्रेलर में, अनुष्का शेट्टी एक उग्र और साहसी महिला का किरदार निभाती नजर आ रही हैं। वह पहले एक प्यारी साथी होती हैं। इसके बाद उनके साथ कुछ हादसा हो जाता है और वह एक शक्तिशाली बदला लेने वाली महिला बन जाती हैं। ट्रेलर में मादक पदार्थ की तस्करी की दलदली दुनिया दिखाई गई है।

कई भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

यूवी क्रिएशन्स बैनर के तहत राजीव रेड्डी और साई बाबू जगरलामुडी द्वारा निर्मित, घाटी तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी। अनुष्का शेट्टी को आखिरी बार मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी (2023) में देखा गया था। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी थी।

अभिनय से परे इन एक्टर्स ने होस्टिंग में भी आजमाया हाथ

बॉलीवुड की खूबसूरत और दमदार अदाकारा सोनाली बेंद्रे इन दिनों कलर्स टीवी के रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी के साथ होस्टिंग करती नजर आ रही हैं। फिल्मों में अपनी मासूम मुस्कान और सधी हुई एक्टिंग से दिल जीतने वाली सोनाली का ये नया रूप दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। हालांकि ये पहला मौका नहीं है जब बड़े पर्दे के सितारे छोटे पर्दे पर नजर आए हों। इससे पहले भी कई सितारे एक्टिंग की दुनिया से हटकर होस्टिंग में हाथ आजमा चुके हैं।

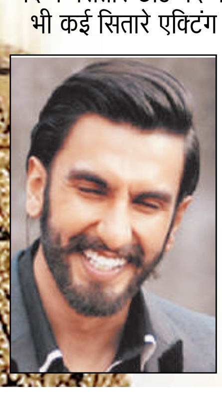

रणवीर सिंह

बॉलीवुड के एनर्जी किंग रणवीर सिंह ने साल 2022 में टीवी डेब्यू किया 'द बिग पिक्चर' के जरिए। कलर्स टीवी पर आए इस क्विज शो में उनका चार्म तो खूब दिखा लेकिन शो टीआरपी के मामले में खास नहीं चला। रणवीर की मेहनत और ब्रांड वैल्यू के बावजूद यह शो मात्र एक सीजन बाद बंद हो गया।

सलमान खान

टीवी होस्टिंग की दुनिया में अगर किसी स्टार का सबसे लंबा और सफल करियर रहा है, तो वह सलमान खान हैं। उन्होंने 'बिग बॉस' के चौथे सीजन से इसकी होस्टिंग शुरू की थी और अब तक 13 सीजन पूरे कर चुके हैं। सलमान का बतौर होस्ट चौदहवां सीजन भी आने वाला है। उनका दबंग स्टाइल और कंटेस्टेंट्स से सीधी बात दर्शकों को खूब पसंद आती है।

अमिताभ बच्चन

टीवी की दुनिया में महानायक अमिताभ बच्चन की पहचान 'कौन बनेगा करोड़पति' से जुड़ी है। साल 2000 में शुरू हुए इस शो ने छोटे पर्दे पर क्रांति ला दी थी। बिग बी की आवाज, अंदाज और ज्ञान ने शो को आज तक दर्शकों के दिल में कायम रखा है। वो 16 सीजन तक इस शो का हिस्सा रह चुके हैं और अब जल्द ही वो शो के नए सीजन के साथ वापसी भी करने वाले हैं।

प्रियंका चोपड़ा

साल 2010 में प्रियंका ने 'फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी' सीजन 3 को होस्ट किया था। यह शो उन्होंने अक्षय कुमार की जगह किया था और अपने दमदार अंदाज से उन्होंने हर किसी को चौंका दिया। हालांकि यह उनका टीवी डेब्यू और आखिरी शो भी रहा, क्योंकि इसके बाद वो कभी टीवी पर वापस नजर नहीं आईं।

शिल्पा शेट्टी

शिल्पा शेट्टी ने 'झलक दिखला जा' और 'सुपर डांसर' जैसे रियलिटी शोज को जज किया है। साल 2016 से 'सुपर डांसर' के साथ जुड़ने के बाद शिल्पा छोटे बच्चों की डांसिंग प्रतिभा को सपोर्ट करती आई हैं। हालांकि जज करने से पहले शिल्पा होस्ट की भूमिका में भी नजर आ चुकी हैं। शिल्पा बिग बॉस सीजन 2 को होस्ट कर चुकी हैं।

अर्जुन कपूर

अर्जुन कपूर ने साल 2016 में 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 7 को होस्ट किया। हालांकि उन्हें दर्शकों से वैसी सराहना नहीं मिली जैसी अक्षय या रोहित शेट्टी को मिलती रही है। शो की टीआरपी में गिरावट दर्ज हुई, और अर्जुन का ये होस्टिंग डेब्यू असरदार नहीं रहा।

अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार ने 'फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी' से साल 2008 में टीवी होस्टिंग शुरू की थी। वो इस एडवेंचर शो के पहले दो और फिर 2011 का सीजन लेकर आए। उनकी फिटनेस और रफ-टफ स्टाइल के चलते ये शो सुपरहिट रहा।

घर पर ही करें मेनीक्योर-पैडीक्योर

चेहरे के साथ-साथ शरीर की साफ-सफाई रखना भी बहुत जरूरी है। खासकर हाथ-पैर की। हाथ-पैर की त्वचा, कोमल और साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए समय- समय पर मेनीक्योर और पैडीक्योर करवाना चाहिए लेकिन बिजी शैड्यूल के चलते पार्लर जाने का समय नहीं मिलता। वैसे भी महंगाई के जमाने में पार्लर जाना काफी महंगा पड़ता है। ऐसे में चिंता करने की जरूरत नहीं आप घर पर ही मेनीक्योर-पैडीक्योर कर हाथों-पैरों को खूबसूरत बना सकते हैं। इसमें आपका ज्यादा खर्चा भी नहीं आएगा।

हाथ-पैर की सफाई के आसान टिप्स

गर्म पानी में थोड़ा सा नमक डालकर हाथ-पैर डुबोने से भी उनकी अच्छी से सफाई हो जाती है लेकिन डेड स्किन को निकालने के लिए उसमें स्क्रबिंग, लोशन और क्रीम की जरूरत पड़ती है।

- नींबू के रस में गुलाब जल मिलाकर हाथों पर लेप लगा सकते हैं। इससे हाथ की त्वचा मुलायम होगी।

-चीनी और तेल को स्क्रबर के तौर पर इस्तेमाल करें। इससे हाथ-पैर की त्वचा मुलायम हो जाएगी। मेनीक्योर के बाद मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं। घर से बाहर जाने से 20 मिनट पहले हाथों पर भी सनस्क्रीन लोशन लगाएं।

- 1 चम्मच शहद, 1 अंडे (पीले भाग के बिना) और 1 चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर हाथ-पैरों में लगाएं। फिर 10 मिनट बाद गुनगुने पानी से हाथ पैर धो लें।

-गर्म पानी में नमक, मेडिकेटेड हैंडवॉश और ग्लिसरीन डालकर पैरों को 20 मिनट तक उसमें डुबो कर रखें। उसके बाद फुट स्मूदर और मसाजर से एड़ियों को अच्छे से रगड़ें। अच्छी तरह स्क्रब करने के बाद उन पर फुट क्रीम लगाएं और पैरों पर पतला पॉलिथिन चढ़ाकर जुराबे पहनें।

- गर्म पानी में आधा चम्मच हाइड्रोजन पैरोक्साइड डालें और 5-6 मिनट तक पैरों को डूबोकर रखें। फुट स्क्रब क्रीम से 5 मिनट स्क्रबिग करें। बाद में पैर धोकर पोंछ लें। बाद में कोल्ड क्रीम लगाकर 3 से 5 मिनट मालिश करें।

-नाखूनों साफ करने के लिए नेल ब्रश का इस्तेमाल करें और शेप देने के लिए फाइलर और नेल कटर की मदद लें। याद रखें ये बात मेनिक्योर-पैडीक्योर से हाथ और पैर की त्वचा मुलायम होती है और सारी गंदगी निकल जाती है लेकिन ध्यान रहें कि मेनिक्योर निश्चित अवधि में ही करवाया जाए। ज्यादा मेनिक्योर-पैडीक्योर करवाने से भी हाथ-पैर की प्राकृतिक चमक-दमक गायब हो जाती है।

मोती जैसे सफेद दांत पाना चाहते हैं तो अपनाएं ये टिप्स

खिल-खिलाती मुस्कान किसी को भी अपनी ओर आकर्षित कर सकती है। खूबसूरत मुस्कान के पीछे हमारे दांतों की अहम भूमिका होती है। यह सिर्फ खाना खाने में ही मददगार नहीं होते बल्कि इससे हमारी पर्सनैलिटी को नई पहचान मिलती है लेकिन अगर दांत पीले हों तो पर्सनैलिटी पर बुरा असर भी पड़ता है। पानी में मौजूद कैमिकल्स ,तंबाकू और कलर्ड फूड्स के ज्यादा इस्तेमाल से दांतों में पीलापन आ जाता है। इन्हें चमकाने के लिए बाजार से आपको ढेरों प्रॉडक्ट्स मिल जाएंगे लेकिन उनमें मौजूद कैमिकल्स से मसूड़ों को नुक्सान पहुंचता है। आज हम आपको ऐसे टिप्स बताएंगे जिससे दांत तो मोतियों जैसे सफेद होंगे बल्कि इसके साथ-साथ वह मजबूत भी बनेंगे।

- खान-पान की तरफ पूरा ध्यान दें

सबसे पहले तो अपने खान-पान की तरफ पूरा ध्यान दें। ऐसे फल और सब्जियां खाएं जिसे चबाने की जरूरत पड़े। दूध से बनने वाले उत्पादों का सेवन ज्यादा करें क्योंकि उसमें कैल्शियम होता है जो दांतों के लिए बहुत जरूरी है। चाय कॉफी का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। धूम्रपान से दूर रहें।

- तुलसी

तुलसी मुंह और दांतों के रोग से बचाती है। इससे दांत का पीलापन भी दूर होता है। तुलसी के पत्तों को धूप में सुखाकर पाऊडर बना लें फिर टूथपेस्ट में मिलाकर नियमित ब्रश करें। - नमक और सरसों का तेल

नमक और सरसों के तेल से दांत चमकाने का नुस्खा काफी पुराना है। बस चुटकी भर नमक में 2-3 बूंदें तेल की मिलाकर दांत साफ करें। - नीम

नीम में दांत सफेद बनाने और बैक्टीरिया खत्म करने के लाजवाब गुण पाए जाते हैं। रोजाना नीम की दातून से दांत साफ करें।

- स्ट्रॉबेरी स्ट्रॉबेरी में मैलिक एसिड मौजूद होता है, जो एक नैचुरल व्हाइटनिंग एजैंट है जो स्लाइवा के प्रॉडक्शन को बढ़ाकर दांतों को सफेद बनाता है। एक स्ट्रॉबेरी को मैश कर लें और टूथब्रश की मदद से दांतों पर हल्के से रगड़ें और 5 मिनट बाद अच्छी तरह धो लें। ऐसा हते में एक बार जरूर करें।

- संतरे के छिलके और तुलसी के पत्तें

संतरे के छिलके और तुलसी के पत्तों को सुखाकर पाऊडर बना लें। ब्रश करने के बाद इस पाऊडर से दांतों पर हल्के से रोजाना मसाज करें।

- नारियल, तिल या जैतून का तेल

नारियल, तिल या जैतून के तेल से दांत साफ करना आयुर्वैदिक तरीका है। एक चमच में नारियल तेल लेकर इसे मुंह व दांतों में लगाएं। - बेकिंग सोडा बेकिंग सोडा पीले दांतों को सफेद बनाने का सबसे अच्छा घरेलू तरीका है। ब्रश करने के बाद थोड़ा-सा बेकिंग सोडा दांतों पर धीरे-धीरे रगड़ें। दांतों पर जमी पीली परत साफ हो जाएगी।

- नींबू का रस

एक नींबू का रस निकालकर उसमें समान मात्रा में ही पानी मिला लें। खाने के बाद इस पानी का कुल्ला करें। रोजाना ऐसा करने से दांतों का पीलापन और सांसों की दुर्गंध दूर हो जाती है।

गर्दन का कालापन

दूर करने के लिए घरेलू उपचार

चेहरे की खुबसूरती के साथ-साथ गर्दन का सुन्दर होना भी बहुत ज़रूरी है। लोग इस पर ध्यान नहीं देते। ज़्यादातर इसे नजंर अंदाज किया जाता है। गर्मियों में गर्दन का कालापन, सन टैनिंग या सनबर्न आम समस्या है। इसलिए आज हम आपको गर्दन का कालापन दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपचारों के बारे में बताएगें। तो आइए जानते हैं ये घरेलू उपचार.....

- **नींबू और गुलाबजल** रात को सोने से पहलें आप घर पर नींबू का रस और गुलाबजल मिला कर रूई की मदद से गर्दन पर लगा कर छोड़ दें। सुबह होते ही इसे साफ पानी से धो लें।

- **शहद** नींबू और शुद्ध शहद को एक समान मिला कर 20-25 मिनट तक गर्दन पर लगा कर छोड़ दें। बाद में पानी से साफ कर लें और देखे कि गर्दन का कालापन कुछ हद तक साफ हो जाएगा।

- **हल्दी पावडर** चुटकी भर हल्दी को 1 चम्मच नींबू के रस में मिला कर 20 मिनट तक लगाएं। जब यह सूख जाए तो पानी से साफ कर लें।

- टमाटर

गर्दन का कालापन दूर करने के लिए टमाटर और नींबू के रस को समान मात्रा में मिला कर दिन में दो बार गर्दन पर लगाएं। बाद में पानी से साफ कर दें।

- जैतून तेल और शहद

गर्दन की डेड स्किन को हटाने के लिए और त्वचा में नमी बनाए रखने के लिए थोड़ा सा नींबू का रस, जैतून के तेल की कुछ बूंदें और 1 चम्मच शहद को मिला कर 30 मिनट लग लगा कर रखें और मसाज करें। मसाज करने के बाद पानी से साफ कर लें।

सौंदर्य में निखारने पाने के लिए इस्तेमाल में लाए यह साबुन

आजकल ऐलोवेरा का ज्यादातर इस्तेमाल सौंदर्य को बरकरार रखने के लिए किया जाता है। ऐलोवेरा प्रकृति का वरदान है। यह रूखी, बेजान, दागदार त्वचा के साथ-साथ मुंहासों, सोरायसिस आदि त्वचा की समस्या को दूर करने में भी मदद करता है। इसके रस को चेहरे पर लगाने से त्वचा में चमक आती है। कई बार त्वचा के जलने पर और त्वचा का कालापन दूर करने के लिए भी एलोवेरा का रस लगाया जाता है। सौंदर्य में निखार पाने के लिए आप एलोवेरा का फेस पैक भी बना कर लगा सकते हैं। इसलिए आज हम आपको सौंदर्य में निखार लाने के लिए एलोवेरा साबुन बनाने के बारे में बताएगें। इसे आप घर पर बहुत ही आसानी से बना सकते हैं। तो आइए जानते हैं साबुन बनाने की विधि और सामग्री।

1 किलो ऐलोवेरा साबुन बनाने की सामग्री

- ऐलोवेरा का पल्प 110 ग्राम - कास्टिक सोडा 110 मिली - जैतून का तेल 750 मिली - पानी 250 मिली - आवश्यक तेल ऐलोवेरा साबुन बनाने के विधि :-

1. इस साबुन को बनाने के लिए पहले एलोवेरा, ऑलिव ऑयल, पानी, कास्टिक सोडा और साबुन में खुशबू डालने के लिए आवश्यक तेल लें।
2. ध्यान में रखें कि साबुन को बनाने के लिए खुली और हवादार जगह हों। साथ ही साबुन बनाने समय हाथों में दस्ताने जरूर पहन लें।
3. इसके बाद पानी को उबाल कर प्लास्टिक कंटेनर या बालटी में डाल लें और इसमें कास्टिक सोडा मिला कर मिक्स करें व ठंडा होने के लिए रख दें।
4. जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तो चाकू की मदद से ऐलोवेरा को काटें और उसका पल्प निकाल लें।
5. अब इस पल्प को मैश करें और ऑलिव ऑयल को माइक्रावेव में गर्म करें।
6. जब ऑलिव ऑयल ठंडा हो जाए तो इसमें जैतून का तेल मिलाएं और ऐलोवेरा को मिलाएं।
7. आप इसमें अच्छी खुशबू पाने के लिए लैवेंडर, गुलाब आदि मिला सकते हैं।
8. जब यह सारा मिक्स हो जाएं तो बड़े और गहरे सांचे में डालें और ठोस होने के लिए रख दें। 9. जब यह ठोस हो जाए तो इस ऐलोवेरा साबुन को टुकड़ों में काट लें।

बाद में इन टुकड़ों को ठोस हेने के लिए 15-30 दिनों तक रख दें। बाद में इसका इस्तेमाल कर लें।